झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, बुधवार, 11 दिसंबर 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 04 | अंक -173 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

दीपिका पांडेय सिंह
महगामा विधायक

एक मजबूत शासक आप तभी बन सकते हैं, जब आप अपने राज्य की जनता की हर परेशानी को अपना समझे और जल्द से जल्द उसका समाधान करें, याद रहे आपका कर्म ही आपका भविष्य तय करता है।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **73,000**
चांदी (प्रति किलो) : **97,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **81,510.05**
निफ्टी :- **24,610.05**

मौसम

अधिकतम तापमान : **21** °
न्यूनतम तापमान : **10** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **06:20**
संध्या :- **17:04**

आज का इतिहास

आज ही के दिन 1905 को मॉस्को में दिसंबर विद्रोह के समर्थन में, कीव के डिपो के श्रमिकों की परिषद ने बड़े पैमाने पर विद्रोह किया, शहर में शुलियावाका गणराज्य की स्थापना की।

संक्षिप्त समाचार

आज सदन में पेश होगा अनुपूरक बजट

रांची। विधानसभा के विशेष सत्र के तीसरे दिन यानि 11 दिसंबर को दिन के 11-30 बजे राज्यपाल का अभिभाषण होगा. इसके बाद वित्तीय वर्ष 2024-25 का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया जाएगा. 12 दिसंबर राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव, वाद-विवाद सरकार का उत्तर और विश्वास मत हासिल करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी.

पिकअप वैन और कूरियर कंटेनर की टक्कर में 7 की मौत

हाथरस। उत्तर प्रदेश में बड़ा हादसा हुआ है. प्रदेश के हाथरस में एक पिकअप और कूरियर कंटेनर की टक्कर में 7 लोगों की मौत हो गई है. मृतकों में तीन पुरुषों और 3 महिलाओं समेत एक बच्चा शामिल है. हादसे में आधा दर्ज से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए है. बता दें, मंगलवार को एक कंटेनर ने सवारियों से भरी पिकअप वैन को टक्कर मार दी. हादसे में पिकअप वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. सीएम योगी ने घटना पर दुख जताया है. वहीं हादसे की घटना पर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख जताया हैत उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर अपनी संवेदना जाहिर करते हुए लिखा कि जनपद हाथरस में मथुरा-कासगंज हाइवे पर सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदय विदारक है. मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं. जिला प्रशासन के अधिकारियों को राहत कार्यों को तेजी से संचालित करने एवं घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं. हाथरस में हुए हादसे को लेकर हाथरस डीएम आशीष कुमार ने कहा है कि एक परिवार पिकअप से एटा जा रहा था. इसी दौरान भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई. उन्होंने कहा कि कई अन्य लोग भी घायल हुए हैं. उनमें 6 को रेफर किया गया है और 7 जिला अस्पताल में भर्ती हैं. उन्होंने कहा कि

झारखंड में रवींद्रनाथ महतो निर्विरोध चुने गये विधानसभा अध्यक्ष, सदन की कार्यवाही बुधवार तक के लिए स्थगित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। झारखंड विधानसभा सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में रवींद्रनाथ महतो को लगातार दूसरी बार झारखंड विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। वे निर्विरोध चुने गए। महतो चौथी बार विधानसभा चुनाव जीतें हैं। उन्होंने इस मिथक को तोड़ दिया कि कोई भी स्पीकर रहते दोबार विधायक नहीं बनता। मंगलवार सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होते ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने स्पीकर पद के लिए रवींद्रनाथ महतो के नाम का प्रस्ताव रखा। इसका मथुरा महतो ने समर्थन किया। बाद में ध्वनिमत से रवींद्रनाथ महतो को विधानसभा अध्यक्ष चुनने की घोषणा की गई। विधानसभा क्षेत्र नाला से विधायक रवींद्रनाथ महतो दूसरी बार स्पीकर बने हैं। रवींद्रनाथ महतो विधानसभा चुनाव में चौथी बार जीते हैं। महतो ने स्पीकर बनते ही इस मिथक को तोड़ दिया, कि कोई भी स्पीकर रहते दोबारा विधायक नहीं बनता। सिर्फ सीपी सिंह ने ही स्पीकर रहते दोबारा जीत हासिल की थी, लेकिन रवींद्र नाथ महतो दोबारा स्पीकर बन गये।

इससे पूर्व सोमवार को रवींद्रनाथ महतो ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए सात सेटों में नामांकन दाखिल किया था। पहले सेट में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रस्तावक और मथुरा प्रसाद महतो समर्थक बने थे। दूसरे में राधा कृष्ण किशोर प्रस्तावक और रामेश्वर उरांव समर्थक, तीसरे में सुरेश पासवान प्रस्तावक और नरेश सिंह समर्थक, चौथे में अरुप चटर्जी प्रस्तावक और चंद्र देव महतो समर्थक, पांचवें में बाबूलाल मरांडी प्रस्तावक और सीपी सिंह समर्थक, छठे में सरयू राय प्रस्तावक और जनार्दन पासवान समर्थक, सातवें में जयराम महतो प्रस्तावक और निर्मल महतो समर्थक के रूप में हस्ताक्षर किए थे। उल्लेखनीय है कि रवींद्रनाथ महतो सबसे पहले नाला सीट से वर्ष 2005 में जीत हासिल की थी। इसके बाद वर्ष 2009 में विधानसभा चुनाव में रवींद्रनाथ महतो को हार का सामना करना पड़ा था। वहीं 2014, 2019 और 2024 में रवींद्रनाथ महतो ने विधानसभा चुनाव में लगातार जीत हासिल की है।

सदन निर्बाध चले, गतिरोध ना हो : रवींद्रनाथ महतो

स्पीकर चुने जाने के बाद रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि मुझे आप सभी से अपेक्षा है कि सदन निर्बाध रूप से चले और सदन में गतिरोध ना हो. उन्होंने स्पीकर चुने जाने पर सभी दलों के प्रति आभार व्यक्त किया. भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी ने स्पीकर रवींद्रनाथ महतो को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आग्रह है कि कोई भी विधायक जब सदन में मामला उठाये तो उसका समाधान हो. सदन के कस्टोडियन के नाते सभी को अवसर दें. इससे नये विधायकों में आत्मविश्वास पैदा होगा. स्पीकर पद के लिए नाला कुल सात प्रस्ताव आये. सीएम ने प्रस्ताव रखा. मथुरा महतो ने समर्थन किया. इसके बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

राज्य के सर्वांगीण विकास में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भूमिका अहम : सीएम

रांची। झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन रवींद्रनाथ महतो के स्पीकर चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सदन को संबोधित किया. हेमंत सोरेन ने सबसे पहले रविंद्र नाथ महतो को फिर से स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी. उन्होंने कहा कि पंचम झारखंड विधानसभा में रवींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता में सदन सफलतापूर्वक चला. आगे कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष की भूमिका अहम है. विपक्ष से आग्रह किया कि इस चुनाव के दौरान राज्य की जनता ने जो निर्णय सुनाया है, उस निर्णय का सम्मान करें. उन्होंने कहा कि महान विभूतियों के सपने को सकार करने में भूमिका निभानी चाहिए. रवींद्रनाथ महतो के स्पीकर चुने जाने के बाद सीएम ने उन्हें बधाई दी. कहा कि मैं अपनी पार्टी और सत्ता पक्ष की ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनाएं देता हूं. आगे कहा कि ये लोकतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है. यह देश के महान विभूतियों के समर्पण और त्याग का परिणाम है. कहीं न कहीं हमारे इस लोकतंत्र का लोहा पूरी दुनिया मानता है. अलग-अलग रंग, बोली, सभ्यता-संस्कृति एक साथ मिलकर एक समूह में रहकर अपनी हर समस्या का समाधान करते हैं. आज उन महान विभूतियों के विचारों को देश आजाद होने से अब तक सम्मान करते आये हैं. उनके विचारों को अपने कंधों पर लेकर निरंतर इस लोकतंत्र को और मजबूत करने में लगे हैं.

खूंटी में पीएलएफआई का दो हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार, लेवी की राशि का हिसाब करने जुटे थे दोनों

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

खूंटी। पीएलएफआई के दो हार्डकोर नक्सलियों को खूंटी पुलिस ने कर्रा थाना क्षेत्र के पलसा गांव के समीप से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार नक्सलियों के नाम संदीप प्रामाणिक और धनेश्वर महली हैं. व्यापारियों से वसूली गई लेवी का हिसाब करने जूट थे दोनों. गिरफ्तार दिनों नक्सलियों पर आरोप है कि एक दिसंबर की देर रात को लोधमा स्थित रेलवे क्रॉसिंग के अंडरपास पुलिया निर्माण स्थल पर गाड़ियां में आगजनी का प्रयास और पंपलेट चस्पा कर रंगदारी की मांग कर दहशत फैलाने का काम किया था. इस मामले में पूर्व में एक नक्सली को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है.

एसपी अमन कुमार को मिली सूचना पर डीएसपी के नेतृत्व में ? टीम का गठन कर त्वारित कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त पीएलएफआई नक्सली संदीप प्रमाणिक को गिरफ्तार किया गया. उसकी निशानदेही पर पलसा गांव से उसके सहयोगी धनेश्वर महली उर्फ दाने उर्फ धन्नजय को ठेकेदारों एवं व्यापारियों से वसूले गए लेवी के 72,500 रूपया, 3 मोबाइल फोन एवं एक स्कार्पियो और नक्सली पर्चा के साथ गिरफ्तार किया गया.

साथ ही संदीप प्रमाणिक की निशानदेही पर पलसा स्थित उसके घर से आठ जिंदा गोली भी बरामद किया गया. दोनों नक्सली खूंटी व रांची में पीएलएफआई नक्सली संगठन के लिए सक्रिय सदस्य है. गिरफ्तार धनेश्वर महली रांची जिले के इटकी थाना क्षेत्र के रानीडीह गांव का निवासी है, जबकि संदीप प्रमाणिक कर्रा थाना क्षेत्र के पलसा गांव का निवासी है.

डीएसपी ख्रिस्टोफर केरकेट्टा ने कर्रा थाना में एक प्रेस ब्रीफ कर गिरफ्तारी का खुलासा किया है. उन्होंने बताया को दोनों अभियुक्त पीएलएफआई संगठन से जुड़कर और एक टीम बनाकर खूंटी सहित रांची और अन्य जिलों में चल रहे विकास कार्यो से जुड़े ठेकेदार, व्यापारी एवं जमीन माफियाओं से फोन एवं व्हाट्सएप के जरिये रंगदारी की मांग करते थे और नहीं देने पर स्थल पहुंच आगजनी सहित पंपलेट चस्पा कर दहशत फैलाते थे. पूर्व में इन लोगों का एक सहयोगी को गिरफ्तार किया जा चुका है और इनके अन्य सहयोगियों की तलाश जारी है.

मुंबई : कुर्ला में सरकारी बस ने कई गाड़ियों व लोगों को रौंदा, छह की मौत, 47 घायल

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सोमवार रात दर्दनाक हादसा हो गया. यहां कुर्ला में अंधेरी जा रही एक सरकारी बस (बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन - बेस्ट) ने सड़क पर कई वाहनों और लोगों को कुचल डाला. इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत हुई है. जबकि 43 से ज्यादा लोग घायल बताये जा रहे हैं. सभी घायलों को कुर्ला के अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हादसे के बाद हर तरफ चीख-पुकार और भगदड़ मच गयी. घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची और बस ड्राइवर को हिरासत में लेकर जांच में जुट गयी. फिलहाल हादसे के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है. ड्राइवर के नशे में होने की वजह से हादसा हुआ या फिर बस का ब्रेक फेल हो गया या फिर बस अनियंत्रित हो गया था. पुलिस इसकी जांच कर रही है.

अनियंत्रण बस ने 30-40 वाहनों व कई लोगों को रौंदते हुए बिल्डिंग से टकरायी

घटना के संबंध में बताया जाता है कि यात्रियों से भरी बस कुर्ला से अंधेरी की ओर जा रही थी, तभी कुर्ला पश्चिम में एसजी बारवे मार्ग पर बस चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और मुंबई के घनी आबादी वाले इलाके में जा घुसी. तेज रफ्तार बस ने इस दौरान 30-40 वाहनों व कई लोगों को रौंद दिया. इसके बाद सोलोमन बिल्डिंग के आरसीसी कॉलम से टकराने के बाद रुक गयी. टक्कर इतनी जोरदार थी कि बिल्डिंग की बाउंड्री वॉल ढह गयी. इस भीषण हादसे में अब तक 6 लोगों की मौत हो गयी है. जबकि 43 घायल हो गये. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया. घायलों को कुर्ला में भाभास सायन सहित अन्य नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. डीसीपी जोन 5 गणेश गावड़े ने कहा कि घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है. बस ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. हालांकि डीसीपी गावड़े ने ड्राइवर के नशे में होने के बारे में कुछ नहीं कहा है. कहा कि इस मामले में केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है. कहा कि बस का आरटीओ निरीक्षण कराया जायेगा. उन्होंने कहा कि घटना का कारण अभी स्पष्ट नहीं है. जांच जारी है. हालांकि कुर्ला बस हादसे को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं. सूत्रों की मानें तो पुलिस जांच में पाया गया है कि चालक को बस चलाना नहीं आता था. वह पहली बार बस चला रहा था. इससे पहले वो कार व अन्य छोटे वाहन चलाता था. जांच में यह भी पता चला है कि चालक को बेस्ट ने कॉन्ट्रैक्ट पर रखा था. उसने 1 दिसंबर से काम शुरू किया था.

साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे : राष्ट्रपति

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज कहा कि साइबर अपराध और जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। उन्होंने कहा कि ये चुनौतियां एक सुरक्षित, संरक्षित और न्यायसंगत डिजिटल वातावरण को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित करती हैं जो प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों और सम्मान की रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब हमारे दैनिक जीवन में प्रवेश कर चुका है, कई समस्याओं का समाधान कर रहा है और कई नई समस्याएं भी पैदा कर रहा है। हालांकि, एआई के साथ अपराधी एक गैर-मानव लेकिन बुद्धिमान एजेंट हो सकता है। राष्ट्रपति आज नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित मानवाधिकार दिवस समारोह को संबोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की 5 हजार वर्षों से अधिक की सभ्यतागत विरासत के साथ सहानुभूति, करुणा और सामंजस्यपूर्ण समुदाय के भीतर व्यक्तियों के परस्पर जुड़ाव के मूल्यों को लंबे समय तक कायम रखा है। जलवायु परिवर्तन हमें वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों के बारे में सोच की समीक्षा करने के लिए मजबूर करता है। एक अलग जगह और एक अलग युग के प्रदूषक दूसरे स्थान और दूसरे काल के लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं। इस संदर्भ में ग्लोबल साउथ की आवाज के रूप में भारत ने जलवायु कार्रवाई में सही ढंग से नेतृत्व संभाला है।

उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण (संशोधन) विधेयक, ग्रीन क्रेडिट पहल और पर्यावरण के लिए जीवन शैली, या लाइफ जैसी सरकारी पहल भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और हरित ग्रह के निर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रदर्शन हैं। उन्होंने कहा कि इन मूल्यों के आधार पर एनएचआरसी और एसएचआरसी जैसी संस्थाएं नागरिक समाज, मानवाधिकार रक्षकों, विशेष प्रतिवेदकों और विशेष निगरानीकताओं के साथ मिलकर सभी के लिए मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने मानवाधिकार उल्लंघनों को खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों को बनाए रखने के लिए नीतिगत बदलावों की सिफारिश करने में एनएचआरसी द्वारा निभाई गई सक्रिय भूमिका की सराहना की।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सभी नागरिकों को नागरिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी देने की अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है। सरकार कई सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक अधिकारों की भी गारंटी देती है। राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में मानसिक स्वास्थ्य खासकर हमारे बच्चों और युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है । उन्होंने सभी हितधारकों से अपील की कि वे हमारे बच्चों और युवाओं को प्रभावित करने वाले तनाव को कम करने के लिए पर्याप्त उपाय शुरू करें। उन्होंने उद्योग जगत से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि बढ़ती गिग इकॉनमी गिग श्रमिकों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले। राष्ट्रपति ने मानवाधिकार दिवस पर अपील की कि हमें न्याय, समानता और गरिमा के मूल्यों के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करना चाहिए जो हमारे राष्ट्र को परिभाषित करते हैं। जैसा कि हम अपने समय की चुनौतियों का सामना करना जारी रखते हैं।

जिले में दो घंटे हुई झमाझम बारिश के बाद छाए रहे बादल

जिले में सोमवार की सुबह लगभग दो घंटे तक हुई झमाझम बारिश के बाद दिनभर आसमान में बादल छाए रहने और धूप नहीं निकलने के कारण तापमान में कमी आयी है.

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा। लोहरदगा क जिले में सोमवार की सुबह लगभग दो घंटे तक हुई झमाझम बारिश के बाद दिनभर आसमान में बादल छाए रहने और धूप नहीं निकलने के कारण तापमान में कमी आयी है. ठंड बढ़ने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. ऐसे भी जिले में कई दिनों से लगातार चल रही हवाओं के कारण तापमान में कमी आयी है और ठंड का प्रकोप बढ़ गया है. अत्यधिक ठंड पड़ने से लोग सुबह शाम घरों से निकलने से परहेज कर रहे हैं. सुबह कुहासा रहने के कारण वाहन चलाना भी मुश्किल भरा काम हो गया है. लोगों का सुबह का दिनचर्या भी बदल गया है. अब बारिश होने के बाद ठंड में और हिजाफा होने की संभावना है लोगों का कहना है कि बारिश समाप्त होने के बाद आसमान में छाया बादल छटाने के बाद ठंड में और बढ़ोतरी होगी. पहले से ही शाम होते ही कर चौक चौराहों में सन्नाटा पसर जा रहा है. लोग जरूरी काम पड़ने के बाद ही अपने घरों से निकल रहे हैं. अब लोग ठंड के प्रकोप से डरने लगे हैं. चूंकि ठंड का असर सबसे ज्यादा ग्रामीण एवं गरीब तबके के लोगों को झेलना पड़ता है. वनांचली इलाके के लोगों के पास पर्याप्त ऊनी एवं गर्म कपड़ों के अभाव के कारण ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है. इस क्षेत्र के लोग आग जलाकर ठंड से बचने का भर्षक प्रयास करते हैं. वनांचली इलाके में पहाड़ों के रात में ठंड होने और कणकनी हवाओ के बहने के कारण अत्यधिक ठंड होती है. इस इलाके में नदी नालो के कारण हमेशा नमी बना रहना भी अत्यधिक ठंड का कारण माना जाता है. इधर रोज कमाने खाने वाले दिहाड़ी मजदूरों को भी ठंड के कारण खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. छोटा दिन होने के बावजूद सुबह 9 बजे तक शहरी बाजार में पहुंचना और 6 तक काम करने के बाद वापस घर लौटना इन्हें काफी परेशानी होती है. अत्यधिक ठंड पड़ने के कारण स्कूली विद्यार्थियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इसके अलावा अपने बच्चों को समय से स्कूल भेजना माताओं के लिए भी परेशानी भरा काम हो गया है. हालांकि अत्यधिक ठंड पड़ने के बाद प्रतिष्ठित दुकानों के अलावा सड़क किनारे दुकान लगाकर दुकानदारों द्वारा गर्म कपड़ों की बिक्री की जा रही है. जहां लोग पहुंचकर अपनी जरूरत के हिसाब से गर्म कपड़े की खरीदारी कर रहे हैं

खाई में गिरने से बची स्कूल बस, बड़ा हादसा टला

घाघरा कघाघरा प्रखंड के रुकी घाटी की गहरी खाई में स्कूल बस गिरने से बच गयी और एक बड़ा हादसा टल गया. हिंडालको कंपनी ने खनन क्षेत्र से विद्यालय तक बच्चों के लाने ले जाने के लिए स्कूल बस चलवायी जा रही है. यह बस रुकी घाटी में दुर्घटना होने से बच गयी. बस में स्कूली बच्चे बैठे हुए थे. जर्जर सड़क होने के कारण घटना घटते घटते बची. गाड़ी सड़क से नीचे उतर गयी थी. चालक ने अपनी सूझबूझ से बस पर नियंत्रण पाया, नहीं तो बस सीधी गहरी खाई में जा गिरती. घटना के संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि सभी बच्चे बस पर सवार होकर बिमरला से घाघरा विभिन्न स्कूलों में पढ़ने बस से जा रहे थे. इस बीच रुकी घाटी के समीप जर्जर सड़क होने के कारण बस सड़क से नीचे जा उतरी. हालांकि किसी को कोई चोट नहीं लगी. अगर पीछे पेड़ नहीं होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था. ग्रामीणों ने कहा कि कई बार बिमरला जाने वाले मार्ग पर रुकी घाटी की सड़क को बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने विधायक, मंत्री, सांसद, उपायुक्त सभी को आवेदन दिया गया. कुछ दिन पूर्व उपायुक्त ने आश्वासन दिया था कि सड़क का निर्माण जल्द होगा. परंतु सड़क कब बनेगी. यह अभी भी सवाल बना हुआ है.

बीमारी से परेशान व्यक्ति ने दी जान

कामडारा कहटिया-राउरकेला रेलखंड पर पकरा रेलवे क्रॉसिंग में ट्रेन से कट कर सरिता गांव निवासी राजेंद्र राम (54) की मौत हो गयी. घटना की जानकारी मिलते कामडारा पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सोमवार की सुबह सदर अस्पताल गुमला भेज दिया. कामडारा पुलिस ने बताया कि मृतक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी. मानसिक बीमारी के कारण उसने अपनी जान दी है. बताया जा रहा है कि कई बार उसका इलाज कराया गया, परंतु स्थिति में सुधार नहीं हुआ. अपनी बीमारी से राजेंद्र राम भी परेशान था. उसके पास इलाज के लिए पैसा नहीं था. इस कारण उसने ट्रेन के सामने आकर अपनी जान दे दी.

यौन शोषण करने का आरोपी गिरफ्तार, जेल

जारी कप्यार का इजहार कर और शादी का झांसा देकर लगातार साढ़े आठ सालों तक यौन शोषण करने वाला जारी प्रखंड निवासी संदीप खलखो को जारी पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी. उस समय आरोपी ने उसे शादी का झूठा वादा कर कई साल अपने घर में रखा. इस दौरान उससे शारीरिक संबंध बनाया व प्रताड़ित करता रहा. इधर, आठ दिसंबर 2024 को पीड़िता ने संदीप खलखो के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज करायी. इसके बाद जारी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. प्राथमिकी के अनुसार वर्ष 2015 में युवती की मुलाकात संदीप खलखो से हुई थी. इसके बाद दोनों अच्छे दोस्त बन गये. इस बीच संदीप अचानक पीड़िता के घर आ गया और प्यार का इजहार कर उससे शारीरिक संबंध बनाने लगा. जब पीड़िता ने मना किया, तो उसे शादी का वादा कर जबरन शारीरिक संबंध बनाया. घटना के बाद जब युवती ने शादी का दबाव बनाया, तो संदीप ने 22 मई 2016 को उसे बिना शादी किये अपने घर ले आया, जहां युवती उसके साथ रहने लगी. वह लगातार शारीरिक संबंध के कारण गर्भवती हो गयी. इसकी जानकारी संदीप खलखो को होने पर दवा खिला कर गर्भपात करा दिया. जब पुनः युवती ने शादी की बात की, तो उसके साथ मारपीट करने लगा. इधर युवती जब संदीप खलखो के घर लगातार साढ़े आठ साल तक रही. इस बीच संदीप खलखो के पिता ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया. इसके बाद गांव में पंचायती होने के बाद युवती को पुनः संदीप अपने घर लाया, जहां उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की नियत से गला दबाया. इसके बाद युवती किसी प्रकार वहां से भाग कर अपनी जान बचायी और थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी.

लोहरदगा गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन ,झारखंड पठारी चंदवा बॉक्साइट ट्रक ऑनर एसोसिएशन एवं झारखंड ट्रक ऑनर एसोसिएशन

कंपनी की मनमानी रोकने के लिए संयुक्त प्रयास की जरूरत

लोहरदगा। लोहरदगा क लोहरदगा गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन ,झारखंड पठारी चंदवा बॉक्साइट ट्रक ऑनर एसोसिएशन एवं झारखंड ट्रक ऑनर एसोसिएशन विमरला की संयुक्त बैठक पतराटोली बिजली ऑफिस के समीप संपन्न हुई .इस बैठक में सभी एसोसिएशन ने एक स्वर से कंपनी की मनमानी रोकने के लिए संयुक्त प्रयास करने की बात कही गयी व सरकार द्वारा बिना वजह 15 वर्ष पुराने ट्रकों को परमिट नहीं दिया जा रहा है.जिसको लेकर परिवहन मंत्री, परिवहन सचिव एवं अन्य अधिकारियों से एसोसिएशन के पदाधिकारी मुलाकात करेंगे व लातेहार एमवीआइ द्वारा फिटनेस नहीं दिया जा रहा है. उस संबंध में भी आला अधिकारियों को इसकी शिकायत की जायेगी. बैठक में मुख्य रूप से चर्चा के दौरान कंपनी द्वारा समझौते के मुताबिक ट्रिप नहीं मिल रहा है व कंपनी कागजात के नाम पर बेवजह ट्रक मालिकों को परेशान कर रही है और एसोसिएशन का साफ कहना है कि जितने ट्रिप पर समझौता हुआ उतना ट्रिप कंपनी दे अन्यथा हम लोगों को कम ट्रिप मिलने की ऐवेज में हजार्ना का भुगतान करें .कंपनी द्वारा सभी अनलोडिंग स्टेशन में कांटा में बेवजह वजन कम दिखाकर ट्रक मालिकों का पैसा काटा जा रहा है. उसके अलावा सेरेंगदाग ट्रकों का परिचालन कंपनी कब से करेगी कंपनी यह भी स्पष्ट करें. विमरला माइंस में अतिरिक्त ट्रिपों की भरपाई की जाये. इसके अलावा अन्य मुद्दों पर चर्चा करते हुए यह स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में ट्रकों का परिचालन (ट्रांसपोर्टिंग) बंद नहीं होगी. इसके लिए सभी ऑनर एकजुट है और सभी ने एक स्वर से कहा कि किसी भी परिस्थिति में ट्रकों का परिचालन ठप नहीं होने दिया जायेगा. आज की बैठक में मुख्य रूप से लोहरदगा गुमला ट्रक आँनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, झारखंड पठारी चंदवा ट्रक ओनर एसोसिएशन की ओर से धर्मेंद्र कुमार रोहित अग्रवाल मुंद्रिका यादव संतोष साहू, एलजी एसोसिएशन की ओर से अभय सिंह बरज सिंह महताब आलम गुड्डू मोहम्मद बबलू रहमत अंसारी, झारखंड विमरला ट्रक ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय राम बिन्नू संजय साहू अजमल कुरैशी समसुल अंसारी शकील खान सचिन कुमार बुल्लू सोनम राज गोलू महेंद्र, जसबीर, हरिचरण साहू रामखेलावन साहू ओम सिंह मनीष सिंह इरफान आलम मंजूर मियां अर्जुन वर्मा दिनेश साहू सबलू इरशाद आजाद मनोज साह शिवनाथ यादव सुरेंद्र राजेंद्र मोहम्मद अमानुल्लाह मोहम्मद राजू मोहम्मद गुड्डू मनोज गुप्ता मन्,ना राजेश शर्मा मोती सिंह जीतू सिंह जतरू मुंडा कृष्णा महतो चंदन सिंह बंटू साहू जैनुल अंसारी लालदेव महतो तारकेश्वर महतो दीपक साहू प्रेम नाथूराम मनोज उरांव चंदन यादव आलोक प्रजापति जगदेव ऊराँव मोहम्मद नसीम रामधनी प्रजापति सगीर अंसारी फिरोज रही विजय प्रसाद वीरेंद्र महतो शाकिर अंसारी मुख्तार अंसारी मुन्ना खान रामकिशोर राम मोहम्मद रिजवान तौहीद सहित सैकड़ों ट्रक मालिक उपस्थित थे. इस संबंध में कंपनी को ज्ञापन सौंपते हुए कंपनी को अविलंब इन चीजों पर सुधार करने को कहा गया है,अन्यथा एक सप्ताह के भीतर स्थिति में सुधार नहीं होने पर पुनः बैठक कर कर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जायेगी.

रामगढ़ विधानसभा की क्षेत्रीय भाषा खोरठा में शपथग्रहण लेकर झारखंडी अस्मिता का दिया परिचय

रामगढ़/गोला। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की नवनिर्वाचित विधायक ममता देवी ने विधानसभा के पहले सत्र के पहले दिन शपथग्रहण किया। शपथ प्रोटेम स्पीकर प्रो. स्टीफन मरांडी द्वारा दिलाया गया। विधायक ममता देवी ने खोरठा भाषा में शपथग्रहण कर झारखंडी अस्मिता का परिचय दिया। विधानसभा के कक्ष पर पहुँचकर सदन के अन्दर प्रवेश करने के पूर्व उन्होंने मत्था टेक कर सदन के अन्दर प्रवेश किया। उन्होंने बताया कि उनकी प्राथमिकता अपने विधानसभा क्षेत्र का विकास एवं राज्य का समग्र विकास करना है। उन्होंने प्रेस से वार्ता करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने पूर्व की भाँति हमारे गठबंधन पर विश्वास जताते हुए प्रचंड बहुमत दी है। सरकार उनके विश्वास को टूटने नहीं देगी तथा जनहित के सारे कार्य अनवरत जारी रहेंगे। आगे उन्होंने कहा कि पूर्व में उनके द्वारा जो कार्य अधूरे हैं उन्हें पुरा करवाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने एक बार फिर क्षेत्र की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं जनता के उम्मीदों पर खरा उतरने का भरपूर प्रयत्न करूंगी।

बाइक से गिर कर युवक की मौत, दो गंभीर

डुमरी कमहुआडांड़ थाना के संत जेवियर्स कॉलेज के पास सड़क हादसे में टांगीनाथ डुमरी निवासी विवेक भगत की मौत हो गयी, जबकि दो युवक घायल हो गये. जानकारी के अनुसार एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक राजडंडा की ओर जा रहे थे. इस दौरान उनकी बाइक असंतुलित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी. दुर्घटना में विवेक भगत की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि डीपाटोली निवासी अनिकेत उरांव व कुणाल बड़ाइक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायलों को महुआडांड़ अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर रवि भगत द्वारा प्राथमिक इलाज कर दोनों को बेहतर इलाज के लिए गुमला रेफर कर कर दिया. बताया जाता है कि तीनों नशे की हालत में थे और किसी ने हेलमेट नहीं पहना था.

पांच अपराधी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

गुमला। गुमला कसदर थाना गुमला की पुलिस ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर से पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है. उनके पास से हथियार भी बरामद होने की सूचना है. अभी पांचों को थाना में रख कर पूछताछ की जा रही है. हालांकि, गुमला पुलिस इस मामले में अनुसंधान करने व छापामारी करने की बात कह रही है, जिससे पूरे मामले का खुलासा हो सके. बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में शहर में मारपीट की घटनाएं घटी थी. यह मामला गुमला पुलिस तक पहुंचा है. इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच युवकों को धर दबोचा तो पता चला कि वे लोग अपराधी हैं. हालांकि पूछताछ के बाद स्पष्ट होगा कि इसमें कितने लोग अपराधी हैं.

रामगढ़ जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति भयावह:जे पी पांडेय

रामगढ़ झारखंड राज्य समाज कल्याण आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ के संयोजक जय प्रकाश पांडेय ने रामगढ़ उपायुक्त को पत्र देकर रामगढ़ जिले के समाज कल्याण द्वारा संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों की वर्तमान भयावह स्थिति से अवगत कराते हुए कहा है की लगभग 03 वर्षो से आंगनवाड़ी केंद्रों को मकान भाड़ा नहीं मिलना,लगभग 05 माह से केंद्रांश,राज्यांश की वेतन राशि नहीं मिलना,मोबाइल रिचार्ज की राशि नहीं मिलना,पोषाहार की राशि समय से नहीं मिलना अत्यंत ही दुखद घटना है,जिसके कारण जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन में आंगनवाड़ी सेविका,सहायिका को गंभीर संकट का सामना करना पड़ रहा है और केंद्र संचालन और पोषण कार्यों में अवरोध उत्पन्न हो रहा है,आपके जिले कार्यालय से जल्द ही केंद्रीय मंत्री ने भी मिलकर पोषण क्षेत्रों में आंगनवाड़ी केंद्रों के सही संचालन एवं बकाए भुगतान के लिए आग्रह किया है,परंतु जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा कान में तेल डाल कर सोए रहना जिले के पोषण के क्षेत्र में हो रही रुकावट को उजगार कर रहा है, इस संबंध में समाज कल्याण पदाधिकारी को भी अवगत कराया गया है,परंतु भुगतान की पहल अभी तक नही किया गया है,जिसके कारण पतरातु प्रखंड सहित सभी जिले के प्रखंडों में आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति दयनीय होती जा रही है।डीसी महोदय से आग्रह किया गया है की बढ़ती ठंड और आंगनवाड़ी केंद्रों की दैनिय स्थिति को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द सभी बकाए राशि का भूगतान कराया जाय वरना बाध्य होकर आंगनवाड़ी सेविका- सहायिका को आंगनवाड़ी केन्द्रों में ताला लगाकर आपके कार्यालय के समक्ष सड़कों पर उतरना पड़ेगा।

देश के विकास में आंगनबाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा। महिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण 2.0 के तहत पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम अंतर्गत सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका के लिए आइपीइएल की विशेषज्ञ टीम ने जिला समाज कल्याण कार्यालय, लोहरदगा की ओर से उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा के सभाकक्ष में किया गया. लोहरदगा कमहिला एवं बाल विकास विभाग के पोषण 2.0 के तहत पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम अंतर्गत सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिका के लिए आइपीइएल की विशेषज्ञ टीम ने जिला समाज कल्याण कार्यालय, लोहरदगा की ओर से उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन जिला परिषद कार्यालय, लोहरदगा के सभाकक्ष में किया गया.कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उप-विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने कहा कि समाज और देश के विकास में आंगनवाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है. जन्म के बाद बच्चों को पोषाहार, कुपोषण की जांच, पोषणयुक्त आहार के जरिये स्वस्थ्य शिशु की पौध तैयार की जाती हैं. बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका, आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका का कार्य देश के भविष्य को गढ़ने में बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है. आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को स्थानीय भाषा में पढ़ाया जाना चाहिए. इसी प्रकार पीवीटीजी जैसे जनजातीय क्षेत्रों में भी उनकी संस्कृति व उनके तौर-तरीकों के साथ समन्व्यय बनाते हुए पढ़ाया जाना चाहिए.उप विकास आयुक्त ने कहा कि आज प्रशिक्षण के जरिये सभी मास्टर टेनर्स लाभ उठाएं और गहनता से प्रशिक्षण प्राप्त करें. आज राष्ट्रीय स्तर पर बात की जाय तो राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में आंगनवाड़ी केंद्रों और शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बेहतर कार्य हो रहा है। हमें उस मॉडल पर काम करने की जरूरत है. जब आज प्रशिक्षण के बाद आंगनवाड़ी केंद्रों पर कार्य करें तो ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक करें.कार्यशाला में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा ने बताया कि आज के उन्मुखीकरण कार्यशाला के बाद मास्टर ट्रेनर्स (सीडीपीओ और महिला पर्यवेक्षिका) द्वारा प्रखण्ड स्तर पर सभी प्रखण्डों में 11 से 18 दिसंबर तक आंगनवाड़ी सेविकाओं के क्षमतावर्द्धन के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाएगा.आंगनवाड़ी केंद्रों में 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की प्रारंभिक देख और शिक्षा के बेहतर क्रियान्वयन को विस्तार दिया जा रहा है. इसी अवधारना के साथ नव चेतना और आधारशिला नामक दो पाठ्यक्रम तैयार किया गया है.नवचेतना जन्म से तीन वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रोत्साहन तथा आधारशिला 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग समावेशन और रेफरल की प्रक्रिया भी शामिल है.

आर्थिक रूप से मजबूत बन बच्चों को अच्छी शिक्षा दें : डीसी

असनी पंचायत का भ्रमण कर समस्याओं को सुन समाधान करने का दिया आश्वासन क

गुमला कउपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने सोमवार को सदर प्रखंड अंतर्गत असनी पंचायत का भ्रमण किया. उपायुक्त ने ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना. सर्वप्रथम गांव पहुंचने पर उपायुक्त का स्वागत किया गया. इसके बाद उपायुक्त ने ग्रामीणों के साथ बैठक की. बैठक में ग्रामीणों ने उपायुक्त से सड़क निर्माण कराने, सरना स्थल बनवाने, पीएम आवास, नहर से सिंचाई की सुविधा बहाल करने, स्कूल में बच्चों के खेलने के लिए मैदान बनवाने, तालाब व कुआं की मरम्मत कराने, अखाड़ा की मरम्मत कराने, धूमकुड़िया भवन बनाने, बिजली, पानी आदि को लेकर उपायुक्त को आवेदन सौंप सुविधाएं बहाल करने की मांग रखी. उपायुक्त ने ग्रामीणों को उनकी समस्याओं का निराकरण का आश्वासन दिया. साथ ही संबंधित पदाधिकारियों को सभी ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से आच्छादित करने तथा उनकी समस्याओं का समाधान करने का निर्देश दिया. सदर बीडीओ को गांव के लोगों को विभिन्न पेंशन योजनाओं व मंईयां सम्मान योजना से जोड़ने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने गांव की महिला मंडल की महिलाओं से कहा कि आप विशेष रूप से लाभ लें और आत्मनिर्भर होकर काम करें. उन्होंने कहा कि आप आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होंगे, तो अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे सकेंगे. कहा कि आप अपने बच्चों का नामांकन पॉलिटेक्निक कॉलेज जैसे संस्थानों में कराने की अच्छे से तैयारी करें. उन्होंने कहा कि प्रशासन व समुदाय के बीच सीधा संवाद स्थापित होने से विकास कार्यों को नयी गति मिलेगी. ग्राम के विकास में सबसे अधिक ग्रामीणों के सहयोग की जरूरत होती है. उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि चंदाली कलेक्टर ऑफिस के सबसे नजदीक में है. जिला प्रशासन आपका सहयोग करेगा. मौके पर बीडीओ अशोक कुमार चोपड़ा, अंचलाधिकारी हरीश कुमार समेत अन्य मौजूद थे.

बालू घाट संचालन हेतु पंचायत भवन में संपन्न हुआ ग्रामसभा

सेन्हा-लोहरदगाः प्रखंड स्तर पर बालू समस्या एवं हो रही योजना बाधित को लेकर ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में बालू घाट संचालन हेतु पंचायत भवन सेन्हा में ग्रामसभा आहूत कर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा किया गया। उक्त बैठक मंगलवार को लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा प्रखंड मुख्यालय के सेन्हा पंचायत भवन में ग्राम प्रधान मनी उरांव की अध्यक्षता में बालू घाट संचालन को लेकर ग्राम सभा का आयोजन किया गया। आयोजित ग्रामसभा के दौरान सेन्हा पंचायत मुखिया धनबाज उरांव ने सरकार की पत्र को उपस्थित लोगों को सुनाया और बताया गया कि कोयल नदी सेन्हा,बरवाटोली में बालू घाट की अग्रतर कारवाई के लिए ग्राम सभा कर सहमति बनाकर बालू उठाव के बारे में पूछा गया है बैठक में सर्वसम्मती से कहा गया कि बालू की आवश्यकता स्थानीय स्तर पर काफी है इस लिए बालू का लीज स्थानीय लोगों को दिया जाए और बालू बाहर के राज्य में नहीं भेजा जाए। सहित निजी निर्माण कार्य से लेकर सरकारी योजना निर्माण में बालू को लेकर ससमय पूर्ण करने में सम्बांधित लाभुक,संवेदक तथा स्थानीय ग्रामीणों के बीच समस्या बना हुआ है। मौके पर मुखिया धनबाज उरांव,ग्राम प्रधान मनी उरांव, मुखिया धनबाज उरांव,सचिव माही कुमारी, मनी पहान,रुस्तम अंसारी सहित पंचायत के ग्रामीण उपस्थित थे।

हजारीबाग लोकसभा के रामगढ़ सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल ने किया 25 केवी ट्रांसफार्मर का शुभ उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में होगा हर समस्या का समाधान: राजीव जायसवाल

रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल के प्रयास पर कुष्टेगढ़ा और जांगी में लगाया गया 25 केवीए का नया ट्रांसफर्मर

रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड के कुष्टेगढ़ा और जांगी में बीते कई दिनों से ट्रांसफर्मर खराब था। इसकी जानकारी स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा रामगढ़ जिला के सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल को दिया गया। जिसके बाद सांसद प्रतिनिधि ने इस गंभीर समस्या को गंभीरता से लेते हुए तुरंत बिजली विभाग के अधिकारियों से बातचीत किया। जिसके बाद उक्त गांव में खराब पड़े ट्रांसफर्मर को हटाकर सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर नया 25 केवीए का दो ट्रांसफर्मर लगाया गया। जिसका विधिवत उदघाटन मंगलवार को रामगढ़ जिला के सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल के द्वारा फीता काटकर किया गया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि ने सभी ग्रामीणों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि बिजली की समस्या हो य अन्य समस्या सभी का समाधान करना मेरी जिम्मेदारी हैं। आप सभी का प्यार और आशीर्वाद हमेशा बना रहता हैं। आगे भी अपना आशीर्वाद बनाएं रखें। उन्होंने कहा कि जो भी समस्या हैं सभी का समाधान समय के साथ किया जाएगा। ताकि ग्रामीणों को परेशानी न हो। इससे पूर्व प्रखंड के कुष्टेगढ़ा और जांगी के स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा सांसद प्रतिनिधि का फूल माला से भव्य स्वागत किया गया। वही नया ट्रांसफार्मर लगने से गांव के लोगों में खुशी हैं। मौके पर सूरज वर्मा, अंकित सिंह, विनीत यादव ,चन्दर देव भोगता, झूठन भोगता, गोपाल भोगता, पवन कुमार, अरुण दांगी, परिक्षित महतो आदि थे।

बांग्लादेश के हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर झारखंड के सर्व सनातन समाज ने दिखाया आक्रोश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची में सर्व सनातन समाज के नेतृत्व में चिन्मय मिशन अखिल भारतीय संत समाज समिति, मेन रोड गुरुद्वारा, श्वेतांबर जैन समाज, बौद्ध समाज, आदिवासी समाज, बंगाली एसोसिएशन, जनजाति विकास परिषद, विद्यार्थी परिषद, विश्व हिंदू परिषद, एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण केंद्र के कार्यकताओं सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के हजारों कीलोगों ने बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे अत्याचार और उनके मानवाधिकार हनन के खिलाफ आक्रोश मार्च निकाला. मोरहाबादी मैदान से फिरायालाल होते हुए राजभवन तक निकाला गया यह मार्च आखिर में एक सभा में तब्दील हो गया. आक्रोश मार्च में देवब्रत पाहन, अशोक श्रीवास्तव, विधायक सीपी सिंह और नवीन जायसवाल, कर्मवीर सिंह, गोपाल शर्मा, शैलेश रंजन,सुबोध सिंह गुड्डू सहित हजारों की संख्या में दूसरे लोग भी शामिल हुए. आक्रोश सभा का संचालन विजय कुमार ने किया. आक्रोश सभा को समाज सेवी राकेश लाल ने सम्बोधित करते कहा कि बांग्लादेश भारत का ही अंग था जिसे जिहादियों ने छीन लिया था. पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेशियों पर हमला और महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया था, तब उनकी रक्षा भारत ने ही की थी. आज उसी बंग्लादेश के मुसलमान हिंदुओं के साथ अत्याचार कर रहे हैं, उनको मार रहे हैं. जिस इस्कॉन के लोगों ने उन्हें रोटी दी, बंग बंधु ने बांग्लादेश को आजादी दी, उन्हीं के कार्यकताओं के खिलाफ कुछ जिहादी अत्याचार कर रहे हैं. युनूस खान का नोबेल का शांति का अवार्ड वापस होना चाहिए.उन्होंने सर्व समाज का आह्वान करते हुए कहा कि इस अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाएं. सभा को प्रान्त मंत्री विश्व हिंदू परिषद के मिथिलेश्वर मिश्रा ने कहा कि बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार को देखकर वेदना होती है, इससे हम सभी आक्रोशित हैं. हिन्दू समाज वसुधैव कुटुम्बकम में विश्वास करने वाला सम्प्रदाय है. हम सभी अहिंसा के पुजारी हैं लेकिन जब हमें उकसाया जाता है तो हम इसका विरोध करते हैं. सामाजिक कार्यकर्ता विनोद गाडयान ने सम्बोधित करते हुए कहा कि दुनियाभर के देशों ने बंग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार का विरोध किया है. उन्होंने पूरी दुनिया से मांग करते कहा कि बांग्लादेश में हो रहे मानवाधिकार हनन के खिलाफ सब आवाज उठाएं. राजेन्द्र कृष्ण ने विश्व मानवाधिकार आयोग से आह्वान करते हुए कहा कि बांग्लादेश में हो रहे अत्याचार को जल्द से जल्द समाप्त किया जाए. इस्कॉन के सदस्य प्रकाश ने उपस्थित जनसमूह से हिंदुओं को जगाने का आह्वान किया और बांग्लादेश में हो रहे क्रूरता के खिलाफ एकजुट होने पर बल दिया. सामाजिक कार्यकर्ता सोमा उरांव ने कहा कि आज हम सब बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं को अपना समर्थन देने के लिए एकजुट हुए हैं और मांग करते है कि जेहादियों पर कड़ी करवाई हो. आज जो स्थिति बांग्लादेश में है, अगर हिन्दू समाज नहीं जागा तो झारखंड़ में भी वह स्थिति बहुत जल्द होगी. भारत को अब एक हिन्दू राष्ट्र घोषित करना होगा. विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री याज्ञवल्कय ने कहा कि बांग्लादेश के उदय में लाखों भारतीयों ने अपनी शहादत दी थी, आज उनके साथ अत्याचार हो रहा है. आज बंग्लादेश में एक विचार पनप गया है कि जिसकी आबादी ज्यादा होगी, वह कम आबादी वाले समाज के लोगों को जिंदा रहने नहीं देंगे. भारत एक संवेदनशील देश है, दुनिया में जहां कहीं भी लोगों के साथ अत्याचार होता है, भारत अत्याचार के खिलाफ उनके साथ खड़ा होता है. सभा के बाद सर्व सनातन समाज का एक प्रतिनिधिमंडल राजभवन गया और एक ज्ञापन सौंपा. इसमें भूतेशानन्दजी महाराज, सरदार बिक्रम सिंह, पवन लामा, विनोद जैन, स्वामी परिपूणानंद महाराज, विनोद जालान, राकेश लाल, पवन मंत्री, शेखर चोधरी, रवि मुंडा, बिनोद गाडयान, प्रसुन रायपत, सुनीता गुप्ता शामिल थे. यह ज्ञापन राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम पर राज्यपाल को सौंपा गया. ज्ञापन में मांग की गई कि बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार की जांच की जाए तथा एक फार्स्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना हो और दोषियों को कड़ी सजा दी जाए. बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए विशेष कानून बनाया जाए.बांग्लादेश में एक अल्पसंख्यक मंत्रालय बनाया जाए. बांग्लादेश में हिंदूओं की धार्मिक और शैक्षणिक संस्थानों पर सरकारी हस्तक्षेप बंद हो, बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों की जो संपत्ति छीन ली गयी, उसको वापस किया जाए.

हाईकोर्ट ने कहा- संविदा कर्मियों को नहीं हटा सकते, पेयजल विभाग में आउटसोर्स नियुक्ति के आदेश पर रोक

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने पेयजल स्वच्छता विभाग में अनुबंध पर कार्यरत कर्मचारियों को हटा कर आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति करने के आदेश पर रोक लगा दी है. इसके साथ ही अदालत ने सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. दरअसल स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन में ब्लॉक वॉश कॉर्डिनेटर के पद पर कार्य कर रहे लोगों को हटाकर पूरे राज्य में आउटसोर्स के जरिए नए लोगों को रखने का आदेश इसी वर्ष 16 सितंबर को हुआ था. जिसके खिलाफ राम किशून एवं अन्य ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एस एन पाठक की कोर्ट में हुई. सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि संविदा कर्मियों को नहीं हटा सकते. अधिवक्ता नवीन कुमार ने प्रार्थियों की ओर से बहस की.

सदन में जयराम महतो ने सीजीएल का मुद्दा उठाया, कहा झ्र छात्र आंदोलन से बनायी है पहचान

रांची। विधानसभा के विशेष सत्र के दूसरे दिन जेएलकेएम विधायक जयराम कुमार महतो ने बड़ी बेबाकी से अपनी बात रखी. उन्होंने सीजीएल का मुद्दा उटाते हुए कहा कि मैं यहां छात्र आंदोलन से पहचान बनाकर आया हूं. स्पीकर से आग्रह किया कि जिस दृष्टि से सत्ता पक्ष और विपक्ष को देखें, उसी दृष्टि से मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर दिया. अपनी बात रखते हुए जयराम ने कहा कि राज्य के लाखों अभ्यर्थी सड़क पर हैं. सीएम से आग्रह किया कि वे उन अभ्यर्थियों से मिलें वो आपके ही बच्चे हैं. उनसे मिलकर समस्या का समाधान करें. जयराम महतो ने कैमरून में फंसे 45 मजदूरों की सकुशल वापसी की भी मांग की.

बिरसा कृषि यूनिवर्सिटी ने रिसर्च प्रोजक्ट के तहत बकरियों का किया टीकाकरण, बकरीपालकों को दी आवश्यक जानकारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में आईसीएआर के सहयोग से चल रही बकरी संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत पूर्वी सिंहभूम जिला के बाराबंकी में एन्टेरोटोक्सीमिया रोग से बचाव के लिए 454 बकरियों का टीकाकरण किया. इस दौरान किसान गोष्ठी में बकरीपालकों को आधुनिक बकरी पालन की तकनीकी जानकारी दी गई.

पूरे देश में बकरी पालन में विकास दर पर झारखंड का दूसरा स्थान

बकरी क्षेत्र में विकास दर के मामले में देश में झारखंड पश्चिम बंगाल के बाद दूसरा राज्य है. यहां पिछले 5 वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में लगभग 39% का विकास रहा. झारखंड में इस काम में ज्यादातर महिलाएं जुड़ी हैं, जिन्हें इस सेक्टर के विकास से आर्थिक रूप से ज्यादा सशक्त बनाया जा सकता है. यह जानकारी परियोजना की प्रधान शोधकर्ता डॉ नन्दनी कुमारी ने दी.

पशु उत्पादन विशेषज्ञों ने ग्रामीणों को दी बकरी पालन के टिप्स

पशु उत्पादन और प्रबंधन विशेषज्ञ और परियोजना के सह प्रधान शोधकर्ता डॉ शैलेंद्र रजक ने किसान गोष्ठी और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जिसमें 44 किसानों ने भाग लिया. उन्होंने बकरी पालकों को टीकाकरण के लाभ और एंटेरोटॉक्सेमिया के प्रकोप के बारे में जानकारी दी. वहीं पशु स्त्रैणिकी विशेषज्ञ डॉ दिलीप कुमार ने गर्भवती बकरियों की देखभाल तथा प्रसव संबंधी जानकारी दी. बता दें झारखंड में बड़ी संख्या में ग्रामीण बकरी पालन करते हैं.

ओडिशा के राज्यपाल से मिला वैश्य मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल

रांची। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास से उनके धुर्वा स्थित आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया. साथ ही उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की. वैश्य मोर्चा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए दास ने कहा कि पूरे प्रदेश में दौरा करें और समाज हित में काम करते रहें. मेरी शुभकामनाएं हमेशा साथ रहेंगी. प्रतिनिधिमंडल में शामिल केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु, वरीय उपाध्यक्ष संजीव चौधरी, प्रधान महासचिव इंदु भूषण गुप्ता, उप प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद एवं छात्र मोर्चा के अध्यक्ष युवराज साहु ने वैश्य मोर्चा के गतिविधियों की जानकारी दी और उन्हें भरोसा दिलाया कि वैश्य मोर्चा उनका व समाज का कभी विश्वास टूटने नहीं देंगे. प्रतिनिधिमंडल में मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु अमेत अन्य मौजूद थे.

21 दिसंबर तक चलेगा पुरुष नसबंदी अभियान

रांची। परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत पुरुष नसबंदी अभियान 2-21 दिसंबर 2024 तक चलाया जा रहा है. इसके अंतर्गत मंगलवार को सिविल सर्जन कार्यालय सभागार से जागरूकता रथ अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरविंद कुमार के द्वारा रवाना किया गया. ताकि पुरुष नसबंदी की संख्या में बढ़ोतरी हो सके. इस वर्ष पुरुष नसबंदी के तहत कुल 2500 एनएसवी का लक्ष्य रांची जिला को दिया गया है. कार्यक्रम में रांची जिला के डीपीएम प्रवीण कुमार डीपीसी सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए.

राज्यपाल से मिला सर्व सनातन समाज का प्रतिनिधिमंडल

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को राजभवन में सर्व सनातन समाज, रांची के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की. प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा. सौंपे गए ज्ञापन में बांग्लादेश में हिन्दू, सिख, जैन और बौद्ध धर्म के लोगों पर हो रहे अत्याचार का उल्लेख किया गया है. ज्ञापन के माध्यम से इस्कॉन के सन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश सरकार द्वारा कारावास से मुक्त करने की बात भी कही गई है.

बलियापुर से दो दिनों में हटाया जाएगा अतिक्रमण

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। बलियापुर अंचल की पूरी टीम जिसमें अंचल अधिकारी स्वयं, अंचल निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक, अंचल अमीन एवं चौकीदार के साथ बलियापुर चौक की मापी कराई और हटाए जाने वाले अतिक्रमण को लाल निशान कर चिन्हित कर दिया गया.अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि नाली के ऊपर जो पाथ वे बना है उसपर दुकानदारों के द्वारा सामान वगैरा रखकर अतिक्रमित कर दिया गया है, जिसके कारण पैदल चलने वाले राहगीरों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है. अंचल अधिकारी ने अतिक्रमण कार्यों को 48 घंटे के अंदर अपना अतिक्रमण स्वयं हटाने हेतु निर्देशित किया है. दिए गए समय सीमा पर अतिक्रमण नहीं हटाने पर अंचल प्रशासन के द्वारा बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जाएगा. वैसी स्थिति में अतिक्रमण हटाने में होने वाले खर्च की वसूली सर्टिफिकेट केस दायर कर संबंधित अतिक्रमणकारी से की जाएगी .सड़क के किनारे वाहनों के खड़े होने से जाम की समस्या और भी प्रबल हो जाती है ऐसी स्थिति में अतिक्रमण हटने से यातायात सुगम हो सकेगा. किसी भी एंबुलेंस या जरूरतमंद को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा .अंचल अधिकारी ने बताया कि आदेश का उल्लंघन करने वाले अतिक्रमणकारियों पर लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम 1956 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने सभी व्यवसायियों से अतिक्रमण हटाने में सहयोग की अपील की है. यह भी अनुरोध किया है कि आप स्वेच्छा से अतिक्रमण हटा ले ताकि किसी प्रकार के बल प्रयोग की जरूरत ही ना पड़े.

सुखदेवनगर में युवक ने लगाई फांसी, हरमू रोड में क्रेन ने बाइक सवार को मारी टक्कर

रांची। जिले के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में दो घटनाएं हुई है. पहली घटना सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के करम चौक के पास की है. यहां एक युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. घटना की सूचना मिलने बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं दूसरी घटना सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के हरमू रोड स्थित गाड़ीखाना चौक के पास हुई है. जहां एक क्रेन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी. इस दुर्घटना में बाइक सवार युवक बुरी तरह से घायल हो गया. इसके बाद मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस के जवान ने युवक को अस्पताल भेजवाया.

लाइट हाउस में बुनियादी सुविधा नहीं मिलने से धरने पर लाभुक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में धुर्वा पंचमुखी मंदिर के पास लाइट हाउस प्रोजेक्ट के तहत बेघरों के लिए 1008 आवासों का निर्माण किया गया है. इस लाइट हाउस का 10 मार्च 2024 को पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल उद्घाटन किया था. अब तक लगभग 150 परिवार लाइट हाउस में शिफ्ट कर चुके है. यहां के लाभुक बुनियादी सुविधाओं और कंस्ट्रक्शन क्वालिटी को लेकर लगातार शिकायत करते है. इसी कड़ी में मंगलवार को अ 611 निवासी संजय रत्ना धरने पर बैठ गए. उनका कहना था कि जो उन्हें जो सपने दिखाए गए थे उसे पूरा नहीं किया गया है. उन्होंने कहा यहां लगी लिफ्ट सुचारू तौर से नहीं चलती है. वे बुजुर्ग व्यक्ति हैं, उनका फ्लैट पांचवे फ्लोर पर है, उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. उन्होंने निर्माण पर भी सवाल उठाते हुए खराब गुणवत्ता की बात कही.

रांची नगर निगम की टीम पहुंची लाइट हाउस

शिकायतों के निवारण को लेकर रांची नगर निगम की टीम मंगलवार की शाम लाइट हाउस पहुंची. उन्होंने संजय रत्ना को समझने का प्रयास किया. इस दौरान वहां के अन्य लाभुकों ने अपनी परेशानी बताई. जिसपर नगम की टीम ने बुधवार को दोबारा बात करने की बात कही. निगम के टीम में नगर प्रबंधक मृणाल कुमार ने कहा कि मामला रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्लूए) से जुड़ा है, जिसमें लिफ्ट, कॉमन बिजली के इस्तेमाल की है. लाभुकों का कहना है कि ये सभी काम निगम करेगी, लेकिन ये सभी काम आरडब्लूए बनाकर इन कॉमन खर्चों पर काम होगी. नगर प्रबंधक ने बताया कि ये खर्चे लाभुकों को खुद वहन करने होंगे. उन्होंने बताया कि लिफ्ट नहीं चलने का कारण असमाजिक तत्व हैं, जो लिफ्ट को नुकसान पहुंचा देते है. वहीं उन्होंने कहा कि निगम जल्द आरडब्लूए का चुनाव करवाकर यहां सभी काम सुचारु ढंग से शुरू करवाएगी.

JSSC CGL पर छात्रों का आरोप, 21 की परीक्षा में सिर्फ 82 व 22 की परीक्षा में 2178 अभ्यर्थी हुए पास

रांची। सीजीएल रिजल्ट के खिलाफ छात्रों में काफी आक्रोश है. मंगलवार को रिजल्ट के खिलाफ हजारीबाग में बंद बुलाया था. हजारीबाग में इसका असर भी दिखा. छात्रों ने एनएच-33 को जाम भी कर दिया. छात्रों का कहना है कि 21सितंबर को ली गई परीक्षा में सिर्फ 82 अभ्यर्थी ही सफल रहे. जबकि 22 सितंबर को ली गई परीक्षा में 2178 पास हुए. इसमें काफी अनियमितता बरती गई है. बताते चलें कि सीजीएल की परीक्षा दो दिन ली गई थी.

परीक्षा रद्द करने की मांग पर अड़े हैं अभ्यर्थी

सीजीएल परीक्षा के अभ्यर्थी परीक्षा रद्द करने की मांग पर अड़े हैं. अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा पूरी तरह से विवादास्पद रही है. इसके पेपर भी लीक हुए. परिणाम में भी गड़बड़झाला है. बताते चलें सीजीएल परीक्षा के जरीए 2025 सीटों को भरा जाना है. इसके लिए झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने 16 से 20 दिसंबर तक दस्तावेज सत्यापन की तिथि निर्धारित की है.

रांची की कवियित्री रिंकू बनर्जी को मिला साहित्योदय साहित्य रत्न सम्मान

रांची। राजधानी रांची की रिंकू बनर्जी को साहित्योदय साहित्य रत्न 2024 के सम्मान से नवाजा गया है. उन्हें यह सम्मान हरिद्वार में हुए अंतरराष्ट्रीय काव्य महोत्सव में दिया गया. दो दिवसीय शिवायन अंतरराष्ट्रीय साहित्य महोत्सव में देश और विदेश से आए प्रबुद्ध कवि?ों ने शिरकत किया. साहित्योदय के संस्थापक अध्यक्ष पंकज प्रियम, संरक्षक पंडित बुद्धिनाथ मिश्र, आचार्य देवेंद्र देव, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी, एवरेस्ट विजेता पद्मश्री संतोष यादव सहित कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही. रिंकू बनर्जी के वेद गायन एवं मंच संचालन को भी वहां मौजूद लोगों ने काफी सराहा।

रांची पुलिस एवं जिला खनन विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा अवैध बालू परिवहन के विरुद्ध छापामारी अभियान

राँची कवरीय पुलिस अधीक्षक रांची के गुप्त सूचना के आधार पर रांची पुलिस एवं खनन विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा अवैध बालू परिवहन के विरुद्ध छापामारी की गई, जिसमें अनगढ़ा थाना क्षेत्र से अवैध बालू लदे 3 हाईवा, 4 टर्बो वाहन जप्त किया गया तथा नामकुम थाना क्षेत्र से अवैध बालू लदे 4 टाटा टर्बो वाहन को जप्त कर संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज की गई है एवं अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

समहरणालय सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज(उजाला)। जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती के अध्यक्षता में समहरणालय सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आहूत की गई।उपायुक्त के द्वारा पिछले बैठक में दिए निर्देश की कार्रवाही एवं उसके अनुपालन की समीक्षा की गयी।अंचल पदाधिकारियो द्वारा प्रतिवेदित किया गया कि चुनाव कार्य में व्ययस्ता रहने के कारण अंचल अन्तर्गत सभी खनन पट्टो की प्रशाखीय नापी पूर्ण नहीं की जा सकी है। मापी पूर्ण होते ही प्रतिवदेन उपलब्ध करा दी जायेगी।साहेबगंज जिलान्तर्गत रेलवे रैक से हो रहे परिवहन की जाँच की जा रही है।खनन पट्टा क्षेत्र में हो रहे विस्फोटकों का उपयोग की जाँच जिला टास्क फोर्स के सदस्यों द्वारा की जा रही है एवं विस्फोटको की उपयोग का (Intimation) सूचना विस्फोटक आपूर्ति कर्ता द्वारा संबंधित थाना प्रभारी को दी जा रही है।अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज एवं राजमहल द्वारा साहेबगंज जिलान्तर्गत संचालित सभी चेकनाका पर प्रत्येक सप्ताह दण्डाधिकारी का बदलाव कर रहें है एवं नो इन्ट्री के समय खनिज से लदे वाहनों का परिचालन नहीं हो इस पर सशक्त निगरानी बनाये हुए है।जिला परिवहन पदाधिकारी साहेबगंज द्वारा खनिज से लदे ट्रकों को तिरपाल से ढक कर अवागमन की देख-रेख नियमित रुप से की जा रही है।अवैध खनन एवं परिवहन की जाँच के क्रम में 01 प्राथमिकी जिला खनन पदाधिकारी द्वारा मिजाचौकी थाना में दर्ज की गयी है। जिसमें 03 नामित व्यक्ति एवं 05 पोकलेन मशीन एवं 01 ड्रील मशीन भी जप्त की गयी है।अवैध परिवहन के मामले में 05 वाहनों से 1.75 लाख रुपये की वसूली की गयी।उपायुक्त ने बैठक में अहम निर्देश दिए जिनमें जिला में अवैध आर्म्स की जपती करने तथा अवैध आर्म्स रखने वाले पर कारवाई करने को कहा गया। उपायुक्त ने बताया कि प्रखंड बड़हरवा, तालझारी में खनन से संबंधित शिकायतें संज्ञान में आई है, अंचलाधिकारी व थाना प्रभारी को शिकायतों कि जांच करने को कहा ।अवैध परिवहन, ओवरलोड गाड़ियों की चालान एवं चेक नाकों पर गहनता पूर्वक जांच, चेक नाकों पर लगे सीसीटीवी कैमरा कि फीड की जांच करने हेतु निर्देश दिए गए।बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवल गर्ग, अपर समाहर्ता गौतम भगत, अनुमंडल पदाधिकारी साहेबगंज अंगार नाथ स्वर्णकार, अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल कपिल कुमार,जिला परिवहन पदाधिकारी मिथलेश कुमार चौधरी, जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू, मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा, सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत एसडीपीओ, अंचलाधिकारी, थाना प्रभारी उपस्थित थे।

पुत्र व पुत्रवधु द्वारा वृध्द पिता व माता के साथ मारपीट को लेकर शिकायत

साहिबगंज(उजाला)।मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज पश्चिम टोला निवासी अर्जुन यादव ने अपने बेटे एवं बहु के विरुद्ध मारपीट को लेकर मुफस्सिल थाना में आवेदन दिया।आवेदन में कहा कि दिनांक-09-12-2024 को रात में करीब 7:30 बजे मेरा पुत्र राज कुमार उर्फ मलेटरी यादव एवं उसकी पत्नी पुनम देवी उर्फ गनिया देवी जो कि मेरे घर के पास ही उसका घर है,उक्त लोगो ने उक्त दिन जबरन मेरे घर में लाठी डंडा और बन्दूक लेकर घुस गए और मुझ पर एवं मेरी पत्नी गंगोत्री देवी को गाली गलौज के साथ जान से मारने की नियत से हमला किया।इस हमला से वह और उसकी पत्नी बूरी तरह से घायल हो गए।उन्होंने कहा कि वे लोग हल्ला करने लगा तो आवाज सुनकर आस-पास के लोग इक्ट्ठा हुए तो दोनो अभियुक्त वहाँ से भाग गए।फिर मेरी पुत्री जो कि मेरे घर से कुछ दूर में रही है,वो आई और हमलोगों का ईलाज साहेबगंज सदर अस्तपाल में करवाई। इस घटना से मैं और मेरा सारा परिवार डरा हुआ है।उन्होंने थाना प्रभारी से दोनो के विरुद्ध उचित कारवाई करने की मांग की।वही थाना प्रभारी ने जांच कर कारवाई करने की बात कही।

एनटीपीसी फरक्का सीएसआर और यूएलसी के संयुक्त पहल से कुंडली मिशन में बच्चों और टीवी मरीजों के बीच राशन तथा कंबल किया वितरण

बरहेट/साहिबगंज(उजाला)। प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत कुंडली गांव समीप मंगलवार को कुंडली मिशन में अनाथ बच्चों और टीवी मरीजों के बीच एनटीपीसी फरक्का सीएसआर और उदिता लेडीज क्लब (यू एल सी) संयुक्त पहल द्वारा कंबल, राशन और बेबी कीट का वितरण किया।उक्त टीम को कुंडली मिशन के टीम ने बुके देकर और स्वागत गीत गाकर स्वागत किया. तत्पश्चात इलाजरत सभी टीवी मरीजों को ठंड से बचने के लिए कंबल और राशन कीट दिया गया. उसके बाद अनाथ बच्चों के लिए बेबी कीट मुहैया कराया.वहीं मिशन के अलावा मिशन द्वारा संचालित उर्सुलिन विद्यालय के बच्चों के बीच भी गया जहां विद्यालय छात्र छात्राओं ने स्वागत गीत गाकर और बुके देकर स्वागत किया.वहीं एनटीपीसी सीएसआर और यूएलसी के टीम के तरफ से हॉस्टल में रहने वाले छात्र छात्राओं को भी राशन कीट दिया.इस दौरान एनटीपीसी सीएसआर के आला अधिकारी रामाकांत पांडा ने बच्चों को संबोधन करते हुए कहा कि आपलोग देश की भविष्य हो, आज शिक्षा प्राप्त कर कल देश के लिए काम आएं, देश सेवा सबसे बड़ी सेवा है।मौके पर यूएलसी के अध्यक्ष निभा पांडा, एनटीपीसी के एजीएम एमजीआर संतानु दास, एचआर आलोक कुमार रणवीर डीजीएम एचआर देबलीनादास, विद्यालय के गणमान्य शिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित थी।

उपायुक्त आम जनों की समस्या से अवगत हुए

साहिबगंज(उजाला)।समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त हेमंत सती ने जनता दरबार के माध्यम से आमजनों की समस्याएं सुनी।जनता दरबार में जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त महोदय को अवगत कराया। उपायुक्त महोदय ने उपस्थित नैनी मिश्रा, कंचन कुमार सरकार, नाथू घोष, एवं अन्य लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी। साथ ही उनके सामाधान को लेकर उन्हें आश्वस्त कराया।संज्ञान में आए हुए शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान करने की बात कही। गौरतलब है कि जनता दरबार के दौरान शिकायत के रूप में आए आवेदन विभिन्न विभागों व योजना से संबंधित थे।जनता दरबार में शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त महोदय ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को उनका समाधान करने को लेकर निर्देशित किया। संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें।

दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज(उजाला)।मानसिक रूप से बीमार और बौद्धिक अक्षमता से ग्रस्त व्यक्ति सभी मानवीय अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता के हकदार हैं । इनलोगों को विशेष सुरक्षा की आवश्यकता है । इन समस्याओं से ग्रस्त व्यक्ति सभी मानवीय अधिकार और मौलिक स्वतंत्रता के हकदार हैं। मानसिक रूप से बीमार और बौद्धिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को विधिक सेवाएं देते समय, जिला विधिक सेवा प्राधिकार का यह मुख्य सरोकार यह है कि इन व्यक्तियों के मानवीय अधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को प्रोत्साहित एवं रक्षित किया जाये और यह सुनिश्चित किया जाये कि वह अपने मानवीय अधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता का पूर्ण, सम्मानपूर्वक और समान आनंद ले सकें ।उपर्युक्त बातें मंगलवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार ने झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार दो दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम ' मनोन्याय ' के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरन कहीं।उन्होंने कहा कि नालसा कानूनी सेवाएं मानसिक रूप से बीमार व्यक्तियों और बौद्धिक रूप से विकलांग व्यक्तियों को योजना, 2024 के तहत नवगठित कानूनी सेवा इकाई मनोन्याय गठन किया गया। इस इकाई का मुख्य उद्देश्य मानसिक रूप से बीमार और बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों को कानूनी सहायता प्रदान करना है।सर्व प्रथम कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षु जिला न्यायाधीश पुर्नेंदु शरण, स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत, अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी तुषार आनंद, डॉ० मोहन मुर्मू, डॉ० अनिमेष कुजुर, अधिवक्तागण, पीएलवी न्याय मित्र सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रखंड मुख्यालय में आयुष्मान कार्ड को लेकर तीसरे दिन भी लगाए गए कैंप

बरहेट/साहिबगंज(उजाला)।प्रखंड मुख्यालय में आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर तीसरे दिन कैंप लगाया गया।वही कैंप में तीन दिनों में कुल 240 लोगों ने आयुष्मान कार्ड का लाभ लिया।इसको लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट की कर्मियों को नियुक्ति की गई है।जिसमें डॉ चिनोप्पा सोरेन पब्लिक हेल्थ पर्सन , श्रीमती यशोदा देवी बी टी टी, शंभू कुमार मंडल एमपीडब्ल्यू,विकाश ठाकुर कंप्यूटर ऑपरेटर टीम सामिल है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र से लोग दस्तावेज लेकर आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर पहुंच रहे हैं।वही प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे ने कहा कि जरूर से जरूर आयुष्मान भारत कार्ड बनाएं।ताकि कम से कम 5 लाख तक बीमारी का इलाज मुफ्त में करा सकते हैं।सरकार गरीबों के लिए इलाज हेतु सहायता कर रही है।इससे सभी लोग बढ़ चढ़कर लाभ ले।

मानवाधिकार दिवस के अवसर पर पारा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज(उजाला)।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश- सह- अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज अखिल कुमार के निदेर्शानुसार मंगलवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर पारा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।आयोजित कार्यक्रम में बताया गया कि मानव अधिकार से तात्पर्य उन सभी अधिकारों से है जो व्यक्ति के जीवन, स्वतंत्रता, समानता एवं प्रतिष्ठा से जुड़े हैं। यह सभी अधिकार भारतीय संविधान के भाग 3 में मूलभूत अधिकारों के नाम से वर्णित है और न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय है। जिसकी भारतीय संविधान न केवल गारंटी देता है बल्कि इसका उल्लंघन करने वालों को अदालत सजा भी देती है। आगे महिला के अधिकारों पर बात करते हुए उन्होंने यौन उत्पीड़न से महिलाओं का संरक्षण (पॉश एक्ट) के तहत कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न के अधिकांश मामलों में पुरुषों द्वारा महिलाओं को लक्ष्य कर किया जाता है।लेकिन किसी भी महिला को ऐसा व्यवहार सहन नहीं करना चाहिए, जो उनकी इज्जत और मयार्दा का उल्लंघन करें और जिससे उस व्यक्ति, संस्थान या समाज पर नकारात्मक असर पड़े। ऐसे व्यवहारों पर रोक लगाने के लिए ही पॉश अधिनियम पारित किया गया है। महिलाओं को अपनी कामकाजी परिस्थितियों पर असंतोष व्यक्त करने में संकोच नहीं करना चाहिए। आगे उन्होंने पॉश एक्ट के तहत दिए जाने वाले दंड एवं जुमार्नों के बारे में भी विस्तार पूर्वक समझाया।

शालिग्राम हत्याकांड मामले में गिरफ्तारी नहीं होने के कारण आज सुभाष चौक बभनगामा में होगा चक्का जाम

तीनपहाड़/साहिबगंज(उजाला)। शालिग्राम मंडल हत्या कांड के नौ दिन बीत जाने के बाद भी अब तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होने को लेकर मंगलवार को मृतक के पुत्र पप्पू कुमार ने अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल को एक लिखित आवेदन देकर बताया है कि दिनांक 02.12-2024 को समय करीब 10:30 बजे तीनपहाड़ थाना अंतर्गत लालबन बाई पास सड़क के समीप मेरे पिता शालीग्राम मंडल को अज्ञात अपराधियों द्वारा गोली मार कर हत्या कर दी गई थी जिस पर अब तक पुलिस प्रशासन के तरफ से कोई कार्यवाही नहीं किया गया है। जिसके विरोध में दिनांक 08.12.2024 को ग्रामीणों द्वारा तीनपहाड़ थाना परिसर में विरोध प्रदर्शन कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की गई थी।जिसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल के द्वारा आश्वासन दिया गया था कि दिनांक 10.12.2024 तक घटना में शामिल अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं किया गया,इसलिए मैं वाध्य होकर दिनांक 11.12.24 बुधवार को तीनपहाड़ सुभाष चौक बभनगामा में सुबह 9.00 बजे से सड़क जाम करने जा रहे है।

माननीय मुख्यमंत्री का साहेबगंज जिले में योजना का उद्घाटन, शिलान्यास एवं परिसंपत्तियों का वितरण कार्यक्रम आगामी 14 दिसंबर, 2024 को प्रस्तावित

साहिबगंज(उजाला)।दिनांक 14 दिसम्बर,2024 को माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार का साहिबगंज जिला अंतर्गत बरहेट प्रखण्ड के भोगनाडीह में प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम निश्चित है।इसी क्रम में तैयारियों को लेकर उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बैठक की गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी व्यवस्थाएं पहले ही सुनिश्चित कर लें और आपसी सामंजस्य बनाते हुए तैयारियां शुरू कर दें।इस संबंध में उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री द्वारा योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास एवं परिसंपत्तियों का वितरण की जाने वाली सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को निर्देशित किया। बैठक में परियोजना निदेशक संजय कुमार दास ,उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत , सिविल सर्जन डॉक्टर प्रवीण कुमार संथालिया, जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ हरिशंकर झा, जिला योजना पदाधिकारी अनूप कुमार, , भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल कुमार गुप्ता, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जेएसएलपीएस मार्टिन तारीक, जिला मत्स्य पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य देवीलाल हांसदा उपस्थित रहे।

जिला परिषद बोर्ड की बैठक जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू की अध्यक्षता में हुई

साहिबगंज(उजाला)।जिला परिषद सभागार में मंगलवार को जिला परिषद बोर्ड की बैठक जिला परिषद अध्यक्ष मोनिका किस्कू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के पंचायती राज विभाग के जिला परिषद में विलय पर चर्चा की गई। जिला ग्रामीण विकास शाखा गठन की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं जिला के सभी हाट-बाजार, जल नल योजना में सही काम नहीं होने, पूर्वी नारायणपुर पंचायत में जेरेडा से काम नहीं होने, कई गांव को बिजली से नहीं जोड़ने, बरहेट में जर्जर विद्युत तार बदलने, वन विभाग के कार्यों की समीक्षा का अधिकार की जानकारी लेने, जिला के मदरसा व स्कूलों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करने, राजमहल अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने, पंचायत समितियों की बैठक का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने, जिला परिषद मार्केट में दुकानों की स्थित पर चर्चा की गई। वहीं जिला परिषद अध्यक्ष ने डीएफओ, सिविल सर्जन, पीएचईडी कार्यपालक अभियंता, जिला खनन पदाधिकारी, विद्युत कार्यपालक अभियंता के बैठक में उपस्थित नहीं रहने पर नाराजगी जताई।

विधायक कक्ष के प्रांगण में ज़िला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान ने लगाया जनता दरबार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज(उजाला)। विधानसभा चुनाव के उपरांत पिछले दिनों की भांति पुनः मंगलवार को विधायक कक्ष के प्रांगण में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान के द्वारा जनता दरबार के माध्यम प्रखंड के लोगों की समस्याओं को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया।विधायक कक्ष की मरम्मती कार्य होने के कारण विधायक कक्ष के बाहर प्रांगण मे ही जनता दरबार का आयोजन सुनिश्चित किया गया।जनता दरबार में ग्रामीण एवं नगर पंचायत के लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को बरकत खान के समक्ष रखा,जिसमें मुख्य रूप से मईया सम्मान योजना से संबंधित समस्याएं,पेंशन बंद हो जाने,बिजली बिल माफी से संबंधित समस्याएं, अबुवा आवास,अंबेडकर आवास एवं जमीनी संबंधित समस्याए सम्मिलित थे। जिला अध्यक्ष बरकत खान ने सभी समस्याओं को सुना तथा सभी समस्याओं से संबंधित पदाधिकारियों से वातालार्प कर समस्याओं का निबटारा करवाया,साथ ही मइया सम्मान योजना में बहुत से माताओं एवं बहनों का आवेदन रिजेक्ट हो जाने संबंधित समस्याएं को लेकर जिला अध्यक्ष बरकत खान ने उप विकास आयुक्त साहेबगंज से फोन पर वातालार्प कर इस पर पहल करने की बात कही। जनता दरबार में पहुंचे कुछ लोगों की समस्याओं को लेकर बरकत खान प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास से मिलकर निदान करवाने का सफल प्रयास किया। बरकत खान ने बताया कि पाकुड़ विधानसभा से रिकॉर्ड मतों से निर्वाचित विधायिका निसात आलम ने निर्देश दिया है कि विधायक कक्ष में पूर्व की तरह प्रत्येक मंगलवार को लगे जनता दरबार में पहुंचे लोगों की समास्याओं का निदान निस्वार्थ भाव से करने का काम करें, लोगों की समास्याओं का निदान कराने के लिए ही प्रत्येक प्रखण्ड में गठबन्धन सरकार के द्वारा विधायक कक्ष का प्रावधान किया गया है।मौके पर मिथुन मण्डल,विकास सिंह,आलमगीर आलम,अनारुल खान, आफताब आलम सहित दर्जनों शहरी तथा ग्रामीणगन मौजूद थे।

प्रखंड विकास पदाधिकारी ने लाभुकों के बीच किया आयुष्मान कार्ड स्वीकृत पत्र का वितरण

उधवा/साहिबगंज (उजाला)। उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने लाभुकों के बीच आयुष्मान कार्ड स्वीकृत पत्र वितरण किया। जानकारी के अनुसार उपायुक्त साहेबगंज हेमंत सती के निदेर्शानुसार 7 दिसंबर से 10 दिसंबर तक सभी प्रखंड मुख्यालयों में आयुष्मान कार्ड बनाया जाना था। मंगलवार को उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आयुष्मान कार्ड बनाने को लेकर शिविर लगाया गया। इसी क्रम में शिविर में विभिन्न पंचायतों से आवश्यक कागजात के साथ लाभुक पहुंचे। शिविर में कुल 350 लाभुको का आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। मौके पर कंप्यूटर ऑपरेटर अफजल अंसारी,नितेश छतरी,खबीर आलम सहित अन्य मौजूद थे।

बीएड कॉलेज में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के बीच सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : जिला परिवहन पदाधिकारी पाकुड़ के निदेर्शानुसार सड़क सुरक्षा सदस्यों के द्वारा पाकुड़ ़.एं कॉलेज ,पाकुड़ में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया.स्कूल में जागरूकता अभियान के दौरान 150-200 छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय के शिक्षकों को बताया गया कि वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट जैसे सुरक्षित उपकरणों के इस्तेमाल से कैसे सड़क पर होने वाले दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है और अपनी व यातायात का उपयोग कर रहे अन्य व्यक्तियों के जान की रक्षा की जा सकती है। सड़क सुरक्षा के सदस्यों ने वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग करना कितना खतरनाक हो सकता है, रोड क्रॉस करने एवं अन्य के बारे में जानकारी दी साथ ही उन्होंने अपील किया कि वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग ना करें और सीट बेल्ट का प्रयोग करने हेतु परिवार एवं छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को प्रेरित करें। जागरूकता अभियान के क्रम में यातायात नियम का कड़ाई से पालन करने के लिए सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों के बीच शपथ ग्रहण करवाया गया।

उन्होंने कहा ऐसी गलती न करें और कड़ा रुख अपना कर अपने परिवार को भी सुरक्षा का पाठ पढ़ाये। साथ ही उन्हें भविष्य में सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा इन सबको देखते हुए सभी तरह के नियमों का पालन नियमित रूप से किया जाएं तो भविष्य उज्जवल हो सकती है इसके साथ हिट एंड रन एवम गुड समारिटर्न (नेक नागरिक) के बारे मे बताया गया इसके साथ ही सड़क सुरक्षा के द्वारा सड़क सुरक्षा संबंधित पुस्तिका एवम पैंपलेट सभी छात्र एवम छात्राओ को बांटा गया.गुड समेरिटन के बारे में अवगत कराया गया जैसे मोटरवाहन जनित सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की सहायता करने के उद्देश्य से गोल्डन Hour अस्पताल पहुचाने में वाले नेक व्यक्ति को प्रोत्साहित करने हेतु 2,000/-(दो हजार) रुपए मात्र नगद के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान करने की योजना लागू है। इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार के साथ ताकि किसी भी व्यक्ति के सड़क दुर्घटना के क्रम में घायल व्यक्ति को एक घंटा के अंदर (गोल्डन ऑवर में) अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को पांच हजार रुपए की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र दिये जाने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावे दुर्घटना से पीड़ित व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले अस्पताल में अपना नाम दर्ज कराएं,ताकि चिकित्सक प्रमाणित कर सकें कि घायल व्यक्ति को किसने मदद की है उस मददकर्ता को गुड सेमेरिटन के तहत 2,000 रु के साथ प्रशस्ति पत्र दी जा सके। साथ ही सड़क हादसों में मृत्यु दर को कम करने के उदेश्य से लोगों को इस संशोधित अधिनियम की ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्रदान की जा सके और लोग एक दूसरे को इसके प्रति जागरूक कर सके एवम इसके साथ साथ हिट एंड रन के बारे में बिस्तर पूर्वक बतलाया गया किसी अज्ञात वाहन से दुर्घटना घटित होने पर 2,00000(दो लाख) एवम गंभीर रूप से घायल होने पर 50,000 (पचास हजार) का प्रावधान है.जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से मोटर यान निरीक्षक अमित कुमारजिला सड़क सुरक्षा प्रबंधक रितेश कुमार सिंह समिति के रोड इंजीनियर एनालिस्ट मोहम्मद अजहद अंसारी , सूचना प्रौद्योगिकी सहायक अमित कुमार राम एवं कार्यालय के प्रज्ञानंद एवं के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक गण उपस्थित रहे ।

जिला परियोजना प्रबंधक ई पंचायत द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायत सचिवालय भवनों का औचक निरीक्षण किया

यासिर अराफात @झारखण्ड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : उपायुक्त मनीष कुमार द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में जिला परियोजना प्रबंधक ई पंचायत आंनद प्रकाश द्वारा लिट्टीपाड़ा प्रखंड के ग्राम पंचायत जबरदाहा, कमलघाटी, तालझारी, बड़ा सरसा, बीचामहल, सूरजबेड़ा एवं लिट्टीपाड़ा पंचायत सचिवालय भवन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में पंचायत सचिवालय भवन में पेयजल, बिजली, क्रियाशील, शौचालय, साफ सफाई, अभिलेख एवं पंजी संधारण की स्थिति, पंचायत ज्ञान केन्द्र के संचालन की स्थिति, पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधियों एवं कर्मियों के पंचायत सचिवालय भवन में कर्मियों के पंचायत सचिवालय भवन में उपस्थिति आदि की जांच कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

शिव शीतला मंदिर में चोरों ने किया हाथ साफ, सबूत मिटाने की नीयत से सीसीटीवी कैमरे भी तोड़े गए, जांच में जुटी पुलिस

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़: शहर के शिव शीतला मंदिर परिसर स्थित शाकंभरी माता मन्दिर से चोरों ने कीमती सामानों को चुराकर नौ-दो ग्यारह हो गये.मंगलवार को अहले सुबह जब श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए मन्दिर गये तो ताला तोड़ा हुआ. पाया. एकाएक श्रद्धालु पूजा के लिए मन्दिर पहुंचते ही स्थानीय लोगों समेत श्रद्धालु चोरी की घटना को ले आक्रोशित हो गये. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गयी.पुलिस हर एंगल से तफ्तीश करते हुए चोरी की घटना में संलिप्त चोरों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है ताकि जल्द से जल्द हुयी चोरी की घटना का उद्भेदन यथाशीघ्र किया जा सके. वही चोरी की घटना को ले स्थानीय लोगों ने नगर थाना में शिकायत की है, जिसके आधार पर पुलिस आगे की कारवाई कर रही है. बताया जा रहा है कि चोरों ने कीमती सामान यानी मन्दिर से सोने की मंतिका, नादिया, छत्र, चार चर्म पादुका, चांदी का त्रिशूल, चांदी की थाली, चांदी की चमची समेत चांदी का चार पाव वाला टेबल भी चुरा कर ले गये. साथ ही चोरों ने सबूत मिटाने के नियत से लगे सीसीटीवी कैमरे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया.

उपायुक्त ने नीलाम पत्र वादों की समीक्षा

यासिर अराफात @झारखण्ड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : उपायुक्त मनीष कुमार ने लंबित नीलाम पत्र वादों की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित पदाधिकारियों को नीलाम पत्र वादों से संबंधित लंबित मामलों के निष्पादन में कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने नीलाम पत्र पदाधिकारियों को नीलाम पत्र वादों की सुनवाई को अपने रूटीन कार्यों में शामिल करने की बात कही। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि 15-15 बड़े बकायेदारों को चिन्हित कर संबंधित मामलों की नियमित सुनवाई करें तथा प्राथमिकता के आधार पर प्रतिमाह अधिक से अधिक मामलों में ऋण वसूली की कार्रवाई करें। जिलास्तरीय नीलाम पत्र पदाधिकारियों को निर्गत वारंट, प्राप्त आपत्तियों, नोटिस तामिला हेतु लंबित मामलों आदि के संबंध में भी अविलंब आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इस संदर्भ में सभी संबंधित पदाधिकारियों को थाना के स्तर से कार्रवाई को लेकर संबंधित से समन्वय बनाने का निर्देश दिए।

यूथ चैरिटी की महिला सदस्या जीवन बीबी ने मरीज को रक्तदान कर दिया जीवनदान

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : यूथ चैरिटी संस्था की ओर से जीवन बीबी जो मनीरामपुर पंचायत के शमसुल हक की बेटी हैं और इस संस्था की सक्रिय सदस्य भी है, उन्होंने पाकुड़ के रहने वाले प्रमोद तेवरीवाल के चाचा जो सदर अस्पताल सोनाजोड़ी में इलाजरत है. उन्हें अपना खून देकर जीवन बचाने का काम किया है. जो चर्चा का विषय बना हुआ है. दरअसल मरीज को डॉक्टर ने खून की कमी के कारण शरीर में खून चढ़ाने की सलाह दी. परिवार वालों ने खून चढ़ाने के लिए यूथ चैरिटी संस्था से मदद की गुहार लगाई. वही जब इस संस्था की महिला सदस्य जीवन बीबी को पता चला तो वे फौरन अपना खून दान करने के लिए राजी हो गई. पाकुड़ ब्लड बैंक पहुंचकर उन्होंने मरीज के लिए अपना खून दान किया. एक महिला होने के बावजूद भी उन्होंने इंसानियत का अपना फर्ज निभाती हुई समाज को जोड़ने का काम किया. यूथ चैरिटी संस्था की ओर से लगातार समाज सेवा का कार्य किया जा रहा है फिर चाहे वह किसी मरीज को रक्तदान देने का कार्य हो, आर्थिक तंगी से जूझ रहे मरीज को निशुल्क दवाई का वितरण करने का मामला हो, शादी ब्याह जैसे मामलों में भी जरूरतमंद लड़कियों की शादी में इस संस्था की ओर से मदद का हाथ बढ़ाया जाता है. संस्था बहुत ही कम समय में क्षेत्र के लोगों के हित में खड़े रहते हुए सही मायने में इंसानियत का फर्ज निभा रहा है. जिससे समाज के जरूरतमंदों को इस संस्था की ओर से काफी हद तक मदद मिल रही है.

उपायुक्त ने सहकारिता विभाग की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश

यासिर अराफात @झारखण्ड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग से संबंधित विभिन्न एजेंडों को लेकर एक बैठक आयोजित की गई।बैठक में लैम्पसों के कम्प्यूटरीकरण, मॉडल उप विधियों के अंगीकरण, विश्व स्तरीय विकेन्द्रित अन्य भंडारण योजना अंतर्गत 500 एमटी गोदाम निर्माण, एनसीसीएफ पर समितियों का रजिस्ट्रेशन, लैम्पसों/ पैक्सों का उर्वरक लाइसेंस दिलाने, दुग्ध उत्पादन सहयोगी समितियों का गठन एवं पंचायतवार मत्स्य जीवी समिति के गठन संबंधी प्रस्ताव रखे गए। इस संबंध में उपायुक्त मनीष कुमार ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, डीडीएम नाबार्ड, झारखंड राज्य सहकारी बैंक पाकुड़ शाखा के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।

आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, पदाधिकारियों को दिये निर्देश

जनता की समस्याओं का समाधान हो सबकी प्राथमिकता : उपायुक्त

ऑन स्पॉट कई मामलों का किया गया निष्पादन

जिला अन्तर्गत लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द करें समाधान : उपायुक्त

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त मनीष कुमार के द्वारा समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान रोजगार से संबंधित मामले, चौकीदार नियुक्ति से संबंधित मामले, राजस्व, विधि शाखा आदि से संबंधित मामले से संबंधित मामले एवं विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करे, ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो।

शिव शीतला मंदिर की चोरी में शामिल चोरों को जल्द से जल्द पकड़े पाकुड़ पुलिस : तनवीर आलम

पाकुड़: शहर के शिव शीतला मंदिर परिसर स्थित शाकंभरी माता मन्दिर से चोरों ने कीमती सामानों को चुराकर नौ-दो ग्यारह हो गये.मंगलवार को अहले सुबह जब श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए मन्दिर गये तो ताला तोड़ा हुआ. पाया. एकाएक श्रद्धालु पूजा के लिए मन्दिर पहुंचते ही स्थानीय लोगों समेत श्रद्धालु चोरी की घटना को ले आक्रोशित हो गये. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गयी.पुलिस हर एंगल से तफ्तीश करते हुए चोरी की घटना में संलिप्त चोरों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है ताकि जल्द से जल्द हुयी चोरी की घटना का उद्भेदन यथाशीघ्र किया जा सके. वही इस चोरी की घटना को लेकर कांग्रेस प्रदेश महासचिव तनवीर आलम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए इस घटना की कड़ी निंदा की है साथ ही कहा है कि इस चोरी की घटना में सभी शामिल चोरों को पाकुड़ पुलिस जल्द से जल्द पकडे.

उपायुक्त ने डोर-टू डोर चल रहे पोलियो अभियान का किया निरीक्षण

यासिर अराफात@ झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : उपायुक्त मनीष कुमार ने 08 दिसम्बर से 10 दिसम्बर तक चलने वाली पोलियो अभियान के अंतिम दिन नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत छोटी अलीगंज में घर-घर जाकर पोलियो की दो बूंद पिलाई जाने का निरीक्षण किया। पोलियो अभियान के पहले दिन जन्म से 5 साल तक के बच्चों को बूथों पर बच्चों को खुराक पिलायी गयी। वहीं दूसरे व तीसरे दिन घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायी जा रही है का निरीक्षण सिविल सर्जन की उपस्थिति में किया। उन्होंने सिविल सर्जन से कहा कि पोलियो अभियान में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए। उन्होंने लोगो से पोलियो अभियान में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पोलियो ऐसी बीमारी है जिससे पूरे जीवन पर असर करता है। दो बूंद ज़िन्दगी के इस खुराक से एक भी बच्चा छूटे ना, यह सुनिश्चित किया जाए।

डीएमएफटी व अनटाइड के तहत जिले में हो रहे विकास कार्यों की उपायुक्त ने समीक्षा की, अधिकारियों को दिए कई निर्देश

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : डीएमएफटी व अनटाइड के तहत जिले में हो रहे विकास कार्यों को लेकर मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने विभागवार संबंधित कार्यपालक अभियंताओं, ऐई, जेई से पूर्व से संचालित योजनाओं के तहत अब तक हुए कार्यों की जानकारी ली जिसके उपरांत उपायुक्त ने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर कार्य प्रगति का जायजा लेने, गुणवत्ता का ध्यान रखने एवं ससमय योजनाओं को पूर्ण करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने डीएमएफटी के तहत अन्य विकास कार्यों को करने, विभिन्न क्षेत्रों से आए विकास कार्यों के प्रस्तावों आदि पर बैठक में उपस्थित अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए योजनाओं के चयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित कार्यों का योजनावार प्रगति प्रतिवेदन अवश्य संलग्न करें। इसके अलावा उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर सभी संचालित योजनाओं को तय समयावधि के अंदर पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि जितने भी लंबित योजनाएं हैं उन सभी को 15 दिनों के अंदर पूर्ण करें। लोकल वेंडर को ज्यादा से ज्यादा काम मिलें इसे सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वैसी योजनाएं जो पूर्ण कर ली गई है, उसे हैंड ओवर करने का निर्देश दिया गया।मौके पर उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, संबंधित विभाग के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता समेत अन्य उपस्थित थे।

विश्व मानव अधिकार दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

यासिर अराफात @झारखंड उजाला ब्यूरो

पाकुड़ : झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर डालसा सचिव अजय कुमार गुड़िया के उपस्थिति में पाकुड़ सदर के हीरानंदपुर पंचायत अन्तर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय हीरानंदपुर में विश्व मानव अधिकार दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।उक्त कार्यक्रम में सचिव अजय कुमार गुड़िया ने सभी उपस्थित छात्र छात्राएं को मानवाधिकार दिवस मनाने के पीछे का मकसद पर प्रकाश डाला गया लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करना किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करने लोगों के बीच भाईचारा बढ़ाना मानवाधिकारों की रक्षा करना और उन्हें बढ़ावा देने से संबंधित जानकारी दी गई। साथ ही कानून की जानकारी से अवगत कराया गया। मौके पर पीएलवी याकूब अली, सायेम अली आदि लोग मौजूद थे।

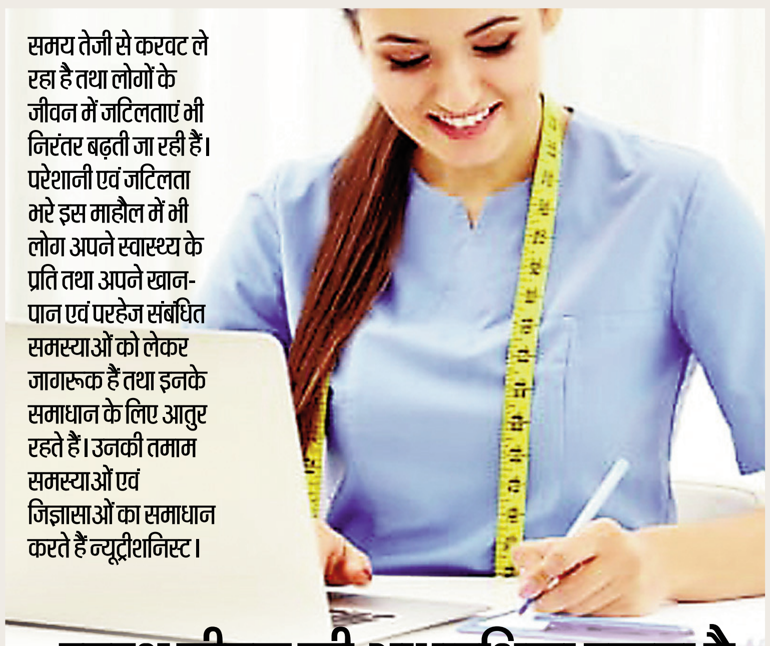

समय तेजी से करवट ले रहा है तथा लोगों के जीवन में जटिलताएं भी निरंतर बढ़ती जा रही हैं। परेशानी एवं जटिलता भरे इस माहौल में भी लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति तथा अपने खान-पान एवं परहेज संबंधित समस्याओं को लेकर जागरूक हैं तथा इनके समाधान के लिए आतुर रहते हैं। उनकी तमाम समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं न्यूट्रीशनिस्ट।

स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखता है न्यूट्रीशनिस्ट

एक सामान्य जीवन व्यतीत करने वाले नागरिक से लेकर खिलाड़ियों के लिए जरूरी फूड सप्लिमेंट तक का उपाय इन्हीं न्यूट्रीशनिस्टों के जरिए होता है। इस आधार पर कहा जा सकता है कि न्यूट्रीशन स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए फूड एवं अन्य पदार्थो को नियंत्रित करने का विज्ञान है। आज यह अपनी उपयोगिता के चलते नये प्रोफेशन का रूप अख्तियार कर चुका है। एक न्यूट्रीशनिस्ट का काम जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए खान-पान के तौर-तरीकों तथा अच्छे स्वास्थ्य के मद्देनजर जरूरी चीजों को बढ़ावा देना होता है। यह सारी क्रियाविधि मनुष्य की उम्र पर निर्भर करती है। इसके अलावा उनके रूटीन, बीमारी तथा कार्य के स्वरूप को देखते हुए खाद्य पदार्थों की रूपरेखा तय की जाती है। यह सुखद संकेत है कि न्यूट्रीशन के सिद्धांतों एवं परिकल्पनाओं के जरिए लोगों के अंदर व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। न्यूट्रीशनिस्ट अपने ज्ञान एवं शोधों के द्वारा खाद्य पदार्थों की सूची तैयार करता है तथा उस आधार पर उसे हॉस्पिटल, फिजिकल ट्रेनिंग कैम्प, पर्वतारोहियों आदि के लिए निर्धारित करता है। इन खाद्य पदार्थों में विटामिंस, मिनरल्स, आयरन आदि होते हैं, जो मनुष्य के लिए आवश्यक होते हैं। पाचन क्रिया के अध्ययन व शोधों से यह पता चला है कि शरीर में अधिकांश रिएक्शन एवं शारीरिक परेशानियां संतुलित आहार न लेने से होती हैं। इन बीमारियों में डायबिटीज, लीवर व पेट संबंधी समस्याएं शामिल हैं। यदि ये न्यूट्रीशनिस्ट किसी प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग संस्थान में कार्यरत हैं तो वे अपनी प्लानिंग एवं शोधों के जरिए नए उत्पाद के सृजन की कोशिश करते हैं। वास्तव में ये न्यूट्रीशनिस्ट स्वस्थ जीवन की आधारशिला रखने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बारहवीं के बाद रखें कदम

न्यूट्रीशन के फील्ड में जो भी करियर ऑप्शन हैं, वे ग्रेजुएट या पोस्ट ग्रेजुएट बनने के बाद ही सामने आते हैं। इसके लिए लोगों को होम साइंस, न्यूट्रीशन, फूड साइंस/ टेक्नोलॉजी से सबंधित कोर्स करने अनिवार्य हैं। बैचलर कोर्स (न्यूट्रीशन एवं डायटीशियन) के लिए छात्र को विज्ञान विषयों (फिजिक्स, कैमिस्ट्री, होम साइंस एवं बायोलॉजी) में पास होना अनिवार्य है। तभी बीएससी इन होम साइंस तथा अन्य बैचलर प्रोग्राम जैसे फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेडिसिन, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी से संबंधित अन्य विषयों को भी शामिल किया जाता है। कुछ ऐसे भी संस्थान हैं जो 10+2 के पश्चात चार वर्षीय फूड टेक्नोलॉजी कोर्स कराते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएट लेवल पर न्यूट्रीशन का डायटीशियन से संबंधित कोर्स या तो दो वर्ष का है या फिर पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (1 वर्षीय) के रूप में है। पीजी तथा पीजी डिप्लोमा कोर्स करने के लिए फूड साइंस, होम साइंस, होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, बायो कैमिस्ट्री तथा मेडिसिन में बैचलर होना आवश्यक है। एमएससी इन होम साइंस भी इसी स्तर पर किया जाता है। इसके बाद पीएचडी का रास्ता खुलता है।

सिलेबस भी है कुछ खास

न्यूट्रीशन से संबंधित कोर्सो का सिलेबस काफी फैला हुआ तथा रुचिकर है। स्कूली स्तर से लेकर मास्टर एवं रिसर्च लेवल तक का पाठ्यक्रम बताता है कि स्कूलों में न्यूट्रीशन प्रोग्राम के अंतर्गत स्वस्थ खाना एवं उसके फायदे, स्वास्थ्य की जरूरत, मेन्यू डिजाइनिंग, बच्चों में फैट की मात्र, कुकिंग वर्कशॉप तथा प्रकृति के प्रति सहानुभूति दर्शाई जाती है। इसी तरह से एमएससी होम साइंस के सिलेबस में बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन संबंधी रिसर्च, फिजियोलॉजी, बायोस्टेटिस्टिक, मनुष्य की न्यूट्रीशन की आवश्यकता, माइक्रोबायोलॉजी, प्रिंसिपल ऑफ फूड साइंस के अलावा अंतिम वर्ष तक ह्यूमन न्यूट्रीशन एंड डायटेक्टिक, इंस्टीटयूशनल मैनेजमेंट एवं फूड साइंस शामिल किया जाता है, जबकि एक वर्षीय डिप्लोमा इन डायटेक्टिस एंड पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन (डीडीपीएचएन) के अंतर्गत तीन माह की कंपलसरी इंटर्नशिप दी जाती है। यह इंटर्नशिप किसी हॉस्पिटल या योग्य डायटीशियन के अंडर कराई जाती है। इसमें बायोकैमिस्ट्री, न्यूट्रीशन, अप्लाइड फिडियोलॉजी, फूड माइक्रो बायोलॉजी, एडमिनिस्ट्रेशन, थिरैप्टिक न्यूट्रीशन तथा पब्लिक हैल्थ न्यूट्रीशन आते हैं।

खान-पान में अभिरुचि जरूरी

एक अच्छे न्यूट्रीशनिस्ट की रुचि खानपान एवं उसे तैयार करने में अवश्य होनी चाहिए। तभी वह इस फील्ड की बारीकियों को समझ पाएगा। समूह में अथवा व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को अपने बोलने की कला से बांधे रखने (कम्युनिकेशन स्किल्स), विभिन्न रिपोर्ट तैयार करने का कौशल तथा पोस्टर, बैनर लिखने संबंधी ज्ञान भी कदम-दर-कदम काम आता है। उनकी वाणी में मिठास हो तथा मरीज के साथ दोस्ताना व्यवहार बनाने की कला जानते हों। किसी भी संगठन के लिए प्लानिंग एवं इनके प्रशासनिक कार्यो को संभालने के साथ ही शारीरिक रूप से फिट तथा एक टीम लीडर की भांति काम करने का जज्बा सफलता का पैमाना तय कर सकता है। विज्ञान में अभिरुचि तथा उत्तरदायित्व जैसे गुणों को भी एक न्यूट्रीशनिस्ट के अंदर परखा जाता है।

क्या काम है न्यूट्रीशनिस्ट का

एक न्यूट्रीशनिस्ट का कार्य क्षेत्र काफी फैला हुआ है। फूड की प्लानिंग, न्यूट्रीशन प्रोग्राम तैयार करने, बीमारियों तथा जंक फूड से बचाने, पोषक गुणों से युक्त खाना खाने को प्रेरित करने से लेकर फूड सर्विस सिस्टम को प्रमुख संस्थानों जैसे स्कूल, हॉस्पिटल आदि जगहों पर प्रमोट करने संबंधी सभी कार्य इनके जिम्मे होते हैं। कुछ प्रमुख कार्य क्षेत्र इस प्रकार हैं-

क्लीनिकल डाइटीशियन- इनका कार्य किसी हॉस्पिटल, नर्सिग केयर सेंटर अथवा अन्य संस्थानों में मरीजों को न्यूट्रीशन से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना है। वे पता लगाते हैं कि मरीज को न्यूट्रीशन की कितनी आवश्यकता है तथा उसे किस रूप में इसे दिया जा सकता है। इसके बाद मिलने वाले परिणामों तथा डॉक्टर के साथ न्यूट्रीशन संबंधित आश्यकताओं पर चर्चा करते हैं।

कम्युनिटी डाइटीशियन - इनकी प्रमुख भूमिका व्यक्तिगत अथवा समूह के रूप में हैल्थ को बढ़ावा देने के लिए न्यूट्रीशन प्रैक्टिस को कारगर बनाना है। इनके काम करने का स्थान मुख्यत- पब्लिक हैल्थ क्लीनिक, होम हैल्थ एजेंसी तथा हैल्थ मेंटीनेंस ऑर्गेनाइजेशन है। कम्युनिटी डाइटीशियन किसी भी व्यक्ति अथवा उसके परिवार की डाइट को समझने, न्यूट्रीशन केयर प्लान तैयार करते हैं।

मैनेजमेंट डाइटीशियन - ये किसी भी कंपनी, स्कूल, कैफिटेरिया अथवा बड़े पैमाने पर हैल्थ केयर से संबंधित सुविधाओं की प्लानिंग करते हैं तथा उन्हें तैयार भी करते हैं। इसके लिए वे सीधे तौर पर या कड़ी के रूप में डाइटीशियन, फूड सर्विस वर्कर को अनुबंधित करते हैं। बजट, जरूरी उपकरणों, गुलेशन आदि कार्य भी इन्हीं के जिम्मे होता है।

कंसल्टेंट डाइटीशियन - ये प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए लोगों को हैल्थ केयर सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। ये अपने क्लाइंट्स को वेट कम या अधिक करने, कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखने जैसे कार्यो की स्क्रीनिंग करते हैं। कुछ तो वेलनेस प्रोग्राम, स्पोर्ट्स टीम, सुपर मार्केट एवं अन्य न्यूट्रीशन से संबंधित बिजनेस में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

कोचिंग संस्थान - न्यूट्रीशनिस्ट के लिए कोई कोचिंग सेंटर जैसी संस्था नहीं है। इसके लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट जगह-जगह वर्कशॉप, सेमिनार का आयोजन कर पेशे तथा इस फील्ड के प्रति जागरुकता फैलाते हैं। विदेशों में इससे संबंधित कई कोचिंग सेंटर कार्यरत हैं। छात्र अपनी जिज्ञासा के समाधान के लिए न्यूट्रीशन कंसल्टेंट या काउंसलर की मदद ले सकते हैं।

स्कॉलरशिप – कई प्रमुख संस्थान छात्रों को स्कॉलरशिप प्रदान करते हैं। इनमें कुछ तो कोर्स के दौरान प्रदान की जाती हैं तो कुछ पीएचडी के दौरान जेआरएफ के रूप में दी जाती हैं। नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ न्यूट्रीशन, हैदराबाद द्वारा हर साल 7-10 छात्रों को जेआरएफ प्रदान की जाती है। इसके अलावा अधिकांश संस्थान अपने छात्रों को स्कॉलरशिप अथवा फीस में छूट संबंधी सुविधाएं प्रदान करते हैं।

वेतन – मुख्य तौर पर एक न्यूट्रीशनिस्ट का वेतन उसके कार्य एवं कार्य-क्षेत्र पर निर्भर करता है। फिर भी किसी प्राइवेट हॉस्पिटल में बतौर ट्रेनी-न्यूट्रीशनिस्ट ज्वॉइन करने पर 5,000 रु. प्रति माह तथा एक से दो साल का अनुभव होने पर 10,000-12,000 रुपए हर महीने मिलते हैं। जो प्रोफेशनल फील्ड, टीचिंग एवं फूड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में काम करते हैं, उन्हें आकर्षक सेलरी मिलती है, जबकि कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट प्राइवेट प्रैक्टिस के जरिए पैसा व शोहरत दोनों कमा सकते हैं।

इंजीनियर्स ही किसी देश के औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे सोच-समझ कर ही ऐसा कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

औद्योगिक विकास का ताना-बाना बुनते इंजीनियर्स

कुछ साल पहले तक जब करियर के इतने विकल्प नहीं थे, बच्चों को इंजीनियर बनाने का सपना मां-बाप के लिए सुनहरे कल का सपना होता था। चाहे कितनी ही परेशानी क्यों न उठानी पड़े, एक बार इंजीनियरिंग कॉलेज की कक्षाओं में पहुंच गए तो तकलीफें आने वाले दिनों में बरबस मुसकराने का माध्यम बन जाती थीं। आज भी न तो इस विधा की मांग में कमी आई है और न ही इसकी प्रतिष्ठा में। इतना जरूर हुआ है कि इंजीनियरिंग की जिन शाखाओं में पहले कम विद्यार्थी जाते थे, उनमें भी करियर की वही ऊंचाई दिखने लगी है, जिसके लिए इसे जाना जाता है।

इंजीनियरिंग (अभियांत्रिकी) दरअसल किसी भी वैज्ञानिक खोज और उसके व्यावसायिक अनुप्रयोग के बीच एक कड़ी के रूप में होती है और उसी रूप में वह तमाम भावी इंजीनियरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हुई है। विज्ञान और गणित की सहायता से उपयोगी चीजों का निर्माण करने में ही इंजीनियरिंग की सार्थकता छिपी हुई है, यह किसी से नहीं छिपा है। यह एक ऐसी विशेषज्ञता प्रदान करती है, जिसके सहारे अवसरों के तमाम रास्ते खुल जाते हैं। इंजीनियर्स ही तो किसी देश की प्रौद्योगिकी व औद्योगिक बुनियादी ढांचे का ताना-बाना बुनते हैं। ये क्या नहीं करते- सड़क इनके बिना नहीं बनती, पुल नहीं बन पाते, भवनों का निर्माण नहीं होता, मशीनों का अस्तित्व नहीं होता, छोटे उपकरणों से लेकर हवाई जहाज तक तैयार नहीं होते, कार-कंप्यूटर-मोबाइल जिनके बिना इक्कीसवी सदी का आना फीका होता, इनके बिना नहीं बनते। कहने का तात्पर्य यही है कि प्रगति और खुशहाली का आधार इंजीनियरिंग ही है। यही वजह है कि बारहवीं की पढ़ाई पूरी करते ही इस दिशा में बढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या काफी बड़ी होती है। इंजीनियर किसी भी किस्म की मशीनरी, प्रोडक्ट, सिस्टम और प्रोसेस के डिजाइन व डेवलपमेंट के लिए काम करते हैं। किसी भी प्रोजक्ट पर कितना समय लगेगा, कितना खर्च आएगा, क्या उपकरण लगेंगे, कैसे-कैसे उसका काम आगे बढ़ेगा, इन सबके पीछे उनका ही दिमाग होता है। आज इंसान के जीवन को आसान बनाने के लिए जो कुछ भी सामने आ रहा है, वह इन इंजीनियर्स की ही मेहनत का परिणाम है। ड्राइंग टेबल पर पसरी रेखाओं में भविष्य का कौन-सा उत्पाद छिपा है, यह इंजीनियर ही बता सकता है। जाहिर है ये इंडस्ट्रियल प्लांट में काम करते हैं, प्रयोगशालाओं में काम करते हैं, निर्माण स्थलों पर होते हैं, कार्यालयों में किसी अवधारणा के हर पहलू से जूझ रहे होते हैं। ये नहीं होते तो गगनचुम्बी इमारतें नहीं बनतीं, समन्दर की लहरों पर या गहराई में चलना नामुमकिन होता, आकाश में उड़ने की तो सोची ही नहीं जा सकती थी, कंप्यूटर कहां से आता, गेम कहां से बनते, बटन दबाते ही अमेरिका तो छोड़िए पास के शहर में किसी से बात नहीं हो पाती। जो विद्यार्थी इस विधा की किसी भी शाखा में जाने का मन बना रहे हैं, वे नाहक ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि सभ्यता के इस दौर में उनकी कितनी अहमियत है।

विशेषज्ञता

इंजीनियरिंग की परंपरागत दो शाखाओं- सिविल और मैकनिकल- से आगे निकलते हुए आज इसकी विभिन्न शाखाएं प्रमुखता में हैं।

एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग

भारत जैसे कृषि प्रधान देश में इसकी सख्त जरूरत है। कृषि से जुड़े उपकरणों के डिजाइन व निर्माण, सिंचाई व फार्म मशीनरी के लिए उपकरणों के डिजाइन व निर्माण से जुड़ी होती है यह शाखा।

एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग

आकाश मार्ग से जाना इनके बिना संभव नहीं। हवाई जहाज का डिजाइन कैसा हो कि आसानी से उड़ सके, मौसम को झेल सके, इन सब पर इसमें काम होता है। इस बात पर काफी काम होता है कि हवाई जहाज के भीतर की स्पेस कैसी हो कि ज्यादा लोग भी बैठ सकें और उड़ान में कोई दिक्कत भी न आए।

कैमिकल इंजीनियरिंग

रसायनों की दुनिया बड़ी विचित्र होती है। किसके मेल से क्या बन जाएगा, यह तो कैमिकल इंजीनियर ही बता सकता है। दवाइयां, फूड प्रोसेसिंग, पेंट, टेक्सटाइल, खाद, सौन्दर्य प्रसाधन, साबुन, तेल जैसे कार्यों से जुड़ी कंपनियों में इनकी जरूरत होती है, ताकि वे शोध से रसायनों को उपयोगी व गैर-हानिकारक बना सकें।

सिविल इंजीनियरिंग

सिविल इंजीनियरिंग की ही बदौलत ये सड़कें हैं, जिन पर तेजी से चलते हुए हम विकास कर रहे हैं, इमारतें हैं, जिनमें रहने से लेकर कार्यालयों का मामला जुड़ा है, पुल हैं, जिनके बिना नदी-नाले-पहाड़-समन्दर कुछ भी पार करना असंभव होता। और तो और अपवहन प्रणाली (ड्रेनेज सिस्टम) इनके बिना नहीं बनती और शहरों का क्या हाल होता, आज आसानी से समझा जा सकता है। हड़प्पा काल तक के लोगों ने जब इनकी अहमियत समझी तो आज तो इनके बिना एक पल नहीं रहा जा सकता।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग

आज कंप्यूटर का जमाना है, इस बात से कोई इनकार नहीं करेगा। लेकिन कंप्यूटर की सहायता से आज जो कुछ हो रहा है, वह इसके इंजीनियरों का ही तो कमाल है, जो इसके डिजाइन, सॉफ्टवेयर, हार्डवेयर पर बड़ी बारीकी से काम करते हैं और तब जाकर कहीं एक ऐसी प्रणाली बन पाती है, जिसके सहारे काम आसान हो पाते हैं।

एनवायरमेंटल इंजीनियरिंग

पर्यावरण ही तो हमारे जीवन के लिए सबकुछ है। यदि यह दूषित-प्रदूषित है तो हमारे लिए खतरा है। इससे जुड़े इंजीनियर उन परेशानियों को चिह्नित करते हैं और उनका समाधान ढूंढ़ते हैं। हवा-पानी की स्वच्छ उपस्थिति को सुनिश्चित करना, ग्रीन हाउस उत्सजर्न को नियंत्रित रखना, पेड़-पौधे बनाए रखना, ये सब इन्हीं का तो काम है।

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मशीनरी, टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम, रेडियो, टीवी इत्यादि के डिजाइन, निर्माण व चलाने में इनकी भूमिका होती है। इनके बिना ऐसा नहीं हो पाएगा कि इस क्षेत्र में बेहतर से बेहतर उपकरण बनाए जाएं।

मरीन इंजीनियरिंग

समन्दर की सतह पर या फिर गहराइयों में उतरने के लिए जिन जहाजों, उपकरणों व अन्य मशीनरियों की जरूरत होती है, मरीन इंजीनियर इनसे जुड़ी हर बात पर खोज करते हैं, सुधार करते हैं और संसार को खारे पानी के साथ मीठा बर्ताव करना संभव बनाते हैं।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग

आज जितनी भी मशीनरियां हैं और जिनके बिना अब काम करना कठिन लगने लगता है, वे सब मैकेनिकल इंजीनियर्स की डिजाइन क्षमता, निर्माण, प्रचालन व रख-रखाव संबंधी कौशल की बदौलत हैं।

माइनिंग इंजीनियरिंग

जमीन के भीतर छिपे खनिजों को बाहर निकालने के लिए जो कुछ करना पड़ता है, वह इन इंजीनियर्स की ही देन है। जमीन के नीचे सुरंग बनाने से लेकर खनिजों को बाहर निकालने तक का काम इनके सहारे चलता है।

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

आज पेट्रोलियम उत्पादों की जरूरत इतनी बढ़ गई है कि उनके बिना विकास का पहिया रुकने का खतरा है। तेल भंडारों की खोज करना, तेल को निकालना, रिफाइनरी तक सुरक्षित पहुंचाना इस शाखा में आता है।

जाहिर है इंजीनियरिंग की इन व अन्य तमाम शाखाओं में करियर डिजाइन की संभावनाएं मौजूद हैं। जरूरत है तो इस बात की सही समय पर, सही तरीके से तैयारी कर इंजीनियरिंग की परीक्षा दी जाए और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाई जाए।

नौकरी के अवसर

इंजीनियर्स के लिए अवसरों की कमी नहीं है। वे केंद्र सरकार या राज्य सरकार की नौकरी कर सकते हैं, सार्वजनिक उपक्रमों में काम कर सकते हैं, रक्षा सेवा में जा सकते हैं, निजी संस्थानों में काम कर सकते हैं, पावर प्लांट्स, अस्पतालों या बैंकों में काम कर सकते हैं या फिर अपनी कंसल्टेंसी खोल सकते हैं। इंजानियरिंग एक ऐसा कौशल है, जिसे जितने बड़े फलक पर आजमाया जाएगा, उतना ही बेहतर परिणाम मिलेगा। उदाहरण के लिए मैकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजानियर्स के लिए अधिक अवसर हैं, बनिस्पत मरीन व सेरेमिक इंजीनियर्स के। सरकार भी अलग-अलग परीक्षाओं के माध्यम से सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन शाखाओं में इंजीनियर्स की भर्ती करती है।

वेतन

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद जितने अवसर मिलते हैं, वे अलग-अलग शाखाओं के हिसाब से वेतन या आमदनी का जरिया बनते हैं। सिविल इंजीनियरिंग से लेकर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग तक, मरीन इंजीनियरिंग से लेकर कंप्यूटर इंजीनियरिंग तक, सबकी अपनी मांग है और 10,000 रुपये प्रति माह से लेकर 30,000 रुपये प्रति माह की तनख्वाह मिल सकती है। अन्य क्षेत्रों की भांति इसमें भी अनुभव के साथ-साथ आमदनी बढ़ती जाती है। अपनी कंसलटेंसी का तो कोई वेतन जैसा गणित नहीं है, लेकिन काम जम जाने के बाद मामला लाखों-करोड़ों तक जा सकता है।

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें और मुश्किलें

करण कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए, जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाते है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दे पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए, आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है।

निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल

की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत लीं। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच गठबंधन नहीं पाया है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है।

महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया गठबंधन को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दे से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं?

विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अडाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपनी खोयी राजनीतिक जमीन को पाने के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक है। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखें। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो जाता है। ऐसी स्थितियों में क्या इंडिया गठबंधन के भविष्य पर धुंधलके छाने लगे है। क्या वह अंतिम सांसें गिन रहा है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा एवं अलग-थलग होता हुआ दिख रहा है।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी. आर्थिक तौर पर सिर्फ और सिर्फ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा. मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें. आपका यह छोटा-सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा. कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान-फरामोशी इसे तार-तार कर देती है. हर रोज प्रेम में पड़ने की अपनी आदत को बदलिए.

वृषभ राशि :- अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे. बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए. आपकी दिलचस्प रचनात्मकता आज घर के वातावरण को सुखद बनाएगी. अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज्यादा बातें न करें. अपनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल पेशेवर मामलों को सहजता से सुलझाने में करें.

मिथुन राशि :- अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफर पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए अभी आप कमजोर हैं और उनसे आपकी कमजोरी और बढ़ेगी. ऐसा लगता है आप जानते हैं कि लोग आपसे क्या चाहते हैं- लेकिन आज अपने खर्चों को बहुत ज्यादा बढ़ाने से बचें. प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौका साबित होंगी. आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है. आज आपका दुःख बर्फ की तरह पिघल जाएगा.

कर्क राशि :- मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है. वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें. घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें. प्रेम निःसीम होता है, सभी सीमाओं के परे; आपने ये बातें पहले भी सुनी होंगी. लेकिन आज वह दिन है जब आप अगर चाहें तो यह खुद महसूस कर सकते हैं.

सिंह राशि :- आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा. आपको अपने अटके कामों को पूरा करने में इसका इस्तेमाल करना चाहिए. इस राशि के कारोबारियों को आज अपने घर के उन सदस्यों से दूर रहना चाहिए जो आपसे पैसा मांगते हैं और फिर लौटाते नहीं हैं. उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका खयाल रखते हैं. आज अपने खूबसूरत कामों को दिखाने के लिए आपका प्रेम पूरी तरह खिलेगा. आज फायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ.

कन्या राशि :- खुद को किसी रचनात्मक काम में लगाएँ. मानसिक शांति के लिए आपकी खाली बैठने की आदत खतरनाक साबित हो सकती है. धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है. वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है. आज आप महसूस करेंगे कि प्यार दुनिया में हर मर्ज़ की दवा है. अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह जरूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें.

तुला राशि :- धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे. धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है. घर पर कोशिश करें कि कोई आपकी वजह से आहत न हो और परिवार की जरूरतों के मुताबिक खुद को ढालें. रोमांस के लिए बढ़ाए गए कदम असर नहीं दिखाएंगे. यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है. यात्रा करना फायदेमंद लेकिन महंगा साबित होगा.

वृश्चिक राशि :- चोट से बचने के लिए सावधानी से बैठें. साथ ही सही तरीके से कमर सीधी करके बैठना न केवल व्यक्तित्वमें सुधार लाता है, बल्कि सेहत और आत्म-विश्वास के स्तर को भी ऊपर ले जाता है. जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है. जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें. यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ.

धनु राशि :- क्षणिक आवेग में बहकर कोई निर्णय न करें. यह आपके बच्चों के हितों को हानि पहुँचा सकता है. दीर्घावधि मुनाफे के नजरिए से स्टॉक और म्यूचुअल फंड में निवेश करना फायदेमंद रहेगा. बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीजें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए. ताजा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताजगी बनाए रखें. ऐसा लगता है कि कुछ समय के लिए आप नितांत एकाकी है.

मकर राशि :- सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं. आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. ऐसे दोस्तों के साथ बाहर जाएँ, जो सकारात्मक और मददगार स्वभाव के हैं. मुहब्बत के मोर्चे पर आज आपकी तूती बोलेगी, क्योंकि आपका महबूब आपकी रसिक कल्पनाओं को अमली जामा पहनाने के लिए तैयार है. यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है.

कुम्भ राशि :- लाभ लेने के लिए बड़ों को अपनी अतिरिक्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करना चाहिए. बैंक से जुड़े लेन-देन में काफी सावधानी बरतने की जरूरत है. बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है. अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज्यादा बातें न करें. कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी. आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए. अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे.

मीन राशि :- बचपन की यादें आपके मन पर छायी रहेंगी. लेकिन इस काम में आप खुद को मानसिक तनाव दे सकते हैं. आपके तनाव और परेशानी की एक बड़ी वजह बचपन की मासूमियत को जीने की चाह है, इसलिए खुलकर जिएँ. जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है. मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें. आपका यह छोटा-सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा.

नियंत्रण की सत्ता

सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बाद इमरान खान और उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ को कई स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लाहौर हाई कोर्ट से फिलहाल गिरफ्तारी से राहत भले मिल गई हो, लेकिन वहां के राजनीतिक हलके में जिस तरह दांवपेच का खेल चल रहा है, उसमें सत्ता कब कौन-सा रुख अख्तियार करेगी, कहना मुश्किल है। गौरतलब है कि सत्ता से बाहर होने के बाद से इमरान खान ने मौजूदा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है और इस क्रम में अलग-अलग मंचों से सवाल उठाते हुए धरना-प्रदर्शनों के जरिए चुनौती पेश की है। इसी दौरान एक बार उन पर जानलेवा हमला भी हुआ। दूसरी ओर, सरकार की ओर से वे तमाम हथकंडे अपनाए जा रहे हैं, जिसके जरिए इमरान खान को बाधित किया जा सके। इस बीच सरकार का जैसा रवैया सामने आ रहा है, उसमें ऐसे आरोप लगाए जाने लगे हैं कि पाकिस्तान में सेना का हाथ जिस पार्टी के सिर पर होता है, वहां की सरकार उसी मुताबिक काम करती है। यही वजह है कि सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बाद इमरान खान और उनकी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ को कई स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

दरअसल, पाकिस्तान में चुनाव कार्यालयों के बाहर हुए प्रदर्शनों के हिंसक रूप अख्तियार कर लेने के मामले में इमरान खान की गिरफ्तारी लगभग तय मानी जा रही थी। मगर उन्हें राहत इस बात से मिली कि लाहौर हाईकोर्ट ने उनकी याचिका को स्वीकार कर लिया और फिलहाल उन्हें सुरक्षात्मक जमानत दे दी है। हालांकि तोशखाना मामले से संबंधित शिकायत अदालत में कैसा मोड़ लेगी, कहा नहीं जा सकता। सही है कि इमरान खान के सरकार में रहते हुए भी पाकिस्तान की आर्थिक हालत कोई बेहतर स्थिति में नहीं थी। मगर उनके सत्ता छोड़ने के बाद महंगाई समेत तमाम आर्थिक मोर्चों पर जो दुर्दशा देखी जा रही है, उससे वहां आम लोगों को बेहद मुश्किल हालात का सामना करना पड़ रहा है। एक तरह से इमरान खान के लिए यह अनुकूल मौका है कि वे सरकार को कठघरे में खड़ा करें और प्रतिरोध को अवाम के बीच ले जाएं। उन्हें और उनकी पार्टी को इस मामले में काफी हद तक कामयाबी मिली भी है। पाकिस्तान सरकार के लिए यही चिंता की बात है। मगर इसके समांतर पाकिस्तान का एक सच यह भी है कि वहां सरकार बनाने से लेकर गिराने तक में सेना का दखल रहता है। इस बार भी इमरान खान की सरकार गिरने और मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में सरकार बनने में पाकिस्तानी फौज की भूमिका अहम मानी जा रही है। दरअसल, पाकिस्तान में जिस पार्टी को सेना का वरदहस्त प्राप्त होता है, सत्ता उसके अनुकूल ही काम करती है। पिछले साल इमरान खान की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के वक्त भी बदहाल अर्थव्यवस्था और लगातार बिगड़ते हालात को देखते हुए सेना ने पाकिस्तान में मिली-जुली सरकार बनाने की कोशिश की थी। मगर इमरान खान इसके लिए तैयार नहीं हुए। इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि करीब एक महीने पहले इमरान खान ने खुलेआम पाकिस्तान की सत्ता में सेना के दखल का जिक्र किया और अपनी सरकार गिराने में पूर्व सैन्य प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की भूमिका की जांच कराने की मांग की थी।

राहुल गांधी लड़ते क्यों नहीं हैं ?

यह बात कुछ हद तक सही भी है। राहुल गांधी चाहकर भी अपने करीबी युवा नेता सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। सर्वे रिपोर्ट के बावजूद राजस्थान विधानसभा चुनाव के समय अशोक गहलोत के करीबियों का टिकट नहीं काट पाए। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों द्वारा बनाया गया इंडिया गठबंधन अब बिखरता हुआ नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी की पार्टी भाजपा का रथ 240 पर रोकने से उत्साहित विपक्षी दल के नेता ही नहीं बल्कि उनके नेता और कार्यकताओं तक को लगने लगा था कि यह सरकार अब पहले की तरह अड़ कर काम नहीं पाएगी। लेकिन हर गुजरते महीने के साथ ही विपक्षी नेताओं का यह भ्रम टूटता हुआ सा नजर आने लगा है। लोकसभा चुनाव में अपनी पार्टी कांग्रेस को 99 सीटों पर जीत दिलाकर राहुल गांधी ने अपने नेतृत्व को जिस अंदाज में स्थापित करने की शुरूआत की थी, वह विश्वास भी अब दरकता हुआ नजर आ रहा है। राहुल गांधी और कांग्रेस के नेतृत्व को अप्रत्यक्ष तरीके से स्वीकार कर लेने वाले अखिलेश यादव, ममता बनर्जी, शरद पवार, उद्धव ठाकरे और तेजस्वी यादव जैसे नेताओं के विचार भी अब बदलते हुए नजर आने लगे हैं।

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर जो स्वीकार्यता बढ़ती हुई नजर आने लगी थी, उसे हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों ने पूरी तरह से चकनाचूर कर दिया है। झारखंड में विपक्षी इंडिया गठबंधन को फिर से सरकार बनाने में कामयाबी तो मिल गई है लेकिन इसका पूरा श्रेय जेएमएम नेता और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जा रहा है। लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी गठबंधन को मिली हार का ठीकरा एक तरह से राहुल गांधी पर ही फोड़ा जा रहा है जबकि इस गठबंधन में महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता माने जाने वाले शरद पवार और बालासाहेब ठाकरे की विरासत पर दावा करने वाले उद्धव ठाकरे भी शामिल हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के सहयोगी जो बातें दबी जुबान में कह रहे थे, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद वही बातें खुल कर कहने लगे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी ने खुल कर इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की अपनी इच्छा जाहिर कर दी है। इससे पहले उन्ही की पार्टी के सांसद कल्याण बनर्जी राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए यह कह चुके हैं कि कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है, कांग्रेस ने अपने परफॉर्मेंस से इंडिया गठबंधन को निराश कर दिया है।

कल्याण बनर्जी तो यहां तक बोल गए कि कांग्रेस को अपना अहंकार त्याग कर ममता बनर्जी को अपना नेता मान लेना चाहिए। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भी कई बार इशारों-

इशारों में और कई बार खुलकर कांग्रेस के रवैये पर सवाल उठा चुके हैं। उनके चाचा रामगोपाल यादव ने तो राहुल गांधी पर खुलकर हमला बोलते हुए यहां तक कह दिया कि वे इंडिया गठबंधन के नेता नहीं हैं। उद्धव ठाकरे, पहले से ही राहुल गांधी से नाराज हैं कि अपने वादे के मुताबिक कांग्रेस नेता ने विधानसभा चुनाव के समय उन्हें महाविकास अघाड़ी की तरफ से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया।

दरअसल, इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दलों के नेताओं को अब अपने अस्तित्व का डर सताने लगा है। उनके मन में यह बात बैठती जा रही है कि राहुल गांधी लड़ नहीं पाते हैं। राहुल गांधी न तो पीएम नरेंद्र मोदी से लड़ पा रहे हैं और ना ही साये की तरह अपने साथ चलने वाले उन कांग्रेस नेताओं से लड़ पा रहे हैं जो उन्हें अनाप-शनाप सलाह देते रहते हैं। यह बात कुछ हद तक सही भी है। राहुल गांधी चाहकर भी अपने करीबी युवा नेता सचिन पायलट को राजस्थान का मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। सर्वे रिपोर्ट के बावजूद राजस्थान विधानसभा चुनाव के समय अशोक गहलोत के करीबियों का टिकट नहीं काट पाए। वादा करने के बावजूद छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल को हटाकर टीएस सिंहदेव को मुख्यमंत्री नहीं बना पाए। मध्य प्रदेश में कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी से अपने सबसे करीबी नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया को बचा नहीं पाए। राहुल गांधी अशोक गहलोत से लेकर भूपेंद्र सिंह हुड्डा तक किसी भी क्षेत्रीय क्षत्रप से अपनी बात मनवा नहीं पाते हैं।

जिस तरह से अड़ कर उन्होंने गांधी परिवार से अलग हटकर मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनवाया, उस तरह की जिद वह पार्टी के अन्य मामलों में कर नहीं पाते हैं। नतीजा यह है कि देश के कई राज्यों में आज सांगठनिक दृष्टि से कांग्रेस एक तरह से खत्म सी नजर आ रही है। उन्होंने जिन केसी वेणुगोपाल को राष्ट्रीय संगठन महासचिव बनाकर, संगठन बनाने की जिम्मेदारी दी है, वह जनाब संगठन बनाने से ज्यादा तवज्जों राहुल गांधी के साथ हमेशा घुमने को देते नजर आते हैं। सवाल यह खड़ा हो रहा है कि क्या राहुल गांधी इन बातों को समझ नहीं पा रहे हैं और अगर समझ रहे हैं तो फिर लड़ क्यों नहीं पा रहे हैं ?

बुजुर्गों का दुख, हर समाज में अपनों के हाथों उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं उम्रदराज लोग

कई बार देखभाल और संवेदना के अभाव से उपजी निराशा और पीड़ा बुजुर्गों को असमय ही कई मनोवैज्ञानिक समस्याओं के दुश्चक्र में डाल देती है। आमतौर पर लगभग सभी समाजों में बुजुर्गों के जीवन को आसान बनाने और उनका खयाल रखने के लिए सरकारों को विशेष योजनाएं बनानी पड़ती हैं, परिवारों में अलग से उपाय किए जाते हैं। लेकिन यह भी सच है कि वृद्धावस्था में पहुंचे बहुत सारे लोगों को कई बार अपनों के हाथों भी उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है। ऐसे में उस स्थिति का अंदाजा ही लगाया जा सकता है, जिसमें बहुस्तरीय मुश्किलों से जूझते बुजुर्ग स्मृतिलोप या मतिभ्रम का भी शिकार हो जाएं। सामान्य वृद्धावस्था को भी बोझ की तरह देखने वाले परिवार इस समस्या से घिर जाने वाले अपने ही बुजुर्ग सदस्य के प्रति अक्सर पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं बरत पाते। जबकि परिवार या व्यक्ति का सकारात्मक और संवेदनशील रवैया स्मृतिलोप की मुश्किल से घिरे किसी वृद्ध व्यक्ति के भीतर जीवन का संचार कर दे सकता है। मगर व्यवहार के स्तर पर संवेदनशीलता या फिर प्रशिक्षण के अभाव की व्यापक सामाजिक समस्या की वजह से बुजुर्गों का जीवन अपने आखिरी दौर में और ज्यादा मुश्किल हो जाता है। गौरतलब है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान सहित दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की ओर से किए गए एक शोध में यह बताया गया है कि आने वाले वक्त में भारत में साठ साल या उससे ज्यादा के एक करोड़ से भी अधिक लोगों के डिमेंशिया यानी स्मृतिलोप की चपेट में आने की आशंका है। जर्मन नेचर पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी कलेक्शन में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक सन 2050 तक भारत की कुल आबादी में साठ साल से ज्यादा उम्र वालों की तादाद करीब उन्नीस फीसद होगी।

अगर एक करोड़ से ज्यादा बुजुर्ग स्मृतिलोप जैसी समस्या के शिकार हो जाएं, तो व्यापक पैमाने पर उनका सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन किस तरह की त्रासदी का शिकार होगा, इसका सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है। हालांकि भारत में पहली बार हुए इस तरह के अध्ययन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का का इस्तेमाल किया गया। यों आधुनिक तकनीकी की क्षमता में लगातार बढ़ोतरी के दौर में कृत्रिम मेधा या बुद्धिमत्ता के आकलन को विश्वसनीय माना जाता है, मगर यह स्पष्ट होना अभी बाकी है कि क्या इसके जरिए मनुष्य के विवेक और बौद्धिकता के मुकाबले ज्यादा विश्लेषणपरक नतीजे हासिल किए जा सकते हैं! दरअसल, स्मृतिलोप से ग्रस्त बुजुर्गों के भीतर किसी चीज या बात के बारे में भूलने की समस्या पैदा हो जाती है। इससे गंभीर रूप से परेशान वृद्ध के लिए सामने खड़े व्यक्ति को पहचान पाना भी मुश्किल हो जाता है। लेकिन जिन परिवारों में बुजुर्गों के प्रति पर्याप्त सम्मान, प्यार और संवेदनशीलता बरत पाने वाले लोग होते हैं, उनमें ज्यादा उम्र की अशक्तता के बावजूद किसी वृद्ध व्यक्ति की शारीरिक और मानसिक सेहत बेहतर रहती है। कई बार देखभाल और संवेदना के अभाव से उपजी निराशा और पीड़ा बुजुर्गों को असमय ही कई मनोवैज्ञानिक समस्याओं के दुश्चक्र में डाल देती है। फिर यह पारंपरिक धारणा भी समस्या बनती है कि बढ़ती उम्र के साथ व्यक्ति को ज्यादा आराम करना चाहिए। निश्चित रूप से शरीर की सीमा और क्षमता का ध्यान रखना एक अनिवार्य पहलू है। लेकिन सच यह है कि समस्या के स्रोतों की पहचान, बेहतर खानपान के साथ-साथ शरीर और मन-मस्तिष्क की सक्रियता या व्यायाम आदि के सहारे स्वस्थ रहना संभव है और यह बढ़ती उम्र के लोगों के भी उतना ही जरूरी है।

अब लालू बोले- विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व ममता करें

कांग्रेस के कहने से कुछ नहीं होगा; कांग्रेस का जवाब- महत्वाकांक्षाओं को कंट्रोल में रखिए

पटना। इंडी गठबंधन में नेतृत्व को लेकर विवाद छिड़ा है। अब RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने ममता बनर्जी का साथ दिया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा- 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता चुना जाना चाहिए। कांग्रेस के विरोध का कोई मतलब नहीं है। ममता को ही नेता बनाया जाना चाहिए।' इससे पहले उनके बेटे और नेता प्रतिपक्ष भी ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सहमति जता चुके हैं। इधर, बिहार कांग्रेस ने लालू यादव के बयान पर आपत्ति जताई है। प्रदेश प्रभारी शाहनवाज आलम ने कहा कि 'कांग्रेस पार्टी एक अखिल भारतीय पार्टी है। जो लोग इस तरह का दावा कर रहे हैं कि बिहार, यूपी, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वजूद नहीं है, वह पूरी तरह से बेतूका है। देश में इतने राज्य है, अगर आप सिर्फ एक राज्य में मजबूत हैं तो उसके आधार पर आप दूसरे दल पर सवाल खड़ा नहीं सकते हैं। हर किसी की महत्वाकांक्षा होती है, लेकिन उसे कंट्रोल में रखना चाहिए।' वहीं ममता बनर्जी को इंडी गठबंधन का नेतृत्व देने को लेकर डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने कहा है कि 'भ्रष्टाचारियों की जमात का चेहरा बदल ले तो कोई अंतर नहीं पड़ता। देश को खोखला और बर्बाद करने वाला यह परिवारवादी, वंशवादी, भ्रष्टाचारी कभी राष्ट्र के हित नहीं कर सकता।' बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने इंडिया गठबंधन में नेतृत्व को लेकर हो रही बयानबाजी पर दिलीप जायसवाल ने कहा है 'इन लोगों में बहुत दिन से खिचड़ी पक रही थी। राहुल गांधी के नेतृत्व को इन लोगों ने नकार दिया है। इन्हें लग रहा है कि राहुल गांधी के साथ नाव पर बैठने से, डूबने से, अच्छा है कोई एक नया दल बनाओ, नया गुट बनाओ।' अब जानिए, ममता बनर्जी ने क्या कहा था पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हरियाणा-महाराष्ट्र और उपचुनावों में INDIA ब्लॉक के खराब प्रदर्शन को लेकर नाराजगी जताई थी। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैंने INDIA गठबंधन बनाया। इसका नेतृत्व करने वाले इसे ठीक से नहीं चला सकते, तो मुझे मौका दें। मैं बंगाल से ही गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए तैयार हूं।' इंडी गठबंधन एकजुट है- कांग्रेस प्रवक्ता कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पांडेय ने ममता को नेतृत्व देने पर कहा- 'हमारे गठबंधन में तमाम बातें आती रहती हैं। हमारे दल से जुड़े. लोगों की लोकतंत्र में आस्था है। नेतृत्व की बात होती है। ये बात बीजेपी में होकर दिखाए। ये संभव ही नहीं है। हमारी पार्टी पूरी तरीके से एकजुट हैं। हमारे घटक दल एकजुट हैं। नेतृत्व की कोई बात ही नहीं है। नेतृत्व तो राष्ट्रीय स्तर पर हो ही रहा है। हमारे नेता राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं। ममता बनर्जी ने जो बातें कही है, निश्चित तौर पर नेशनल लेवल पर चर्चा तो होगी ही।'

युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला प्रेम-प्रसंग में मर्डर की आशंका

पटना। के मसौढ़ी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने सोमवार देर रात एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना चारमोहानी के पास की है। प्रेम-प्रसंग में हत्या की आशंका जताई जा रही है। मर्डर का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें 3 अपराधी युवक को घेरकर चाकू मारते हुए दिखाई दे रहे है। मृतक की पहचान मसौढ़ी बाजार निवासी सन्नी कुमार(19) के तौर पर हुई है। सन्नी श्रृंगार की दुकान में काम करता था। दुकान से घर लौटते समय घात लगाकर अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया।मसौढ़ी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी नव वैभव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। हर एंगल से मामले की छानबीन की जा रही है। प्रेम-प्रसंग के एंगल से भी जांच की जा रही है।

शिक्षक नेता वंशीधर ब्रजवासी प्रथम वरीयता में आगे

मुजफ्फरपुर। तिरहुत स्नातक उपचुनाव में प्रथम वरीयता की मतों की सभी राउंड की गिनती पूरी हो गई है। जिसमें शिक्षक संग के निर्दलीय उम्मीदवार बंसीधर ब्रजवासी को 23003 मत प्राप्त हुए हैं। वहीं, दूसरे स्थान पर जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी विनायक गौतम को 12467 वोट मिला है। दूसरे वरीयता मतों की गिनती शुरू हो गई है। फिलहाल बंसीधर ब्रजवासी 10000 वोट से आगे हैं। जिससे उनके समर्थकों के बीच उत्साह देखने को मिल रहा है। कार्यकताओं ने कहा कि उनकी जीत अब निश्चित है। अन्य प्रमुख उम्मीदवार डॉ विनायक गौतम, गोपी किशन और अभिषेक झा को भी महत्वपूर्ण संख्या में मत प्राप्त हुआ है। तिरहुत स्नातक क्षेत्र के चार जिले के 28 विधानसभा और 197 बूथ पर मुजफ्फरपुर, वैशाली, शिवहर और सीतामढ़ी के मतदाताओं ने वोट किया है। 5 दिसंबर को इस सीट के लिए मतदान हुआ था। कुल 48.38 फीसदी वोटिंग हुई थी। काउंटिंग के लिए तिरहुत रेंज के चार जिले मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर जिले के पदाधिकारियों और कर्मियों को ड्यूटी में लगाया गया है। चारों जिलों में 1,54,828 वोटर हैं। जिसमें मुजफ्फरपुर 41.57%, सीतामढ़ी 49.45%, वैशाली 49.62% और शिवहर 55.55% वोटिंग हुई थी।बता दें कि 18 प्रत्याशियों ने तिरहुत स्नातक चुनाव के लिए नामांकन किया था। स्कूटनी से पहले एक प्रत्याशी का निधन हो गया था। जिसके बाद 17 प्रत्याशी मैदान में थे। बंशीधर ब्रजवासी की शुरूआती पढ़ाई लिखाई जिले के रक्सा गांव सरकारी विद्यालय से हुई। मैट्रिक की परीक्षा 1998 में बड़गांव के हाई स्कूल से की। पिता भी टीचर थे लंगत सिंह कॉलेज में साल 2000 में बायोलॉजी से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की। बिहार यूनिवर्सिटी से जूलॉजी के स्नातक की परीक्षा 2004 में पास कर 2005 में शिक्षामित्र में शिक्षक के पद पर बहाली हुई। वो शिक्षक संघ से यह जुड़ गए थे। लगभग उनका सफर अभी तक 20 साल से अधिक है। उनके पिता नन्द किशोर सहनी मध्य विद्यालय के बड़गांव के शिक्षक थे। उनकी मां ममता बती देवी हाउस वाइफ है। बंशीधर ब्रजवासी के खुद के परिवार में उनकी पत्नी टअ कर हाउस वाइफ है। बेटी मैट्रिक और बेटा सातवीं की पढ़ाई कर रहे हैं । 2005 से ही लगातार शिक्षक संघ से जुड़ने के बाद लगातार राजनीति में सक्रिय थे। कई बार उन्हें सरकार प्रदर्शन को लेकर नोटिस भी जारी किया था। जब वह 2024 में सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद कर रहे थे। इस दौरान केके पाठक ने उन्हें 2024 जुलाई को बर्खास्त कर दिया, जिसके बाद वह काफी चर्चा में आए और इस चर्चा की वजह से उन्होंने राजनीति में आने का ठान लिया।

गढ़ी माई में 2 दिनों में 60,000 पशुओं की बलि

मोतिहारी। नेपाल के सीमावर्ती बारा जिला मुख्यालय कलैया से करीब 11 किलोमीटर की दूरी पर गढ़ी माई का प्रसिद्ध शक्तिपीठ है। यहां हर 5 साल पर मेला लगता है, जो एक महीने चलता है। इस मेले में लाखों की संख्या में भक्त जुटते हैं और पशु बलि देने की प्रथा है। इस साल 8 दिसंबर से मेले की शुरूआत हुई। मेले के पहले और दूसरे दिन लाखों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने पशु बलि दी। पशु बलि की शुरूआत रविवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे हुई। बलि चढ़ाने से पहले विशेष पूजा की गई। वैदिक एवं तांत्रिक पूजा थारू समुदाय के पुरोहितों ने किया। इसके बाद 5 जानवरों की पंच बलि दी गई। पंचबली में जंगली चूहा, बोका, सूकर, मुर्गा और पाड़ा की बलि दी गई। सोमवार (9 दिसंबर) यानी मेले के यहां मंदिर के पुजारी, मेले के संयोजक, श्रद्धालुओं से बातचीत में पता चला कि गढ़ी माई मेले में नेपाल और भारत के अलावा चीन, दुबई, अमेरिका और अन्य देशों से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं।सोमवार को सिर्फ बकरे की बलि दी गई। दिनभर में करीब 50 हजार बकरे की बलि दी गई। इससे पहले रविवार को 10 हजार भैंसों की बलि दी गई थी। मेले में 2 दिनों में करीब 20 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। बकरा बलि के लिए मेला समिति की ओर से रसीद काटी जाती है। यहां हजारों की संख्या में पक्षियों को भी उड़ाया जाता है। पक्षियों की बलि नहीं दी जाती है। श्रद्धालु देवी गढ़ी माई के चरणों में अपनी मन्नत मांगने और पूरी होने पर बलि चढ़ाने के लिए पहुंचते हैं।धार्मिक मान्यता है कि पंचबली के बाद गढ़ी माई का बरियापुर में प्रवेश होता है। पंचबली के बाद पाड़ा की बलि देकर विधिवत मेले की शुरूआत होती है। मंदिर के मुख्य पुजारी मंगल चौधरी ने महागढ़ी माई नगरपालिका के ब्रह्म बाबा स्थान के समीप इस पूजा की शुरूआत की। भीड़ के बीच कई लड़कियां रास्ते से ही लापता हो गईं गढ़ी माई मेला में उमड़ी भीड़ के बीच दो दर्जन बच्चे गायब हो गए। कई लड़कियां तो रास्ते से ही लापता हो गईं। दरभंगा की भिमानी कुमारी(14) , बारागढ़ी की खातून (15), नरकटियागंज के आकाश कुमार (8), जोगबनी का शुभम कुमार (5) सहित लगभग दो दर्जन बच्चे और लड़कियां मेला में खो गईं। प्रशासन और परिजन इनकी खोजबीन में जुटे रहे। मुख्य पुजारी बोले- इस मेले से कोई गायब नहीं होता वहीं, नेपाल प्रशासन और गढ़ी माई मंदिर के मुख्य पुजारी ने इस बात से इनकार किया है। उनका कहना है कि 'इतनी भीड़ में बच्चे थोड़ी देर के लिए अपने परिजन से अलग जाते हैं। लेकिन, कंट्रोल रूम से अनाउंसमेंट कराए के बाद परिजनों को उनका बच्चा मिल जाता है। गायब बच्चे भी मिल गए थे।' पुजारी ने कहा कि 'कोई बच्चा अपने परिवार से अलग नहीं हुआ है। दो से दस घंटे के अंदर खोए हुए बच्चे अपने परिजन तक पहुंच जाते हैं। केवल बच्चे ही नहीं, बल्कि बुजुर्ग महिलाएं भी अपनों से बिछड़ जाते हैं।' गढ़ी माई मेला परिसर में दो दिनों तक ही बलि देने की प्रथा है। पहले दिन भैंसा की बलि दी जाती है। उसके बाद बकरे की बलि दी जाती है। परंपरा के अनुसार उत्तर प्रदेश के वाराणसी से आए राजा डोम के यहां से पहली बलि दी जाती है। उसी पशु बलि के बाद अन्य भक्तों की मन्नत के अनुसार बलि दी जाती है।

जिन भक्तों की मन्नत पूरी हो जाती है, वे भक्त पांच साल में एक बार लगने वाले मेले में आकर बलि देते हैं।

बारातियों से मारपीट; दूल्हे के कार को भी तोड़ा

नवादा। शहर के सोनार पट्टी मुहल्ले में सोमवार की देर रात बारातियों के साथ जमकर मारपीट की घटना हुई। इसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हमले में महिलाओं और युवतियों के साथ भी मारपीट और अभद्र व्यवहार किया गया। हमलावरों ने दूल्हे की गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। बताया जा रहा है कि बारात मिजार्पुर स्थित माहुरी धर्मशाला जा रही थी। जैसे ही बारात सोनार पट्टी मोहल्ले से गुजरी, 15-20 युवक अचानक लाठी-डंडे लेकर आ धमके और बारात में शामिल लोगों पर हमला कर दिया। महिलाओं और युवतियों को भी नहीं बख्शा गया। हमले के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार यादव के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभी घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया और मामले की जांच में जुट गए। बारात में शामिल लोगों ने हमलावरों में से कुछ को पहचान लिया है और उनकी जानकारी पुलिस को दी गई है। इस हमले के पीछे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। दोषियों को गिरफ्तार कर होगी कार्रवाई नगर थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि जल्द ही सभी दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जो जख्मी हुए उनका इलाज किया जा रहा है। बदमाशों के द्वारा एक गाड़ी की शीशा तोड़ दिया गया है।

संक्षिप्त डायरी

वाहन चेकिंग के दौरान 16KG गांजा के साथ 4 गिरफ्तार

वैशाली। के सराय थाना क्षेत्र में पुलिस ने टोल प्लाजा के पास 16 किलोग्राम गांजा के साथ दो महिलाओं समेत चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्कर नेपाल से गांजा लेकर पटना सप्लाई करने जा रहे थे। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि कार की तलाशी लेने के दौरान गांजा बरामद हुआ है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान पटना जिले के रहने वाले गोलू कुमार, जलेश्वर राय, खुशबू कुमारी और चंद्रमा देवी के रूप में हुई है। इनमें खुशबू कुमारी और चंद्रमा देवी मां-बेटी हैं, जो मिलकर गांजा तस्करी का काम करती थीं। पुलिस ने तस्करों से बरामद गांजा के साथ 2,000 रुपये नकद और तस्करी में उपयोग की जा रही कार को भी जब्त कर लिया है। वैशाली पुलिस अन्य तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।चारों तस्करों के खिलाफ सराय थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पूछताछ के बाद सभी को जेल भेजा जाएगा। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार तस्करों से मिली जानकारी के आधार पर गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।गुप्त सूचना पर कार्रवाई वैशाली एसपी हर किशोर राय ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और प्रखंड विकास पदाधिकारी भगवानपुर की टीम ने हाजीपुर-मुजफ्फरपुर रोड स्थित टोल प्लाजा पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इसी दौरान मुजफ्फरपुर की ओर से आ रही एक संदिग्ध कार ने वाहन चेकिंग देखकर भागने की कोशिश की। मौके पर पुलिस बल की तत्परता से कार को पकड़ लिया गया।

सड़क हादसे में एक महिला की मौत,दो जख्मी

भोजपुर। जिले के दो अलग क्षेत्रों में हुए सड़क हादसे में एक अज्ञात महिला की मौत हो गई। दो युवक बुरी तरह जख्मी हो गए। पहली घटना शहर के नवादा थाना क्षेत्र के ओवर ब्रिज पर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसे परिजनों ने इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया। युवक की पहचान पटना जिला के बिहटा थाना क्षेत्र के बभनलई गांव निवासी विकास कुमार (25) और उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बकरी गांव निवासी नेहाल कुमार (14) के रूप में हुई है। दोनों युवक रिश्ते में चचेरे भई लगते हैं। घटना को लेकर नेहाल कुमार बताया कि वो रविवार को फूफा के घर गया था। सोमवार को अपने फुफेरे भाई विकास कुमार के साथ वापस आर लौट रहा था। उसी दौरान ओवर ब्रिज पर बाइक का अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। । हादसे में नेहाल राज के बाएं पैर और विकास कुमार के सिर में काफी गंभीर चोट आई है।आरा सदर अस्पताल में सड़क हादसे में जख्मी अज्ञात 50 वर्षीय अधेड़ महिला की मौत हो गई। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। इसके बाद अस्पताल प्रशासन द्वारा इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी गई। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया। बता दें कि शुक्रवार की दोपहर नवादा थाना डायलॉग 112 नंबर पुलिस वाहन ने महिला को नवादा थाना क्षेत्र से जख्मी हालत में उन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया था। पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतक अज्ञात अधेड़ महिला की मौत अज्ञात वाहन से धक्का लगने और गंभीर रूप से जख्मी होने के कारण इलाज के क्रम में मौत होना प्रतीत होता है।

मामा-भांजे पर अपराधियों की फायरिंग, मामा की मौत

जहानाबाद। के घोसी थाना क्षेत्र के आजाद नगर में सोमवार की रात अपराधियों ने मामा-भांजे पर गोलियां बरसाईं, जिसमें मामा की मौके पर ही मौत हो गई और भांजा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के पीछे जानवरों की चोरी के प्रयास का मामला बताया जा रहा है। मृतक की पहचान जाठु मांझी (40) के रूप में हुई है। वहीं घायल की पहचान बाबू चंद्र मांझी के रूप में हुई है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि सोमवार की रात लगभग 7 चोर जानवर चोरी करने के उद्देश्य से आजाद नगर गांव पहुंचे। वहीं जब मामा-भांजे ने जब चोरों की हरकतें देखीं और शोर मचाया, जिसपर अपराधियों ने उनपर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस गोलीबारी में जाठु मांझी के सिर में गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

नालंदा में हथियार के साथ एक अपराधी गिरफ्तार

नालंदा। के खुदागंज थाना पुलिस ने स्थानीय क्षेत्र में आतंक फैला रहे एक संदिग्ध अपराधी को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक 315 बोर का लोडेड देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस समेत एक क्षतिग्रस्त मोबाइल बरामद किया है। पकड़े गए अपराधी की पहचान अजीत कुमार के रूप में हुई है। डीएसपी हिलसा-2 गोपाल कृष्ण ने बताया कि शाम में खुदागंज थाने को सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति इस्लामपुर रोड पर घूम रहा है। सफेद कमीज पहने और काली अपाची मोटरसाइकिल पर सवार यह व्यक्ति स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना रहा था। पुलिस ने तत्काल एक समन्वित कार्रवाई योजना बनाई। गश्ती दल और डायल-112 के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति का पीछा किया। जल्द ही पता चला कि यह व्यक्ति कृष्णबल्लभ कुमार के घर के पास पहुंच कर जान से मारने की धमकी दे रहा था। गिरफ्तारी के बाद ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में इस बात की पुष्टि हुई की अभियुक्त शराब के नशे में था। खुदागंज थाना प्रभारी जयप्रकाश नारायण ने बताया कि अजीत कुमार का पहले से ही अपराधिक इतिहास रहा है।

दूसरी शादी के बीच पहुंची पहली पत्नी, जमकर हंगामा

झारखंड की लड़की से पहले किया था लव मैरेज, बात छिपाकर कर रहा था दूसरा विवाह

> मनोज पंडित पहले भी कई लड़कियों को शादी का झांसा देकर रखता था। लेकिन मुझसे शादी करने बाद भरोसा दिलाया था कि मेरे साथ रहना चाहता है, जिसके बाद मैं उसके झांसे में आ गई।
>
> **सेखा देवी,** पहली पत्नी।

भागलपुर। में दूसरी शादी कर रहे युवक की शादी के बीच पहली पत्नी ने पहुंचकर जमकर हंगामा किया। मामला को लेकर बताया गया कि पहली पत्नी को बिना तालक दिए युवक दूसरी शादी कर रहा था। जिसकी जानकारी मिलने के बाद पत्नी ने लड़की के घर पहुंचकर पूरे मामले की जानकारी देते हुए अपनी शादी की फोटो दिखाई। जानकारी के अनुसार, लड़के के परिजन पहली शादी की बात छुपाकर रसलपुर थाना क्षेत्र के एकचारी पश्चिम टोला गांव की एक लड़की दूसरी शादी कर रहे थे। शादी 10 दिसंबर को होनी थी। जिसको लेकर लड़की के परिवार वाले और रिश्तेदारों ने बारात के स्वागत की पूरी तैयारी कर ली थी। वैवाहिक कार्यक्रम शुरू हो गया था और लड़की को हल्दी मेंहदी लगाई जा रही थी। इसी बीच युवक मनोज की पहली पत्नी सेखा देवी आकर हंगामा करने लगी। जिसकी जानकारी मिलने के बाद मनोज की दूसरी शादी टूट गई। पूरा मामला भागलपुर के पीरपैंती बाराहाट के हरदेवचक का है। युवक की पहली पत्नी ने बताया कि मनोज पंडित ने पहले झारखंड के मेहरमा की रहने वाली सेखा देवी से साल 22 जुलाई 2024 को सावन के महीने में प्रेम विवाह किया था। दोनों की मुलाकात साल 2019 में हुई थी। शादी के बाद युवक अपनी पत्नी को घर से दूर नसरत खाने स्थित एक निजी मकान में किराए पर रखता था। घर ले जाने के नाम पर कहता था कि मैं तुम्हारे साथ हूं। घर जाने की क्या जरूरत है। वो अकेले घर आता था और एक सप्ताह रुक कर जाता था। सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन पिछले महीने 18 तारीख को जब घर गया उसके बाद वो वापस नहीं लौटा। मैं शक के आधार पर खोजबीन करना शुरू की तो पता चला कि 10 दिसंबर को उसकी शादी होने वाली है। मेरा पति मनोज अपने उसके पिता बासुकी पंडित ने परिवार वालों के साथ मिलकर बिना तालाक के दूसरी शादी रचा रहे थे। जिसके बाद मैं यहां पहुंचकर पूरी जानकारी लड़की वालों को दी। महिला ने बताया कि युवक से शादी करने से पहले उसकी शादी बचपन में ही साल 2004 के आसपास हुई थी। पहला पति से महिला को तीन बच्चे हुए। जिसमें दो लड़का एक लड़की शामिल है। जिसके बाद उसकी मुलाकात मनोज पंडित से हुई। दोनों ने आपसी सहमति से घर से भागकर मंदिर में शादी की। इस घटना के बाद पहले पति ने थाना में अपहरण का केस दर्ज करवाया था। केस दर्ज होने के बाद मनोज मेरा पैर पकड़कर रोने लगा। कहा कि मेरा घर परिवार और हम बर्बाद हो जाएंगे। इसलिए थाना में बोल दो कि मैं अपनी मर्जी से घर से आई हूं। जिसके बाद महिला पति मनोज के झांसे में आकर थाना में जाकर बयान दी थी।

एयर इंडिया ने एयरबस को दिया 100 विमानों का ऑर्डर

फरवरी 2023 में एयर इंडिया ने दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा विमान ऑर्डर दिया था

नई दिल्ली ।

समूह द्वारा संचालित एयर इंडिया समूह ने यूरोप की विमान विनिर्माता कंपनी एयरबस को 100 विमानों का ऑर्डर दे दिया है। इसमें 90 नैरोबॉडी ए320 परिवार के विमान और 10 वाइडबॉडी ए350 विमान शामिल हैं। यह ऑर्डर पिछले साल समूह द्वारा दिए गए 470 विमानों के ऑर्डर के अलावा है। फरवरी 2023 में एयर इंडिया ने दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा विमान ऑर्डर दिया था। इसके तहत 250 विमानों का ऑर्डर एयरबस को और 220 का ऑर्डर बोइंग को दिया गया था। उस समय विमानन कंपनी के मुख्य वाणिज्यिक और परिवर्तन अधिकारी (सीसीटीओ) निपुण अग्रवाल ने खुलासा किया था कि विमानन कंपनी ने ऑर्डर का विस्तार करने का विकल्प सुरक्षित रखा हुआ है और इसमें 370 अतिरिक्त विमान शामिल किए जा सकते हैं। इससे कुल संभावित ऑर्डर 840 विमानों तक पहुंच गए जिनमें से 470 विमानों का पक्का ऑर्डर और विकल्प में रूप में 370 विमान शामिल हैं। विमानन कंपनी ने अब अपने एयरबस के कुछ विकल्पों का उपयोग किया है। टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत में यात्रियों की संख्या में वृद्धि बाकी दुनिया में आगे होने से इसके बुनियादी ढांचे में खासा सुधार हो रहा है और महत्त्वाकांक्षी युवा आबादी तेजी से वैश्विक स्तर पर जा रही है। इसलिए एयर इंडिया के मामले में हमें भविष्य के इसके बेड़े को पिछले साल दिए गए 470 विमानों के पक्के ऑर्डर से आगे बढ़ाने की स्पष्ट स्थिति दिख रही हैं। एयर इंडिया समूह ने बयान में कहा कि 100 अतिरिक्त विमानों के ऑर्डर के साथ एयर इंडिया को एयरबस से कुल 344 नए विमान मिलने हैं। इनमें से उसे अब तक छह ए350 विमान मिल गए हैं। एयर इंडिया ने साल 2023 में बोइंग को 220 वाइडबॉडी और नैरोबॉडी वाले विमानों का भी ऑर्डर दिया था जिसमें से 185 विमान मिलने बाकी हैं।' पूर्ण-सेवा वाली विमानन कंपनी एयर इंडिया और उसकी किफायती विमानन क्षेत्र की सहायक कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास वर्तमान में क्रमशः लगभग 210 और 90 विमानों का बेड़ा है।

दिल्ली में 17 से 22 जनवरी तक सजेगा भारत मोबिलिटी एक्सपो का बाजार

दुनिया की दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनियां नए वाहन पेश करेंगी

मुंबई ।

दिल्ली फिर दुनिया भर के वाहन निर्माताओं और ऑटोमोबाइल प्रेमियों का केंद्र बनने वाली है। अगले साल जनवरी में भारत मोबिलिटी एक्सपो 2025 ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक बड़ा मंच होगा। यह आयोजन 17 से शुरू होकर 22 जनवरी तक चलेगा और नई तकनीकों व आधुनिक वाहनों को पेश किया जाएगा। खासतौर पर इस बार टाटा, मारुति और होंडा के नए इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। दिल्ली में हर साल होने वाले इस ऑटो शो को पहले ऑटो एक्सपो के नाम से जाना जाता था, लेकिन अब भारत मोबिलिटी एक्सपो के रूप में पहचान दी गई है।

आयोजन का स्थान भारत मंडपम होगा, जहां पिछले साल भी इसका आयोजन हुआ था। यह इस एक्सपो का दूसरा संस्करण है। छह दिवसीय इस मेगा इवेंट में दुनिया भर की बड़ी वाहन निर्माता कंपनियां और ऑटो कंपोनेंट्स निर्माता अपनी नई पेशकशों का प्रदर्शन करेंगी। हालांकि, आम जनता के लिए एक्सपो के दरवाजे चार दिनों के लिए खुलने है। जिससे वे इस मोटर शो का भरपूर आनंद ले सकें। 2025 भारत मोबिलिटी एक्सपो में फोर व्हीलर और टू व्हीलर के क्षेत्र में कई दिग्गज ब्रांड्स अपनी भागीदारी निभाएंगे। इसमें बीएमडब्ल्यू, बीवाईडी, हुंडई, इसुजु, किआ, लेक्सस, महिंद्रा, मारुति सुजुकी, मर्सिडीज-बेंज, मॉरिस गैरेज, पोर्श, स्कोडा, टाटा मोटर्स, टोयोटा, विनफास्ट और फॉक्सवैगन जैसे ब्रांड्स शामिल है। इन कंपनियों के नए और आधुनिक मॉडल्स, खासतौर पर ईवी की पेशकश, एक्सपो की खास आकर्षण होगी।

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते क्रेज के बीच यह एक्सपो ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए नई संभावनाओं को उजागर करेगा। जहां भारतीय ब्रांड्स जैसे टाटा, मारुति और महिंद्रा अपने इलेक्ट्रिक इनोवेशन के साथ सुर्खियां बटोरने की तैयारी में हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स भी अपने लेटेस्ट मॉडल्स और तकनीकी प्रगति का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

हजारों सालों तक ऊर्जा प्रदान करने वाली डायमंड बैटरी का आविष्कार

ब्रिस्टल ।

यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल और यूके एटॉमिक एनर्जी अथॉरिटी के शोधकर्ताओं ने मिलकर हजारों सालों तक ऊर्जा प्रदान करने वाली डायमंड बैटरी का आविष्कार करने का दावा किया है। इस बैटरी का निर्माण किया है, जिसमें मुख्य रूप से कार्बन-14 का उपयोग किया गया है। यह एक रेडियोधर्मी तत्व है, जो लगातार विकिरण उत्पन्न करता है, और इसे हीरे की एक मजबूत केसिंग में सुरक्षित रूप से रखा जाता है। कार्बन-14 की रेडियोधर्मी विकिरण का उपयोग ऊर्जा पैदा करने के लिए किया जाता है, और हीरे की केसिंग इसे सुरक्षित तरीके से कंटेन करती है। यह बैटरी सौर पैनल की तरह काम करती है, लेकिन इसमें अंतर यह है कि जहां सौर पैनल सूर्य की रोशनी का उपयोग करते हैं, वहां यह बैटरी रेडियोधर्मी विकिरण से ऊर्जा उत्पन्न करती है। इस बैटरी की खासियत यह है कि इसमें कोई रिसाव नहीं होता, क्योंकि विकिरण पूरी तरह से हीरे की केसिंग में समाहित होता है। यह डायमंड बैटरी हजारों वर्षों तक काम करने की क्षमता रखती है, क्योंकि कार्बन-14 की हाफ-लाइफ 5700 साल है। इसका मतलब है कि बैटरी की आधी शक्ति हजारों सालों तक बनी रहेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका उपयोग स्वास्थ्य सेवाओं, अंतरिक्ष मिशनों और परमाणु कचरे के ऊर्जा उत्पादन में किया जा सकता है।

खासतौर पर, हेल्थकेयर उपकरण जैसे पेसमेकर और हियरिंग एड के लिए यह बैटरी बेहद उपयोगी साबित हो सकती है, क्योंकि इन उपकरणों को लगातार ऊर्जा की आवश्यकता होती है और बैटरी बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अंतरिक्ष मिशनों में भी इस बैटरी का महत्व हो सकता है, जहां लंबी अवधि तक ऊर्जा की जरूरत होती है। नासा जैसे संगठनों को इस तकनीक से काफी लाभ हो सकता है। डायमंड बैटरी एक सुरक्षित और टिकाऊ ऊर्जा स्रोत प्रदान करती है, जो भविष्य के लिए एक स्थायी समाधान साबित हो सकती है। बता दें कि यह बैटरी एक क्रांतिकारी कदम है, जो न केवल ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करेगी, बल्कि पर्यावरण के लिए भी सुरक्षित होगी।

महिंद्रा की एसयूवी और कमर्शियल वाहनों की बढेगी कीमतें

नईदिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा अपनी एसयूवी और कमर्शियल वाहनों की कीमतों को बढ़ाने का ऐलान किया गया। वाहनों की कीमतों में यह बढ़ोतरी जनवरी 2025 से लागू होगी। अपने बयान में महिंद्रा कंपनी ने कहा कि महंगाई और कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी होने के कारण महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी सभी एसयूवी और कमर्शियल वाहनों की कीमतें 3 प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसला किया है। महिंद्रा ने कहा कि उसने इन अतिरिक्त लागतों को यथासंभव वहन करने का प्रयास किया है। हालांकि, बड़ी हुई लागत का एक हिस्सा ग्राहकों को पास करने की आवश्यकता थी। इससे पहले गुरुवार को हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अपने सभी मॉडल्स के दाम में 25,000 रुपये तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया गया। नई कीमतें 1 जनवरी से लागू होंगी। कीमतों में बढ़ोतरी की वजह इनपुट लागत का बढ़ना है। एचएमआईएल द्वारा जारी बयान में कहा गया कि कीमतों में बढ़ोतरी सभी मॉडल्स पर की जाएगी और अधिकतम 25,000 रुपये तक बढ़ाए जाएंगे। इनपुट लागत में वृद्धि, प्रतिकूल विनिमय दर और लॉजिस्टिक्स लागत में वृद्धि के कारण मूल्य वृद्धि आवश्यक हो गई है। नवंबर में महिंद्रा एंड महिंद्रा की कुल बिक्री 79,083 यूनिट्स की रही। यूटिलिटी व्हीकल्स सेगमेंट में महिंद्रा ने घरेलू बाजार में 46,222 वाहन बेचे। इसमें 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पिछले हफ्ते, ऑटोमेकर ने दो बिल्कुल नए मॉडल पेश करके देश में अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार किया। बीई 6ई और एक्सईवी 9ई के एंट्री-लेवल वेरिएंट की कीमत क्रमशः 18.9 लाख रुपये और 21.9 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। कंपनी ने कहा कि बीई 6ई 682 किलोमीटर की रेंज के साथ आती है जबकि एक्सईवी 9ई की रेंज 656 किलोमीटर है। ऑटोमेकर ने अपने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कारोबार में 12,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

भारतीय रिजर्व बैंक के नए गवर्नर होंगे संजय मल्होत्रा

- शक्तिकांत दास की जगह संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुसार संजय मल्होत्रा को रिजर्व बैंक का नया गवर्नर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति वर्तमान गवर्नर शक्तिकांत दास के कार्यकाल में विस्तार नहीं किए जाने के बाद की गई है। संजय मल्होत्रा ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के तहत राजस्थान कैडर से अपनी सेवा शुरू की थी। वह अब रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उन्होंने उर्जित पटेल के इस्तीफे के बाद केंद्रीय बैंक की जिम्मेदारियां संभाली थी। संजय मल्होत्रा का कार्यकाल अगले तीन साल के लिए होगा। मल्होत्रा के पास वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अत्यधिक अनुभव है। उन्होंने भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव के तौर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। इसके अलावा उन्हें केंद्र और राज्य सरकारों में टैक्स और वित्तीय मामलों का भी गहरा अनुभव है। शक्तिकांत दास का कार्यकाल भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में 2018 में शुरू हुआ था और उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय लिए गए।

हालांकि, सरकार ने उनके कार्यकाल में कोई विस्तार करने का निर्णय नहीं लिया है। बताया जा रहा है कि संजय मल्होत्रा की नियुक्ति का फैसला वित्तीय सेवा क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए लिया गया है।

भारतीय फार्मास्युटिकल बाजार में सुधार के संकेत

- नवंबर में 10 फीसदी की वैल्यू ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली ।

फार्मा रिसर्च डेटा द्वारा उपलब्ध जानकारी के अनुसार कार्डियक, गैस्ट्रो, एंटी-डायबिटीज और डर्मा सेगमेंट में 9.9 फीसदी से अधिक वृद्धि दर्ज की गई। एंटी-न्यूप्लास्टिक्स, डर्मेटोलॉजी और यूरोलॉजी क्षेत्र भी ग्रोथ की दिशा में थे, जो दर्शाता है कि उपचार की मांग बढ़ रही है। कीमतों में वृद्धि और नई दवाओं का लॉन्च मुख्य ग्रोथ ड्राइवर्स बने रहे। इसके परिणामस्वरूप बिक्री में वृद्धि देखने को मिली, जैसे कि ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन की एंटीबायोटिक दवा ऑगमेंटिन और यूएसवी की ग्लाइकोमेट जीपी। जानकारी के अनुसार घरेलू फार्मा बाजार में नवंबर में रिकवरी देखी गई है और ग्रोथ होने की संभावना है। आईपीएम की कुल वार्षिक वृद्धि 8 फीसदी रही, जिसमें कार्डियक, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और एंटी-इंफेक्टिव थेरेपी क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह तरीके से भारत में फार्मास्युटिकल बाजार में सुधार के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं और दवाओं की मांग और बिक्री में वृद्धि के चिन्ह प्रकट हो रहे हैं।

पिछले 10 सालों में बैंकों की जमा राशि ढाई गुना बढ़ी

- निजी कर्जों में भी 10 वर्षों में 4.5 गुना वृद्धि हुई

मुंबई । देश में बैंकों की कुल जमा राशि पिछले दस सालों में 2.4 गुना बढ़कर ढाई गुना हो गई है। इसमें महाराष्ट्र का योगदान 22 फीसदी है, जिसे वर्ष 2023-24 में कुल 212 करोड़ रुपए के रूप में देखा गया है। महाराष्ट्र की जमा राशि 46.7 लाख करोड़ रुपए है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में जारी किए गए डेटा अनुसार, निजी कर्जों में भी 10 वर्षों में 4.5 गुना वृद्धि हुई है। 2025 में देश में कुल 11.44 लाख करोड़ रुपए का निजी कर्ज लिया गया, जो पिछले वर्ष 51.44 लाख करोड़ रुपए के हिसाब से कम है। महंगाई दरों में सबसे अधिक मणिपुर की रही, जबकि उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात, झारखंड, कर्नाटक, बिहार, यूपी, व भारत के औसत 5.4 दर्ज की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों की सबसे अधिक दिहाड़ी मजदूरी केरल में है, जहां उन्हें प्रतिदिन 894 रुपए मिलते हैं। कृषि मजदूरी भी केरल में ही सबसे अधिक है, जहां यह 807 रुपए प्रतिदिन है। जम्मू और कश्मीर में यह आंकड़ा 566 रुपए, तमिलनाडु में 541 रुपए, हिमाचल प्रदेश में 492 रुपए और हरियाणा में 452 रुपए है। देश में सबसे अधिक फैक्ट्री तमिलनाडु में है, जहां 39,666 फैक्ट्री हैं। गुजरात में इसकी संख्या 31,031 है, जो दूसरे नंबर पर है।

भारत के लिए एआई बड़ा बदलाव लाने का जरिया अमेजन इंडिया

- अमेजन ने निर्धारित लक्ष्यों को पार कर लिया है

नई दिल्ली । अमेजन इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि कृत्रिम मेधा में भारत के लिए बड़ा बदलाव लाने की क्षमता। इस समय स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि और खुदरा सहित विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि की गति बढ़ाएंगे। अे धिकारी ने अमेजन संभव शिखर सम्मेलन में आलोचना करते हुए कहा कि ई-कॉमर्स दिग्गज ने 13 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया है। उन्होंने बताया कि अमेजन ने निर्धारित लक्ष्यों को पार कर लिया है और 1.2 करोड़ छोटे व्यवसायों को डिजिटल बना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रति अमेजन की प्रतिबद्धता पहले से कहीं अधिक दृढ़ है। वे दावा करते हैं कि वे स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी नयापन लाएंगे और भारत में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा` कि एआई क्षमता भारत को तकनीकी उन्नति में मदद कर सकती है और विभिन्न सेक्टरों में आगे की ऊंचाई को प्राप्त करने में सहायक हो सकती है।

शेयर बाजार में सपाट कारोबार

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सपाट बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव जारी रहा। एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी निवेशक के सतर्क रुख अपनाने से बाजार में बिकवाली हावी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 1.59 अंक की हल्की बढ़त लेकर 81,510 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.04 फीसदी तकरीबन 8.95 अंक की हल्की गिरावट के साथ ही 24,610.05 पर सपाट बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फिनसर्व का शेयर 1.59 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ। एचसीएल टेक, स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक और टाइटन के शेयर मुख्य रुप से बढ़त में रहे।

दूसरी ओर भारती एयरटेल का शेयर 1.42 फीसदी गिरा । इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, मारुति, नेस्ले इंडिया, एलएंडटी के शेयरों में भी गिरावट रही।।

बाजार जानकारों के अनुसार कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) का डेटा आरबीआई के रीपो रेट में कटौती के समय को प्रभावित करने वाला बड़ा अहम कारण हो सकता है। कारोबारियों के अनुसार, अमेरिकी और भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होने से पहले निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ये आंकड़े रीपो रेट में कटौती के समय को प्रभावित कर सकते हैं। वहीं चीन के शेयरों में मंगलवार को उछाल आया। वहीं, ग्लोबल मार्केट्स में अमेरिकी के मुद्रास्फीति डेटा से पहले गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

बाजार हल्की बढ़त के साथ खुले। पिछला सप्ताह अच्छा प्रदर्शन करने के बाद इस सप्ताह बाजार में थोड़ी मायूसी देखी जा रही है। कोई बड़े ट्रिगर पॉइंट नहीं होने की वजह से बाजार लाल और हरे निशान के बीच झूलता हुआ दिखाई दे रहा है। सेंसेक्स हल्की बढ़त के साथ 81,575.96 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार सेंसेक्स 200 अंको के दायरे में कारोबार करता हुआ दिख रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी मामूली तेजी के साथ 24,652.65 अंक पर खुला।

भारत में 2025 में रोजगार परिदृश्य वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूतः सर्वेक्षण

- 53 प्रतिशत नियोक्ताओं की संख्या बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली । भारत में जनवरी-मार्च 2025 में रोजगार परिदृश्य वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूत रहने के आसार हैं। एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। इस सर्वेक्षण में शामिल 40 प्रतिशत कॉरपोरेट जगत के लोगों ने अगले तीन महीनों में अपने कर्मचारियों के संख्या बढ़ाने की बात कही। भारत के विभिन्न क्षेत्रों के 3,000 से अधिक नियोक्ताओं को शामिल करने वाले इस सर्वेक्षण के अनुसार, 53 प्रतिशत नियोक्ताओं की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। मैनपावरग्रुप के भारत एवं पश्चिम एशिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है और 2025 की पहली तिमाही के लिए रोजगार परिदृश्य में वैश्विक नेता के रूप में इसकी स्थिति देश की आर्थिक प्रगति में नियोक्ताओं के विश्वास को दर्शाती है। इस अनुसंधान के अनुसार भारत में 40 प्रतिशत शुद्ध रोजगार का अनुमान है, जो कि अमेरिका और मेक्सिको से अधिक है। वैश्विक औसत 25 प्रतिशत है। इसके विपरीत, अर्जेंटीना के लिए रोजगार पूर्वानुमान बेहतर नहीं रहा। अधिकारी ने इस समाचार को स्वागत किया और देश की उच्च गति वाली अर्थव्यवस्था में रोजगार के अनुमानित बढ़ते स्तर की सराहना की। इस सुझाव के साथ भारत की आर्थिक प्रगति में और भी अच्छी सूचियों की उम्मीद की जा रही है।

महिंद्रा और इंडिगो के बीच कोड 6ई का विवाद अब कोर्ट पहुंचा

महिंद्रा के तेवर पड़े नरम, अब गाड़ियों पर 6ई का नहीं करेगी इस्तेमाल

नई दिल्ली।

महिंद्रा और इंडिगो के बीच हुआ कोड 6ई को लेकर विवाद अब अदालत पहुंच गया। इस मामले में महिंद्रा के तेवर नरम पड़ रहे हैं। महिंद्रा ने इस कोड से दूरी बना ली है। उसने कहा कि जब तक अदालत में यह मामला सुलझ नहीं जाता, तब तक वह अपनी गाड़ियों के नाम में कोड 6ई का इस्तेमाल नहीं करेगी।

दरअसल, महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पिछले पहले इलेक्ट्रिक एसयूवी कारों की नई रेंज बाजार में उतारी थीं। कंपनी ने इनमें से एक रेंज को बीई 6ई नाम दिया था। इस कोड पर इंडिगो एयरलाइन ने आपत्ति जताई थी क्योंकि 6ई इंडिगो एयरलाइन का कोड है। एयरलाइन की फ्लाइट के नंबर 6ई कोड के साथ शुरू होते हैं। कंपनी ने बाद में महिंद्रा के खिलाफ केस दायर कर दिया था। इंडिगो ने इसे ट्रेडमार्क का उल्लंघन बताया था। वहीं ट्रेडमार्क मामले में महिंद्रा ने भी सफाई दी थी। महिंद्रा ने कहा था कि वह उसने इलेक्ट्रिक ओरिजिन एसयूवी पोर्टफोलियो के एक हिस्से के रूप में बीई 6ई के लिए क्लास 12 वाहन के तहत ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया है। इस मामले में इंडिगो की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। महिंद्रा ग्रुप की कंपनी महिंद्रा इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल लिमिटेड ने कोर्ट में कहा कि जब तक ट्रेडमार्क से संबधित मामले में कोई फैसला नहीं आता, तब तक वह नई इलेक्ट्रिक कारों में इस कोड का इस्तेमाल नहीं करेगी। महिंद्रा ने कहा कि वह अपने मॉडल के नाम को बीई6ई से बदलकर बीई6 करेगी। हालांकि उसने यह भी कहा कि वह इंडिगो के दावों को भी कोर्ट में लेकर जाएगी। मामले की अगली सुनवाई अप्रैल 2025 में होगी। बता दें यह पहली बार नहीं है तब इंडिगो एयरलाइन ने नाम को लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। यह एयरलाइन पहले भी कोर्ट जा चुकी है। मामला साल 2005 का है। उस समय इंडिगो का पंगा टाटा मोटर्स के साथ था। दरअसल, इंडिगो एयरलाइंस की शुरुआत साल 2004 में हुई थी। हालांकि कंपनी के विमानों ने उड़ान भरना शुरू नहीं किया था। उस समय टाटा मोटर्स अपनी एक कार को इंडिगो नाम से बेचती थी। इसके बाद भी एयरलाइन ने अपने नाम को इंडिगो के साथ जारी रखा था।

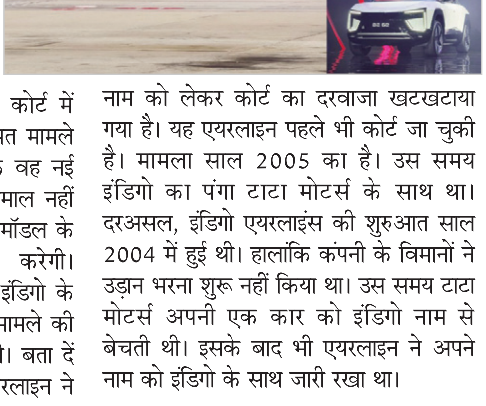

चीन का निर्यात धीमा, आयात में गिरावट

- निर्यात और आयात के अंतर की वृद्धि ने चीन की आर्थिक स्थिति पर असर डाला

हांगकांग ।

चीन के व्यापारिक दृष्टिकोण में नवंबर महीने में एक ध्रुवीकृत बदलाव देखने को मिला है, जिसे अनुसार निर्यात में कमजोरी और आयात में गिरावट की घटना सामने आई है। सिन्धु घाटी में सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार निर्यात में अच्छी वृद्धि का अपेक्षित स्तर से नीचे रहा जबकि आयात में बढ़ोतरी की स्थिति दर्शाई गई। यह बदलाव वैश्विक बाजार में अकसर दिखाई देने वाले दबाव के परिणाम के रूप में देखा जा सकता है। निर्यात और आयात के अंतर की वृद्धि ने चीन की आर्थिक स्थिति पर असर डाला है, जो एक समर्थन के स्तर पर पहुंच गया है। इस अशंकाजनक परिस्थिति में चीनी अर्थव्यवस्था के नेताओं के लिए एक बड़ी चुनौती का सामना है, जिसे वे समझ कर उचित उत्तर ढूंढ़ने में सक्षम होने के लिए कठिनाइयों का सामना करना होगा। चीन की मौद्रिक नीति में नरमी लाने से भविष्य की स्थिति को सुधारने की कोशिश करने पर ध्यान केंद्रित करना उचित होगा। वाणिज्यिक दृष्टिकोण से आज के समय में सही मार्ग चुनना महत्वपूर्ण होगा, जिससे चीन के अर्थतंत्र को सुरक्षित बनाने में मदद मिले।

स्टील आयात पर सुरक्षा शुल्क लगाने की तैयारी

कॉमर्स सेल डिरेक्टोरेट ने इस्पात मंत्रालय से मांगे हैं आंकड़े

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय ने चयनित इस्पात उत्पादों पर सुरक्षा शुल्क के लागू होने के मुद्दे पर गहराई से विचार करने का निर्णय लिया है। चीन, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और जापान से अलॉय के आयात में इजाफा के संकेत के बावजूद मंत्रालय इस नये शुल्क के प्रभाव की जांच कर रहा है। एक निर्माता ने पहले भी सुरक्षा शुल्क की मांग की थी लेकिन किसी भी निर्णय पर उछाल के बारे में चिंता जाहिर की गई है। कॉमर्स सेल डिरेक्टोरेट ने इस विषय पर स्पष्टीकरण के लिए इस्पात मंत्रालय से आंकड़े मांगे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम गहरी छानबीन कर रहे हैं। एमएसएमई क्षेत्र के हित में ध्यान रखा जा रहा है और विचारित निर्णय के लिए आवश्यक जानकारी संग्रहित की जा रही है। सुरक्षा शुल्क सामान्यतः एक अस्थायी उपाय होता है जो विदेशी उत्पादों के आयात को रोकने का साधन के रूप में इस्तेमाल होता है।

ऑस्ट्रेलिया / भारत : ब्रिसबेन टेस्ट से पहले भारतीय बल्लेबाजों ने किया अभ्यास, रोहित-कोहली ने बहाया पसीना

एडीलेड (एजेंसी)। गुलाबी गेंद के दिन-रात्रि क्रिकेट टेस्ट में 10 विकेट की करारी हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली की अगुआई में भारतीय बल्लेबाजों ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में वापसी के लक्ष्य के साथ मंगलवार को यहां लाल गेंद से कड़े नेट सत्र में हिस्सा लिया। ऑस्ट्रेलिया की टीम शनिवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट के लिए ब्रिसबेन पहुंच गई है लेकिन भारतीय टीम ने लाल गेंद के अपने कौशल को निखारने पर ध्यान देने के लिए यहीं रुकने का फैसला किया।

भारतीय टीम ने अपनी रक्षात्मक तकनीक और गेंदों को छोड़ने पर ध्यान दिया। भारतीय टीम के अभ्यास का वीडियो साझा करते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 'एक्स' पर लिखा, 'अब आगे के बारे में सोचने का समय है। ब्रिसबेन टेस्ट की तैयारी यहां एडीलेड में शुरू हो चुकी है।''

खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय कप्तान रोहित पिछली 12 पारियों में एक अर्धशतक (52) के साथ सिर्फ 142 रन बना पाए हैं। वह अपने बेटे के जन्म के कारण पहले टेस्ट में नहीं खेल पाए थे और मंगलवार को उन्होंने भारतीय स्पिनरों और तेज गेंदबाजों दोनों का सामना करते हुए जल्दी से जल्दी लय हासिल करने का लक्ष्य रखा।

दूसरे टेस्ट में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे रोहित ने दो पारियों तीन और छह रन बनाए। वह पहली पारी में पगबाधा हुए जबकि दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने उन्हें बोल्ड किया। पर्थ में पहले टेस्ट में शतक के साथ 16 महीने के शतक के सूखे को समाप्त करने वाले कोहली गुलाबी गेंद के टेस्ट में दोनों पारियों में विकेट के पीछे आउट हुए। उन्होंने पहली पारी में दूसरी स्लिप जबकि दूसरी पारी में विकेट को कैच थमाया।

स्टार भारतीय बल्लेबाज कोहली ने पूरे जज्बे के साथ अभ्यास किया। उन्होंने नेट सत्र की शुरुआत में सावधानी बरती लेकिन फिर धीरे-धीरे लय में आ गए। लोकेश राहुल अधिक शांत दिखे। उन्होंने अपने डिफेंस पर अधिक ध्यान दिया जबकि ऋषभ पंत ने कुछ पिक अप शॉट खेले। शुरुआती टेस्ट में भारत की 295 रन की विशाल जीत में 161 रन की पारी खेलने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कुछ अच्छे शॉट लगाए और भारतीय गेंदबाजों के सामने भी आक्रामक रुख अपनाया।

गेंदबाजी इकाई में हर्षित राणा, आकाश दीप, यश दयाल और रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और वाशिंगटन सुंदर की स्पिन तिकड़ी शामिल थी जबकि कुछ थ्रोडाउन विशेषज्ञ भी थे। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की प्रमुख भारतीय तेज गेंदबाजी जोड़ी के साथ-साथ तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने अधिक पसीना नहीं बहाया। भारत को बुधवार को ब्रिसबेन पहुंचना है।

आईपीएल में लगने वाला पैसा पाक के रक्षाबजट से अधिक

लाहौर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) निलामी में जहां खिलाड़ियों पर करोड़ों की बोली लगती है। वहीं पाकिस्तान की क्रिकेट लीग पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में उन खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है जिन्हें आईपीएल में जगह नहीं मिल पायी हो। आईपीएल 2024 में सभी 10 टीमों का कुल राजस्व पिछले 2023 का भी दोगुना हो गया है। आईपीएल 2024 का कुल राजस्व 6,797 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले सीजन 3,082 करोड़ से अधिक है। ये पाकिस्तान के रक्षा बजट की रकम से अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान का 2024 में रक्षा बजट 7.64 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 2,122 अरब पाकिस्तानी रुपये था। ये रकम 6497 करोड़ भारतीय रुपये होती है। इस प्रकार पाकिस्तान के रक्षा बजट से अधिक भारतीय क्रिकेट लीग की 10 टीमों का राजस्व ही है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज होता है। ये सब प्रायोजन करारों से संभव हुआ है। बीसीसीआई की साल 2022 में रिकॉर्ड 48,390 करोड़ की मीडिया राइट्स की डील हुई थी जो अब बढ़ गयी है। प्रसारण राजस्व के अलावा बोर्ड का कई प्रमुख ब्राडों से करार है।, इससे ही उसे 4,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल का ब्रांड मूल्य 2023 की तुलना में 2024 में 13 फीसदी बढ़ा है और इसके सामने पाक का रक्षा बजट काफी कम बढ़ा है। आईपीएल की चार फ्रेंचाइजी- चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), मुंबई इंडियंस (एमआई), रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी), और कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने ही ब्रांड मूल्य में 100 मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके अलावा पाक में क्रिकेट से होने वाली कमाई भी भारत के कारण ही है। आईसीसी की अधिकांश कमाई का बड़ा हिस्सा भारत से जाता है। पीसीबी को भी उससे ही राजस्व मिलता है। ऐसे में पीसीबी का ये कहना कि वह भी भारत में होने वाले आईसीसी मुकाबलों के लिए हाइब्रिड मॉडल चाहता है कोरी बयानबाजी के सिवा कुछ नहीं है।

भारत के 13 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने लगाया उम्र धोखाधड़ी का आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क। आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स द्वारा 1.1 करोड़ रुपए में खरीदे गए भारत के 13 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर उम्र धोखाधड़ी के विवाद में फंस गए है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जुनैद खान ने अंडर-19 एशिया कप टूर्नामेंट के दौरान उनकी पारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया और युवा खिलाड़ी की उम्र पर सवाल उठाए हैं। वैभव ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की और जुनैद ने सवाल उठाया कि क्या 13 वर्षीय खिलाड़ी इतने बड़े छक्के लगाने में सक्षम है। वैभव प्रतियोगिता में भारत के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे, उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन श्रीलंका के खिलाफ रहा जहां उन्होंने 5 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 67 रन बनाए। जुनैद ने वैभव की उस पारी का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया और कैप्शन लिखा - 'क्या 13 साल का बच्चा वाकई इतना लंबा छक्का मार सकता है?'

इससे पहले जब वैभव की वास्तविक उम्र के बारे में विवाद के बारे में पूछा गया तो उनके पिता संजीव सूर्यवंशी ने तुरंत स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा, 'जब वह साढ़े 8 साल का था, तो उसने पहली बार बीसीसीआई बोन टेस्ट दिया था। वह पहले ही भारत अंडर-19 खेल चुका है। हम किसी से नहीं डरते। वह फिर से आयु परीक्षण से गुजर सकता है।'' संजीव ने कहा कि बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी के 'आशीर्वाद' ने वैभव की यात्रा में हमेशा मदद की है। उन्होंने कहा, 'राकेश जी का आशीर्वाद बहुत है।' नीलामी में उनका आधार मूल्य 30 लाख रुपए था और दिल्ली कैपिटल्स ने शुरुआती बोली लगाई। राजस्थान ने 35 लाख रुपए में मैदान में प्रवेश किया और अंततः खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने के लिए दिल्ली से बेहतर बोली लगाई।

शमी शामिल किये गये तो हर्षित राणा होंगे बाहर !

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार के बाद अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी को टीम में शामिल करने की मांग उठने लगी है। शमी आजकल घरेलू क्रिकेट खेलकर अपनी फिटनेस साबित करने का प्रयास कर रहे हैं। टीम प्रबंधन उन्हें पूरी तरह से फिट होने पर ही टीम में जगह देना चाहता है। कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि शमी को जल्दबाजी में शामिल कर वह कोई जोखिम नहीं लेना चाहेंगे। ऐसे में अगर पूरी तरह से फिट होने पर शमी को टीम में शामिल भी किया गया तो युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को बाहर बैठना पड़ सकता है। इसी दौरे पर डेब्यू करने वाले इस युवा ने अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया है पर अभी उन्हें काफी सुधार की जरूरत है। भारत ने दूसरे टेस्ट के लिए आर अश्विन को टीम में शामिल किया था पर वह भी कुछ खास असर नहीं छोड़ पाए। ऐसे में अश्विन की जगह वाशिंगटन सुंदर को टीम में जगह मिल सकती है।

वैसे भी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को देखते हुए भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा बेहद अहम है। इस सीरीज में बड़ी जीत से टीम के फाइनल की उम्मीदें बनेंगी। इस कारण रोहित शर्मा ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल किए जाने की बात कही. उनका कहना था कि टीम के दरवाजे दिग्गज के लिए हमेशा खुले हैं।

पहले टेस्ट में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 295 रनों से जीत दर्ज की थी पर दूसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 10 विकेट से हराकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी की कमजोरी सामने ला दी। इस हार के बाद तीसरे टेस्ट से पहले भारत को कई और मामलों पर भी विचार करना होगा. जिसमें अनुभवी विराट कोहली के साथ ही रोहित का खराब फॉर्म भी है। इस दौरान तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर बढ़ते बोझा पर भी चर्चा होगी. तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन में खेला जाएगा जो तेज और उछाल भरी पिचों के लिए जाना जाता है। ऐसे में भारतीय टीम में बदलाव होने की पूरी संभावना है।

ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर भारतीय टीम को अनुभवी शमी की कमी खली है। बुमराह के साथ दूसरी ओर से दवाब बनाने के लिए मोहम्मद सिराज और राणा पर्याप्त नहीं रहे। ऐसे में तीसरे टेस्ट के लिए टीम को एक अच्छे गेंदबाज की जरुरत है।

भारत की संभावित इलेवन

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी या हर्षित राणा या आकाश दीप, मोहम्मद सिराज

आईसीसी ने भ्रष्टाचार के मामले में सहायक कोच सनी ढिल्लों पर लगाया प्रतिबंध

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाये जाने पर एक फ्रेंचाइजी टीम के पूर्व सहायक कोच सनी ढिल्लों पर 6 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। ये प्रतिबंध 13 सितंबर, 2023 से लागू होगा, जब ढिल्लों को अंतिम रूप से निलंबित किया गया था। ढिल्लों को अमीरात के भ्रष्टाचार रोधी न्यायाधिकरण द्वारा अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। कोच ढिल्लों उन आठ लोगों में शामिल थे जिन पर पिछले साल संहिता के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। ये आरोप 2021 अबू धाबी टी10 क्रिकेट लीग और उस टूर्नामेंट में मैचों में फिक्सिंग करने के प्रयासों से संबंधित हैं, जिन्हें आईसीसी, टूर्नामेंट के लिए ईसीबी की संहिता के लिए नामित भ्रष्टाचार रोधी अधिकारी (डीएसीओ) द्वारा असफल कर दिया गया था। पूरी सुनवाई और लिखित और मौखिक दलीलों की प्रस्तुति के बाद, न्यायाधिकरण ने ढिल्लों को दोषी पाया। अनपर मैचों या मैचों के पहलुओं को ठीक करने, उनका निर्माण करने या गलत तरीके से प्रभावित करने के प्रयास में भागीदार होना।

रिटेन नहीं होना चाहते थे ऋषभ : बदानी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कोच हेमांग बदानी ने कहा है कि ऋषभ पंत अपनी बाजार कीमत पता करना चाहते थे, इसलिए वह टीम के साथ बरकरार नहीं रहे जबकि टीम की ओर से उन्हें अपने साथ बनाये रखने की पूरी कोशिश की गयी। बदानी के अनुसर दिल्ली कैपिटल्स ने अपने कप्तान ऋषभ को साथ रखने का प्रयास किया पर वह अधिक हासिल करना चाहते थे। इसलिए मेगा नीलामी में उतरे। इस क्रिकेटर पर आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी बोली 27 करोड़ की लखनऊ सुपरजायंट्स ने लगाई। वहीं इससे पहले ऋषभ ने कहा था कि रिटेन नहीं होने का पैसे से कोई लेना-देना नहीं है। ऋषभ ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा था कि उनके रीटेन नहीं होने के पीछे आर्थिक कारण नहीं है हालांकि यह इस क्रिकेटर ने तकरीबन डेढ़ महीने भी एक पोस्ट किया था, इसमें उन्होंने कहा था कि वे देखना चाहते हैं कि उन पर कितनी बड़ी बोली लगेगी। बदानी ने कहा, 'यदि आप किसी खिलाड़ी को रीटेन करना चाहते हैं तो दोनों को ही इसके लिए तैयार होना होता है। हमने उनसे बात करने की बहुत कोशिश की थी। प्रबंधन ने उनसे बात करने की बहुत कोशिश पर वह तैयार नहीं हुए।' उन्होंने कहा था कि वे ऑक्शन में जाना चाहते हैं, जिससे बाजार में उनकी कीमता का पता चल सके। उनको लगता था कि रीटेन किए जाने की अधिकतम राशि (18 करोड़) से उन्हें ज्यादा रकम मिल सकती है जो सही साबित हुआ।'

महिला जूनियर एशिया कप हॉकी : दीपिका की हैटिक से भारत ने मलेशिया को 5-0 से हराया

मस्कट (एजेंसी)। दीपिका की शानदार हैटिक से भारतीय हॉकी टीम ने महिला जूनियर एशिया कप के पूल ए में मलेशिया को 5-0 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से दीपिका ने 37वें, 39वें और 48वें मिनट में तीन गोल किये वहीं वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने 32वें और कनिका सिवाच ने 38 वें मिनट में एक गोल किया। इस मैच में पहला हाफ गोलरहित रहा।

इसके बाद भारतीय टीम ने अंतिम दो क्वार्टर में बढ़त हासिल कर मैच पर कब्जा किया। भारतीय टीम इस मैच में अधिकतर समय हावी रही पर उसने गोल करने के कई मौके खोय। पहले क्वार्टर के अंत में उन्हें लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले पर टीम उन्हें गोल में नहं बदल पायी। दूसरे क्वार्टर में भी यही हाल रहा।

भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में लगातार चार गोल करके मैच में अपना दबदबा बना लिया। उसे 32वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला और इस बार, गोल करने के बजाय, पूजा साहू ने गेंद को थोड़ा बाईं ओर निर्देशित किया, जहां वैष्णवी विट्ठल फाल्के ने गोल करने में गलती नहीं की। दूसरा गोल 37वें मिनट में हुआ जब ड्रैग-फ्लिकर दीपिका ने अपनी विशेषज्ञता का परिचय देते हुए गोलकीपर को छकाते हुए दमदार शॉट लगाया और बढ़त को बढ़ाया।

इसके ठीक एक मिनट बाद कनिका सिवाच ने मैदानी गोल किया। 39वें मिनट में मलेशिया की गोलकीपर ने फाउल किया, जिससे भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। दीपिका ने इसे गोल में बदल दिया। अंतिम क्वार्टर में भारत को 48वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने एक गोल कर हैट्रिक पूरी की और मैच के अंत तक भारत का स्कोर 5-0 कर दिया।

एरिना सबालेंका ने डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरस्कार जीता

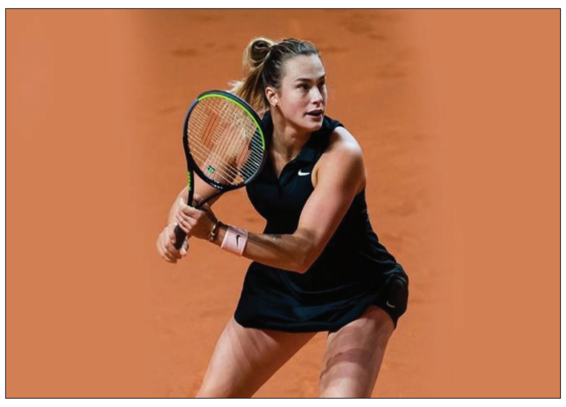

सेंट पीटर्सबर्ग (अमेरिका)। स्टार टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका को सोमवार को पहली बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी भी बनीं। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। पाउला बडोसा को साल में सर्वश्रेष्ठ वापसी करने वाली खिलाड़ी और लुलु सन को साल की सर्वश्रेष्ठ नयी खिलाड़ी चुना गया। सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया। सबालेंका ने 2024 में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के साथ इस सत्र में दो अन्य खिताब जीते। उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 56-14 रहा। उन्होंने लगभग एक करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि जीती। उन्होंने अक्टूबर में ईगा स्वियातेक को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की।

रोहित से तीसरे टेस्ट में पारी की शुरुआत कराना सही नहीं : डोड्डा गणेश

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज डोड्डा गणेश ने कहा है कि तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा से पारी की शुरुआत कराना सही नहीं होगा। भारतीय टीम के कप्तान रोहित दूसरे टेस्ट में मध्यक्रम पर उतरे थे और उसमें असफल रहे थे। ऐसे में कुछ दिग्गजों का ये भी मानना है कि रोहित अनुभवी सलामी बल्लेबाज हैं, इसलिए पारी उनसे ही शुरु करने को कहना चाहिये। वहीं डोड्डा का कहना है कि इस प्रकार की गलती नहीं करनी चाहिये क्योंकि रोहित फार्म में नहीं है जिससे उनका मनोबल भी घट हुआ है। ऐसे में उन्हें पारी शुरु करने को कहना जोखिम भरा होगा। इस पूर्व क्रिकेटर ने सोशल मीडिया पर कहा कि रोहित पहले से ही आत्मविश्वास और रन की कमी से जूझ रहे हैं और ऐसे में उनसे गाबा में पारी शुरु करने का आग्रह करना मूर्खतापूर्ण होगा। ये सीरीज उपमहाद्वीप में नहीं खेली जा रही है जहां वह असानी से कुछ रन बना सकें। वैसे भी ऑस्ट्रेलिया में रोहित का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है।

उनका यहां औसत 30 ही है। एक सलामी बल्लेबाज के रूप में उनका औसत 37.8 है पर वह इस जगह पर ज्यादा बढ़ी पारियां नहीं खेल पाए हैं। अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाबा की पिच भी अलग तरीके की चुनौतियां लेकर आएगी। ब्रिस्बेन पिच पर उछाल और गति पर पैट कमिंस और मिशेल स्टार्क के नेतृत्व वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। ऐसे ट्रैक पर भारतीय बल्लेबाजों से सटीक फुटवर्क की मांग होनी थी पर ऐसा हो नहीं पाया। रोहित की खराब फॉर्म ने चिन्ता को और बढ़ा दिया है। वह पहले टेस्ट से बाहर रहे थे जबकि दूसेर टेस्ट में केवल 3 और 6 का स्कोर ही बना पाए थे। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में भी वह असफल रहे थे।

तीसरे टेस्ट में हर्षित की जगह कृष्णा को शामिल करें - हरभजन

मुम्बई। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के तीसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज हर्षित राणा की जगह पर प्रसिद्ध कृष्णा हैं को शामिल किया जाना चाहिये। हरभजन का कहना है कि हर्षित दूसरे टेस्ट में प्रभावित नहीं कर पाये हालांकि उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए थे। हरभजन के अनुसार एडिलेड ओवल के खिलाफ दूसरे मैच में हर्षित मार्नस लाबुशेन और ट्रैविस हेड पर अंकुश नहीं लगा पाये और उनकी गेंदों पर काफी रन बने। वहीं रोहित शर्मा इससे सहमत नहीं हैं उनका कहना है कि किसी खिलाड़ी का दो टेस्ट के आधार पर आंकलन नहीं किया जा सकता है। रोहित ने हर्षित का बचाव करते हुए कहा कि उसने कोई गलती नहीं की है। ऐसे में उसको कैसे बाहर कर दें। साथ ही कहा, सिर्फ दो मैचों के बाद खिलाड़ियों को बाहर करना सही नहीं है। वह सिस्टम में नए हैं पर पहले टेस्ट में उन्होंने अच्छी गेंदबाजी कर अपनी प्रतिभा दिखायी है। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने दूसरे मैच में उनके अनुभव की कमी का फायदा उठाकर रन बनाये और ऐसा किसी भी नये खिलाड़ी के साथ भी हो सकता है। मुझे लगता है कि हमें अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने की जरूरत है। दूसरी ओर हरभजन राणा को एक और मैच खिलाये जाने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले टेस्ट के लिए उनके पक्ष में नहीं था, लेकिन टीम प्रबंधन ने उन्हें आगे बढ़ाया। आपके पास बेंच पर बैठे कृष्णा हैं और उन्हें तीसरे टेस्ट में मौका मिलना चाहिए। वह अच्छे गेंदबाज हैं।

साई सुदर्शन की सफल सर्जरी हुई, बीसीसीआई और गुजरात टाइटन्स को दिया धन्यवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ने सफल सर्जरी के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स को धन्यवाद दिया। सुदर्शन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए तमिलनाडु का उप-कप्तान बनाया गया था और उन्होंने इंदौर में त्रिपुरा के खिलाफ ग्रुप बी मैच में अपना अंतिम प्रदर्शन किया। तमिलनाडु ने 43 रनों से मैच जीता और वे नौ गेंदों पर नौ रन बनाने में सफल रहे।

गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज चोट के कारण टूर्नामेंट के बाकी मैचों से बाहर हो गए थे, इसलिए यह उनका अंतिम मैच था। ग्रुप बी में पांचवें स्थान पर रहने के बाद तमिलनाडु ग्रुप राउंड से आगे नहीं बढ़ पाया। सुदर्शन ने एक्स पर लिखा, 'कुछ ही समय में मजबूत होकर वापसी करूंगा। मेडिकल टीम और बीसीसीआई को उनके प्रयासों और समर्थन के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। टाइटन्स परिवार, आपके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।'

सर्जरी से पहले सुदर्शन ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ सीरीज के दौरान इंडिया ए टीम के साथ धूम मचा रहे थे। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 23 वर्षीय खिलाड़ी ने सीरीज के पहले मैच में शानदार शतक लगाकर अपनी क्लास दिखाई। 103 रनों की उनकी संयमित पारी ने भारत की सीनियर टीम के लिए एक दीर्घकालिक उम्मीदवार के रूप में उनकी क्षमता को रेखांकित किया। हालांकि, चयनकर्ताओं ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में सीनियर टीम के पहले टेस्ट में नंबर 3 स्थान को भरने के लिए अंततः देवदत्त पडिक्कल को चुना।

भारत ए को सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन सुदर्शन का योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने 31.75 की औसत से 127 रन बनाए जिससे भविष्य के सितारे के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई। सुदर्शन पहले ही भारत के लिए तीन वनडे और एक टी20I खेल चुके हैं। पिछले दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी वनडे डेब्यू सीरीज के दौरान, उन्होंने लगातार दो अर्धशतक लगाकर प्रभावित किया जिसमें उनका औसत 63.50 रहा। पिछले महीने IPL 2025 की नीलामी से पहले गुजरात टाइटन्स ने सुदर्शन को 8.5 करोड़ रुपए में रिटेन किया था।

100 अतिरिक्त एयरबस विमान एअर इंडिया को विकास के रास्ते पर ले जाने में मदद करेंगे

एअर इंडिया फ्रांस की एयरबस से खरीदेगा 100 नए विमान, पिछले साल दिया था 470 विमानों का ऑर्डर

नई दिल्ली

एअर इंडिया ने फ्रांस की विमान निर्माता कंपनी एयरबस को 100 नए विमान खरीदने का ऑर्डर दिया है। इन विमानों में 10 वाइडबॉडी ए350 और 90 नैरोबॉडी ए320 फैमिली विमान ए321 नियो भी शामिल है। 100 नए विमानों का यह ऑर्डर 470 विमानों के उस ऑर्डर से अलग हैं जो एअर इंडिया ने पिछले साल एयरबस और बोइंग को मिलाकर दिए थे। नए ऑर्डर के बाद एअर इंडिया की ओर से एयरबस को ऑर्डर किए गए विमानों की कुल संख्या 350 हो गई है। पिछले साल विमानन कंपनी ने एयरबस को 250 विामनों के ऑर्डर दिए थे, जिनमें 40 ए350 और 210 ए320 फैमिली विमान शामिल थे।

दुनिया में सबसे ज्यादा भारत में यात्रियों की संख्या

एअर इंडिया ने यह भी घोषणा की कि उसने अपने बढ़ते ए350 बेड़े की रखरखाव से जुड़ी जरूरतों का समर्थन करने के लिए एयरबस के फ्लाइट ऑवर सर्विसेज-कंपोनेंट (एफएचएस-सी) का चयन किया है। टाटा संस और एअर इंडिया के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा, भारत में यात्रियों की संख्या बाकी दुनिया से ज्यादा है, इसके बुनियादी ढांचे में काफ़ी सुधार हो रहा है और युवा आबादी तेजी से वैश्विक हो रही है, ऐसे में हमें लगता है कि एअर इंडिया की ओर से पिछले साल दिए गए 470 विमानों के पक्के ऑर्डर से आगे अपने भविष्य के बेड़े का विस्तार करने की एक स्पष्ट जरूरत है। उन्होंने कहा, ये 100 अतिरिक्त एयरबस विमान एअर इंडिया को विकास के रास्ते पर ले जाने में मदद करेंगे और एयर इंडिया को एक विश्वस्तरीय एयरलाइन बनाने के हमारे मिशन में योगदान देंगे जो भारत को दुनिया के हर कोने से जोड़ेगी।

एयरइंडिया ने फिर से भरोसा हासिल किया

एयरबस के सीईओ गिलौम फौरी ने कहा,हाल के महीनों में भारतीय विमानन क्षेत्र की जबरदस्त वृद्धि को व्यक्तिगत रूप से देखने के बाद, मुझे यह देखकर खुशी हुई कि एअर इंडिया ने हमारे ए320 परिवार और ए350 विमानों के लिए इस अतिरिक्त ऑर्डर के साथ एयरबस पर अपना भरोसा फिर से हासिल किया है। एयरबस के सीईओ ने कहा, इस निरंतर साझेदारी के जरिए, हम टाटा के विजन और नेतृत्व के तहत एअर इंडिया की विहान एआई परिवर्तन योजना की सफलता में अपना योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 100 अतिरिक्त विमानों के ऑर्डर के बाद, एयरबस की ओर से एअर इंडिया को कुल 344 नए विमानों की डिलीवरी करनी है, जिसमें से अब तक छह ए350 विमान आ चुके हैं। एयर इंडिया ने 2023 में बोइंग को भी 220 वाइडबॉडी और नैरोबॉडी विमानों के ऑर्डर दिए थे।

यात्री आराम और लंबी दूरी की क्षमता प्रदान करने नया एअर इंडिया अनुभव प्रदान करता है

एअर इंडिया पहली भारतीय एयरलाइन है जो रोल्स-रॉयस ट्रेंट एक्सडब्ल्यूबी इंजन संचालित एयरबस ए350 का संचालन करती है। असाधारण ईंधन दक्षता, यात्री आराम और लंबी दूरी की क्षमता प्रदान करते हुए, ए350 अब दिल्ली से लंदन और न्यूयॉर्क तक नॉन-स्टॉप उड़ान भरने वाले यात्रियों को बिल्कुल नया एअर इंडिया उड़ान अनुभव प्रदान करते हैं। सीएफएम लीप 1-ए इंजन से संचालित ए320 फैमिली बेड़ा, एअर इंडिया के घरेलू और छोटी दूरी के परिचालन की रीढ़ है, जो एयरलाइन के लाखों ग्राहकों को विश्व स्तरीय उड़ान अनुभव प्रदान करता है।

खबर संक्षेप

आतंकवादी हमलों में 3 सुरक्षाकर्मियों की मौत

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग आतंकी हमलों में कम से कम तीन सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार आतंकवादियों ने डुकी जिले में एक

कोयला खदान के पास एक जांच चौकी पर हमला किया, जिसमें फ्रंटियर कोर के दो सैनिक मारे गए और तीन अन्य जवान घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने घंटों तक चले हमले के दौरान रॉकेट, ग्रेनेड और भारी हथियारों का इस्तेमाल किया। सुरक्षा बलों ने प्रभावी तरीके से जवाबी कार्रवाई की। जिसके परिणामस्वरूप कई हमलावर मारे गए और घायल भी हुए।

पत्नी ने कराया भारतवंशी कारोबारी का अपहरण

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के मशहूर भारतवंशी व्यवसायी

अशरफ कादर के अपहरण का मास्टरमाइंड उनकी पत्नी फातिमा इस्माइल ही निकली। 47 वर्षीय फातिमा पर भारी फिरौती के लिए व्यवसायी के अपहरण की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने मामले के पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाबू केटेक्स के नाम से मशहूर अशरफ व उनकी पत्नी फातिमा को पिछले हफ्ते रविवार को प्रिटोरिया स्थित उनके व्यावसायिक परिसर के पास से अगवा कर लिया गया था। एक दिन बाद सोमवार को अधिकारियों ने उन्हें सुरक्षित बचा लिया था।

भारत ने कहा कि सीरिया में जारी घटनाक्रमों पर रख रहा नजर

सीरिया में सभी पक्षों को देश की एकता और संप्रभुता को बनाए रखने के लिए करना चाहिए काम : भारत

नई दिल्ली

भारत ने सोमवार को सीरिया में सभी पक्षों से अल-असद शासन के पतन के बाद राष्ट्र की एकता और अखंडता को प्राथमिकता देने की अपील की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर मध्य पूर्वी देश में बढ़ती अशांति के बीच शांतिपूर्ण समाधान की जरूरत पर जोर दिया।

सार्वजनिक संपत्तियों में तोड़फोड़ न करने की अपील की

विद्रोही लड़ाकों ने असर शासन की समाप्ति की घोषणा की

संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने की जरूरत

मंत्रालय ने कहा, हम सीरिया में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर वहां के हालात पर नजर रख रहे हैं। हम इस बात पर जोर देते हैं कि सभी पक्षों को सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए काम करना चाहिए। बयान में 'सीरियाई समाज के सभी वर्गों के हितों और आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए एक शांतिपूर्ण और समावेशी सीरियाई नेतृत्व वाली राजनीतिक प्रक्रिया' की वकालत की गई। विदेश मंत्रालय ने सीरिया में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा का भी जिक्र किया और आश्वासन दिया।

विद्रोही गुटों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क पर किया कब्जा

बता दें रविवार को विद्रोही गुटों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया। वहीं राष्ट्रपति बशर अल असद देश छोड़ कर भाग गए। विद्रोही लड़ाकों ने सरकारी टेलीविजन पर असद शासन की समाप्ति की घोषणा की। जानकारी के अनुसार अल-असद ने अपने परिवार के साथ सीरिया से भागकर मास्को पहुंच गए हैं। सीरियाई प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी जलाली ने विद्रोहियों द्वारा दमिश्क में प्रवेश करने के दावे के तुरंत बाद फेसबुक पर पब्लिश एक वीडियो में कहा कि वह लोगों द्वारा चुने गए किसी भी नेतृत्व के साथ 'सहयोग' करने के लिए तैयार हैं और उन्होंने नागरिकों से सार्वजनिक संपत्तियों में तोड़फोड़ न करने की अपील की।

साल 2011 बशर अल-असद के लिए सबसे अहम साल रहा

59 वर्षीय बशर अल-असद ने अपने पिता हाफिज अल-असद की मृत्यु के बाद 2000 में सत्ता संभाली थी। अल असद 1971 से देश का शासन संभाल रहे थे। साल 2011 उनके शासन काल के लिए सबसे अहम साल रहा जब लोकतंत्र की मांग को लेकर हजारों सीरियाई नागरिक सड़कों पर उतर आए थे, लेकिन उन्हें भारी सरकारी दमन का सामना करना पड़ा। हालांकि सरकार के विरोध में विभिन्न सशस्त्र विद्रोही समूहों का गठन हो गया और सरकार का विरोध 2012 के मध्य तक, विद्रोह एक पूर्ण गृह युद्ध में बदल गया।

जर्मनी में रहते हैं करीब 10 लाख सीरियाई

जब सीरिया में बसर अल असद के सत्ता से बाहर होने की खबर आई, तो जर्मनी के कई शहरों में हजारों सीरियाई प्रवासी जश्न मनाने सड़कों पर उतर आए। सीरिया के तकरीबन 10 लाख लोग जर्मनी में रहते हैं। साल 2015 में जब सीरिया में गृह युद्ध के दौरान हिंसा चरम पर थी, तब अंगेला मैर्केल के नेतृत्व में तत्कालीन जर्मन सरकार ने लगभग 8,90,000 शरणार्थियों को जर्मनी में पनाह दी।

जम्मू-कश्मीर में बड़ी साजिश नाकाम

श्रीनगर-बारामूला हाईवे पर बैग में मिली आईईडी... सेना ने किया नष्ट

जम्मू कश्मीर

श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर टीसीपी पलहालन में एक संदिग्ध बैग मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे। जांच के बाद पता चला कि बैग में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस प्लांट कर रखी थी। जानकारी के अनुसार जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर टीसीपी पलहालन में सोमवार को एक संदिग्ध बैग मिला। सूचना पर पहुंचे सुरक्षाबलों ने बैग की जांच की तो उसमें आईईडी मिला। सुरक्षाबलों ने आईईडी को कब्जे में ले लिया। सुरक्षाबलों ने आतंकियों की नापाक हरकत को नाकाम कर दिया। बाद में सेना ने संदिग्ध वस्तु को नष्ट कर दिया।

कहा-सुनी के बाद पुलिस जवान ने मारी साथी को गोली, मौत

इससे पहले, उधमपुर में आपस में कहासुनी के बाद एक पुलिस जवान ने अपनी एके 47 से साथी की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रविवार सुबह करीब साढ़े छह बजे की है। कश्मीर के सोपोर से तीन पुलिस जवान रियासी के तलवाड़ा ट्रेनिंग सेंटर के लिए सरकारी वाहन से निकले। रैंबल क्षेत्र में स्थित काली माता मंदिर के पास वाहन में ही किसी बात को लेकर उनमें कहासुनी हो गई। सूचना मिलते ही रैंबल पुलिस थाने के प्रभारी निशाद संबूरिया टीम के साथ पहुंचे। उन्होंने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए जीएमसी उधमपुर पहुंचाए।

सेना ने आतंकी साजिश को किया नाकाम

जम्मू-कश्मीर में आतंकी अपनी नापाक हरकत को अंजाम देने की कोशिश कर रहे थे। मगर समय रहते ही सेना ने इसे नष्ट कर दिया। एक बार फिर से जम्मू-कश्मीर को दहलाने की आतंकियों की कोशिश नाकाम हो गई। श्रीनगर-बारामूला राजमार्ग पर यातायात फिलहाल रोक दिया गया है। यहां आने-जाने वाले राहगीरों सहित सभी लोगों पर विशेष नजर रखी जा रही है।

मनामा डायलॉग में अपने संबोधन में विदेशमंत्री ने कहा

ईरान-इजराइल के बीच तनाव से वैश्विक चिंताएं बढ़ीं: जयशंकर

मनामा

विदेश मंत्री एस जयशंकर अपने दो दिवसीय दौरे पर बहरीन में हैं। जहां उन्होंने कहा कि ईरान, इजराइल के बीच संबंध या इसका ना होना चिंता का विषय है। भारत के कुछ कूटनीतिक प्रयास इस पहलू पर केंद्रित हैं। जयशंकर ने यह इजराइल और ईरान पर यह टिप्पणी बहरीन में मनामा डायलॉग में अपने संबोधन में किया है। अपने संबोधन में जयशंकर ने लाल सागर में हूती चरमपंथियों द्वारा कमर्शियल जहाजों

पर हमलों का सीधे तौर पर उल्लेख किए बिना कहा कि भारत सुरक्षा स्थिति को ठीक करने में रुचि रखता है। जिनमें संघर्षों को और फैलने से रोकना, प्रमुख संपर्क परियोजनाओं का महत्व और क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति में सुधार की आवश्यकता शामिल है।

व्यापार पर गहरा और नुकसानदेह प्रभाव पड़ा

विदेश मंत्री ने कहा, इस क्षेत्र में हमारे सामने बहुत बड़ी सुरक्षा चुनौतियां हैं, जिनका एशिया में व्यापार पर बहुत गहरा और नुकसानदेह प्रभाव पड़ा है। लाल सागर में अस्थिर स्थिति को देखते हुए, माल की खेपों को अन्य मार्गों से भेजा गया, जिससे परिवहन की लागत काफी बढ़ गई। 'वास्तव में इस क्षेत्र में अदन की खाड़ी, सोमालिया, उत्तरी अरब सागर में हमारी नौसेना की उपस्थिति रही है।

सम्मेलन का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना

मानवाधिकार दिवस के कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मु होंगी मुख्य अतिथि

नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) 10 दिसंबर, 2024 को मानवाधिकार दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में एक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इस कार्यक्रम के बाद ' मानसिक स्वास्थ्यः कक्षा से कार्यस्थल तक तनाव से निपटना ' विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन के तीन सत्रों में 'बच्चों और किशोरों में तनाव', सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षा से लेकर रोजगार तक जीवन के विभिन्न चरणों में तनाव के मनोवैज्ञानिक प्रभावों का पता लगाना और विभिन्न क्षेत्रों में मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सिफारिशें प्रस्तावित करना है।

रक्षा मंत्री 3 दिवसीय रूस यात्रा पर

राजनाथ सिंह नौसेना के नए युद्धपोत 'आईएनएस तुशील' के कमिशनिंग समारोह में आज होंगे शामिल

मास्को

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार (9 दिसंबर) को रूस में नौसेना के नवीनतम, बहुउद्देश्यीय, स्टील्थ-गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट (युद्धपोत) 'आईएनएस तुशील' का जलावतरण करेंगे। रक्षा मंत्री कलिनिनग्राद के यंत्र शिपयार्ड में 'युद्धपोत, परियोजना 1135.6' के तहत एक उन्नत 'क्रिवाक थर्ड श्रेणी फ्रिगेट' का जलावतरण करेंगे। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, भारत और रूस वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

रक्षा मंत्री भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करेंगे

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज कलिनिनग्राद स्थित यंत्र शिपयार्ड में भारतीय नौसेना के नवीनतम बहु-भूमिका वाले स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'आईएनएस तुशील' को भी नौसेना में शामिल करेंगे। वह भारतीय समुदाय के लोगों से भी बातचीत करेंगे।

39,00 टन वजनी जहाज घातक है

अधिकारियों ने बताया कि 125 मीटर लंबा और 3,900 टन वजनी यह जहाज घातक है। इसमें युद्धपोत निर्माण की सर्वोत्तम पद्धतियों के अलावा रूसी और भारतीय अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रभावशाली मिश्रण है। पोस्ट कंस्ट्रक्शन और तैयार होने के बाद, जनवरी 2024 से जहाज को कई परीक्षणों से गुजराना पड़ा है। इसमें फैक्ट्री समुद्री परीक्षण, राज्य समिति परीक्षण और अंत में, एक भारतीय एक्सपर्ट टीम द्वारा डिलीवरी स्वीकृति परीक्षण शामिल है।

---

12 दिसंबर को बादल छाए रहेंगे, पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी

जम्मू- कश्मीर में भारी बर्फबारी, फिसलन के चलते मुगल रोड बंद

श्रीनगर/जम्मू

जम्मू संभाग के उच्च पर्वतीय क्षेत्रों समेत कश्मीर के अधिकांश पहाड़ों पर शनिवार की रात से रविवार सुबह तक हिमपात हुआ। पीरपंजाल के पहाड़ों समेत मुगल रोड पर पीर की गली क्षेत्र में काफी बर्फ गिरी। सड़क पर फिसलन के चलते मुगल रोड पर यातायात बंद कर दिया गया है। जम्मू संभाग के किश्तवाड़ में सिंथन टॉप पर भी बर्फ गिरी है।

जम्मू-कश्मीर में आज भी वर्षा व बर्फबारी के आसार

पिछले कई दिनों से कश्मीर में तापमान जमाव बिंदु से नीचे

मुगल रोड पर पीर की गली के नजदीक छह इंच तक हुई बर्फबारी

13 से 17 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहेगा

10 और 11 दिसंबर तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है। 12 दिसंबर को आम तौर पर बादल छाए रहेंगे और कुछ उच्च पहाड़ी इलाकों में हल्की बर्फबारी होगी। 13 से 17 दिसंबर तक शुष्क मौसम रहेगा। शुष्क मौसम के बीच कश्मीर में तापमान जमाव बिंदु से नीचे चल रहा था। भले ही हिमपात नहीं हो रहा था, किंतु ठंड भीषण थी। शनिवार की रात को हिमपात से न्यूनतम तापमान कुछ चढ़ा है, लेकिन दिन में ठंड में कोई कमी नहीं आई है। श्रीनगर का तापमान माइनस 0.5 डिग्री सेल्सियस के साथ जमाव बिंदु से नीचे ही है।

तंगमर्ग में बर्फबारी की खूबसूरत झलक दिखी

तंगमर्ग में हुए बर्फबारी ने क्षेत्र की खूबसूरती को और बढ़ा दिया, जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए यह एक नया आकर्षण बन गया है। जम्मू और कश्मीर के तंगमर्ग क्षेत्र में ताजगी और शांति का माहौल छा गया है, जहां हाल ही में बर्फबारी के कारण क्षेत्र की सुंदरता और भी बढ़ गई है। तंगमर्ग जो कश्मीर घाटी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, अब पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के लिए बर्फ की चादर में ढका हुआ है।

दुर्घटना नियमित उड़ानों के दौरान घटी

तुर्किये सेना के दो हेलीकॉप्टर हवा मे टकराए, छह सैन्यकर्मियों की मौत

अंकारा

तुर्किये के दो सैन्य हेलीकॉप्टर सोमवार को हवा में टकरा गए, जिससे उनमें से एक हेलीकॉप्टर में सवार छह सैन्यकर्मियों की मौत हो गई, जबकि दूसरे हेलीकॉप्टर को सुरक्षित उतार लिया गया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पांच पीड़ितों की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि छठे व्यक्ति की अस्पताल में मौत हुई। क्षेत्रीय गवर्नर अब्दुल्ला इरिन ने बताया कि यह दुर्घटना नियमित प्रशिक्षण उड़ानों के दौरान दक्षिण-पश्चिमी प्रांत इस्पार्टा में हुई।

उन्होंने बताया कि पीड़ितों में एक ब्रिगेडियर जनरल भी शामिल है, जो विमानन स्कूल के प्रभारी थे। हेलीकॉप्टर किस वजह से आपस में टकराएं। इरिन ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मिली जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एक खेत में गिरा और दो हिस्सों में टूट गया।

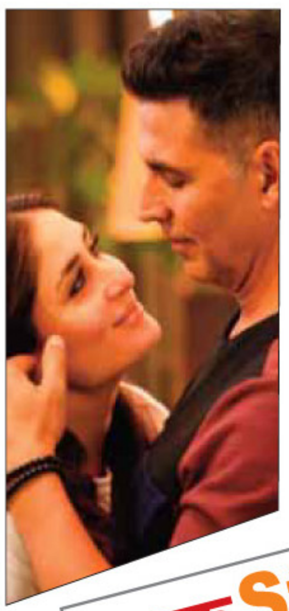

अक्षय के साथ रोमांटिक सीन करने में झिझकतीं थीं करीना

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता करीना कपूर खान और अक्षय कुमार ने कई फिल्मों में काम किया है। करीना ने एक बार खुलकर बताया था कि अक्षय के साथ रोमांस करना कितना 'अजीब' लगता था, जबकि वह उनकी बहन करिश्मा के को-स्टार थे। करीना कपूर ने बताया कि कैसे वे अक्षय कुमार और अपनी बहन की फिल्म के सेट पर जाती थीं और वहां खेलती थीं। करीना ने कहा कि मैं करिश्मा कपूर के सभी सह कलाकारों के साथ रोमांस कर रही हूं। उन्होंने बताया कि अक्षय कुमार जब फिल्में कर रहे थे, तब मैं स्कूल यूनिफॉर्म में थी। करिश्मा कपूर मेरी बड़ी बहन हैं, उनके सह कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए थोड़ा अजीब रहा है।

लाइफ Style

साई
सीता के किरदार में आएंगी नजर

अभिनेत्री साई पल्लवी ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने लिए एक अलग पहचान बना ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के बाद, अब साई, रणबीर कपूर अभिनीत रामायण से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं।

इतने शानदार करियर के साथ, साई पल्लवी की संपत्ति अच्छी खासी है, जो उनकी उनकी सफलता को दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, साई पल्लवी की वर्तमान कुल संपत्ति लगभग 47 करोड़ रुपए है। उनकी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा मलयालम, तेलुगु और तमिल सिनेमा में उनकी फिल्मों से आता है। वह कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट भी करती हैं। साई ने हाल ही में सुर्खियां बटोरीं क्योंकि उन्होंने पहले कई ब्रांड एंडोर्समेंट को अस्वीकार कर दिया था। अमरन अभिनेत्री एक फिल्म के 2.5 करोड़ से 3 करोड़ रुपए लेती हैं। हालांकि, उन्होंने नितेश तिवारी की रामायण में अपनी भूमिका के लिए 6 करोड़ रुपए की डिमांड की है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फिल्म बड़े पैमाने पर है। इस फिल्म में साई के अलावा रणबीर कपूर और केजीएफ स्टार यश के होने की भी संभावना है। साई पल्लवी अपने विनम्र स्वभाव के लिए जानी जाती हैं, लेकिन तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनका एक खूबसूरत घर भी है। अभिनेत्री अक्सर अपने परिवार के साथ उस आलीशान घर में क्वालिटी टाइम बिताती हैं। उनके पास मित्सुबिशी लांसर इवो एक्स और ऑडी क्यू 3 सहित कुछ शानदार कारें भी हैं।

हॉलीवुड मसाला

सिनेमाघरों में बंद हो विज्ञापन

लॉस एंजिल्स। 'जोकर: फोली ए ड्यूक्स' के निर्देशक टॉड फिलिप्स एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस बार टॉड अपनी किसी नई फिल्म के ऐलान को लेकर नहीं, बल्कि अपने एक सुझाव के कारण सुर्खियां बटोर रहे हैं। निर्देशक ने दर्शकों को सिनेमाई अनुभव देने के लिए थिएटर श्रृंखलाओं को एक खास सुझाव दिया है। उनका कहना है कि फिल्म दिखाने से पहले प्रदर्शित किए जाने वाले कमर्शियल को बंद किया जाना चाहिए। ऑस्कर विजेता टॉड फिलिप्स ने कहा, 'फिल्मों से पहले विज्ञापन दिखाना बंद करें।

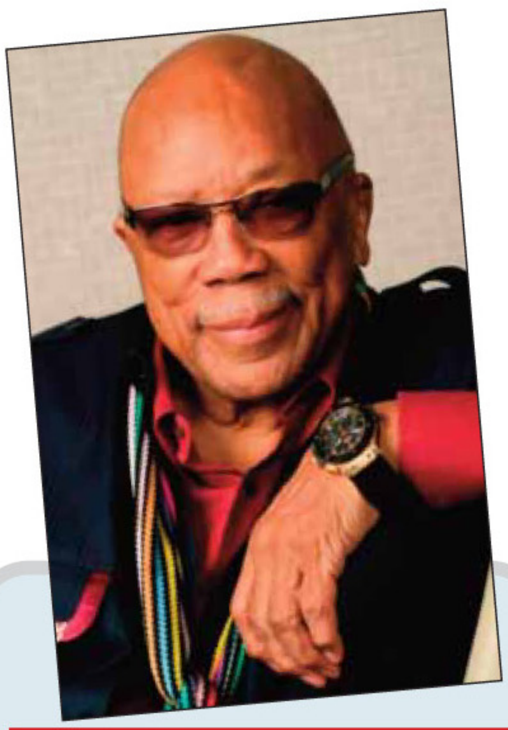

कई अवॉर्ड्स से सम्मानित थे दिग्गज क्विंसी जोन्स

लॉस एंजिल्स। संगीत दिग्गज क्विंसी जोन्स को माइकल जैक्सन के साथ उनके काम के लिए जाना जाता था। उन्होंने जैक्सन के प्रतिष्ठित एल्बम 'थ्रिलर' का निर्माण किया, जिसकी 65 मिलियन प्रतियां बिकीं और यह अब तक का सबसे अधिक बिकने वाला एल्बम बन गया। शिकागो के साउथ साइड की सड़कों से मनोरंजन उद्योग तक की उनकी यात्रा एक उल्लेखनीय कहानी है। 2001 में प्रकाशित उनकी आत्मकथा 'क्यू' में उन्हें मिले कई सम्मान और पुरस्कारों की सूची है। 18 पृष्ठों में फैले, जोन्स ने रूट्स पर अपने काम के लिए 28 ग्रैमी पुरस्कार, दो मानद अकादमी पुरस्कार और एक एमी अर्जित किए थे। क्विंसी ने 91 वर्ष की आयु में आखिरी सांस लेकर दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया है। क्विंसी की विशाल विरासत माइकल जैक्सन के ऐतिहासिक थ्रिलर एल्बम के निर्माण से लेकर पुरस्कार विजेता फिल्म और टेलीविजन स्कोर लिखने तक थी।

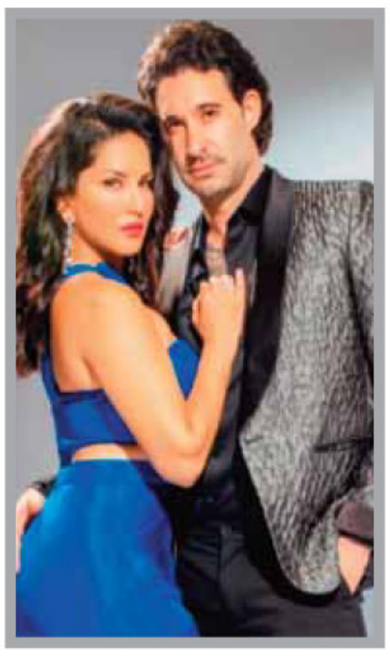

डेनियल से सनी ने दूसरी बार रचाई शादी

मुंबई। अभिनेत्री सनी लियोनी ने दूसरी बार शादी रचा ली है। हालांकि, दूसरी बार भी उन्होंने पति डेनियल वेबर के साथ ही जीने-मरने की कसमें दोहराई हैं। सनी और डेनियल ने साल 2011 में शादी की थी। वहीं, शादी के 13 साल बाद जोड़े ने 31 अक्टूबर को मालदीव में दोबारा शादी की। हालांकि, न तो सनी और न ही डेनियल ने शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। लेकिन, रिपोर्ट के अनुसार, इसमें केवल उनके बच्चे-निशा, नूह और अशर ही शामिल हुए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पारंपरिक आनंद कारज समारोह में शादी करने के 13 साल बाद सनी और डेनियल ने व्हाइट वेडिंग चुनी। दोनों काफी समय से अपनी शादी की प्रतिज्ञा को नवीनीकृत करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने इंतजार किया क्योंकि वे चाहते थे कि उनके बच्चे इस समारोह के महत्व को समझें।

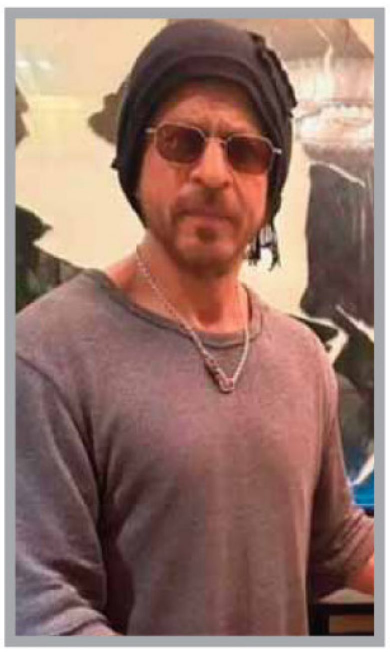

95 दिन के इंतजार के बाद हुई मुलाकात

मुंबई। शाहरुख खान ने अपने एक प्रशंसक से मुलाकात की जो, पिछले 95 दिनों से उनसे मिलने का इंतजार कर रहा था। प्रशंसक झारखंड से अपनी दुकान बंद करके केवल अभिनेता से मिलने मुंबई आया है। शाहरुख खान के वैसे तो दुनियाभर में लाखों-करोड़ों प्रशंसक हैं, लेकिन उनमे से कुछ प्रशंसक उन्हें इतना चाहते हैं कि सारी हदे पार कर देते हैं। ऐसा ही कुछ हुआ जब उनका झारखंड से आया एक प्रशंसक 95 दिनों से उनसे मिलने का इंतजार करता रहा। अंत में वह अपने पसंदीदा अभिनेता से मिल पाया। सोशल मीडिया पर अब उसके शाहरुख खान के साथ वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं। शाहरुख खान ने 2 नवंबर को अपना जन्मदिन मनाया। देश-विदेश से उन्हें प्रशंसकों की ढेर सारी शुभकामनाएं मिलीं।

टीवी मसाला

एक्ट्रेस जुबैदा को लेकर पूछे गए सवाल को लेकर छिड़ गया विवाद

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति के 16वें सीजन के हाल के एपिसोड में पूछे गए एक सवाल को लेकर कॉन्ट्रोवर्सी हो रही है। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और सीरीज सिटाडेल: हनी बनी के निर्देशक सेलिब्रिटी गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। शो में अभिनेत्री जुबैदा से जुड़ा एक ऐतिहासिक सवाल पूछा गया। इसे लेकर जुबैदा के बेटे खालिद मोहम्मद ने आलोचना की है, जिन्होंने शो में रिसर्च की कमी बताई है।

ब्रेकअप के बाद 3 बच्चों के पिता से की शादी
टॉप एक्टर्स से हुआ था इस एक्ट्रेस को प्यार...

नई दिल्ली। तस्वीर में दिख रही ये जहीन सी बच्ची बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस रही है। जिसकी एक्टिंग का मुकाबला आज भी हर कोई एक्ट्रेस नहीं कर सकती. और, डांस के मामले में जो ग्रेस और लचक इस एक्ट्रेस ने दिखाई, उस पर आज भी जमाना फिदा है। अपने दौर के बड़े से बड़े सितारे के साथ इस एक्ट्रेस ने स्क्रीन शेयर की और मेजर रोल्स अदा किए। उन्हीं में से कुछ के साथ नाम भी जुड़ा और रोमांस भी खूब हुआ। लेकिन, जब शादी की बात आई तो एक्ट्रेस ने अपने डिसिजन से अपने हर चाहने वाले को चौंका दिया। ये बच्ची कोई और नहीं, उस दौर की टॉप एक्ट्रेस वैजयंती माला हैं।

इन एक्टर्स के साथ ऑन और ऑफ स्क्रीन रहा रोमांस : वैजयंती माला ने अपने फिल्मी करियर के दौरान तकरीबन हर टॉप एक्टर के साथ काम किया। जिसमें देवानंद, शम्मी कपूर, राज कपूर, दिलीप कुमार, धर्मेंद्र सबके नाम शामिल हैं। इनमें से राज कपूर और दिलीप कुमार के साथ उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री भी खूब पसंद की गई और पर्दे के पीछे भी उनके रोमांस की खबरें आती रही। राज कपूर के बारे में तो यहां तक कहा जाता है कि उनकी पत्नी कृष्णा राज कपूर दोनों से जुड़ी खबरें सुनकर खासी नाराज हो गई थीं। इस नाराजगी में वो बच्चों सहित घर छोड़ कर होटल में रहने लगी थीं। उनकी घर वापसी इसी शर्त पर हुई कि राज कपूर कभी वैजयंती माला के साथ काम नहीं करेंगे। इन खबरों के बाद वैजयंती माला को करियर के स्तर पर भी कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ा था।

तीन बच्चों के पिता से हुआ प्यार: वैजयंती माला और राज कपूर का रिश्ता तो टूट गया। लेकिन, वैजयंती माला को उन्हीं के डॉक्टर में अपना लव ऑफ लाइफ नजर आया। वैजयंती माला ने जिस शख्स से शादी रचाई, वो थे राज कपूर के डॉक्टर चमनलाल बाली। उस दौर में चमन लाल बाली खुद वैजयंती माला के बड़े फैन हुआ करते थे। दोनों ने पसंद मिलने के बाद 1968 में 10 मार्च को शादी रचा ली। जब ये शादी हुई तब चमन लाल बाली पहले से ही शादीशुदा थे और तीन बच्चों के पिता थे।

बहन को देख लगा एक्टिंग का चस्का, फ्लॉप मूवी से चमकी किस्मत, सुपरस्टार संग की 'कुली नंबर 1'

__नई दिल्ली।__ एक्ट्रेस जब छोटी थीं, तब उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। वे 53 साल की हो गई हैं और बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने नेशनल अवॉर्ड सहित कई पुरस्कार जीते हैं। उनकी मां एक स्कूल टीचर थीं और बड़ी बहन एक मशहूर एक्ट्रेस थीं, जिन्हें देखकर उन्हें एक्टिंग का चस्का लगा था। उन्होंने फिल्म 'प्रेम' में काम किया, जिसे बनाने में बोनी कपूर को 8 साल लग गए थे। फिल्म बुरी तरह फ्लॉप रही, लेकिन यहां से तब्बू को खास पहचान मिली। बोनी कपूर दिसंबर 1987 में दो फिल्में लॉन्च की थीं- 'रूप की रानी चोरों का राजा' और 'प्रेम'। प्रेम में तब्बू को संजय कपूर के अपोजिट साइन किया गया था। फिल्म को बनने में 8 साल लग गए और यह बोनी कपूर के प्रोडक्शन करियर की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म साबित हुई, लेकिन इस फिल्म के बाद तब्बू का

करियर खूब आगे बढ़ा। तब्बू ने मिड-डे को दिए एक इंटरव्यू में अपने फिल्मी सफर की शुरुआत के बारे में बताया था। एक्ट्रेस कहा था, 'हम गर्मियों में नानी के घर छुट्टियां बिताने जाते थे। चूंकि मेरी मां के बड़े भाई ईशान आर्य सिनेमैटोग्राफर थे। उन्होंने गरम हवा (1973), बाजार (1982) की शूटिंग की थी। मैं उनके बेटों समीर और सागर के साथ बड़ी हुई। हम भाई-बहन की तरह थे. एक बार मेरी बहन फराह और मैं देव आनंद साहब के दफ्तर में थे, जहां वह एक स्क्रीन टेस्ट ले रहे थे, चूंकि उन्हें लगा कि वह बहुत सुंदर है, इसलिए उसका भी स्क्रीन टेस्ट लिया।' तब्बू ने आगे बताया था, 'एक दिन हमें यश चोपड़ा का फोन आया। उन्होंने मेरी मां को बहन को फिल्म 'फासले' में कास्ट करने की अपनी इच्छा के बारे में बताया।

'पहला पहला प्यार' थी पहली हिन्दी फिल्म

तब्बू ने आगे कहा, 'शेखर कपूर अंकल ने मुझे देखा और कहा कि मुझे उनकी फिल्म 'प्रेम' से डेब्यू करना है, जिसे मैंने मना कर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि मैं सिर्फ एक फिल्म करूं और फिर वे मुझे पढ़ाई के लिए विदेश भेज देंगे, जो कभी नहीं हुआ. मैंने फिल्म की, मगर उन्होंने प्रोजेक्ट छोड़ दिया।' बहुत कम लोग जानते हैं कि तब्बू ने एक्ट्रेस के तौर पर पहला रोल साउथ सुपरस्टार वेंकटेश के साथ तेलुगू फिल्म 'कुली नंबर 1' में निभाया था, जो साल 1991 में रिलीज हुई थी। तब्बू की लीड एक्ट्रेस के तौर पर हिंदी में पहली फिल्म 'पहला पहला प्यार' थी, जो 1994 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

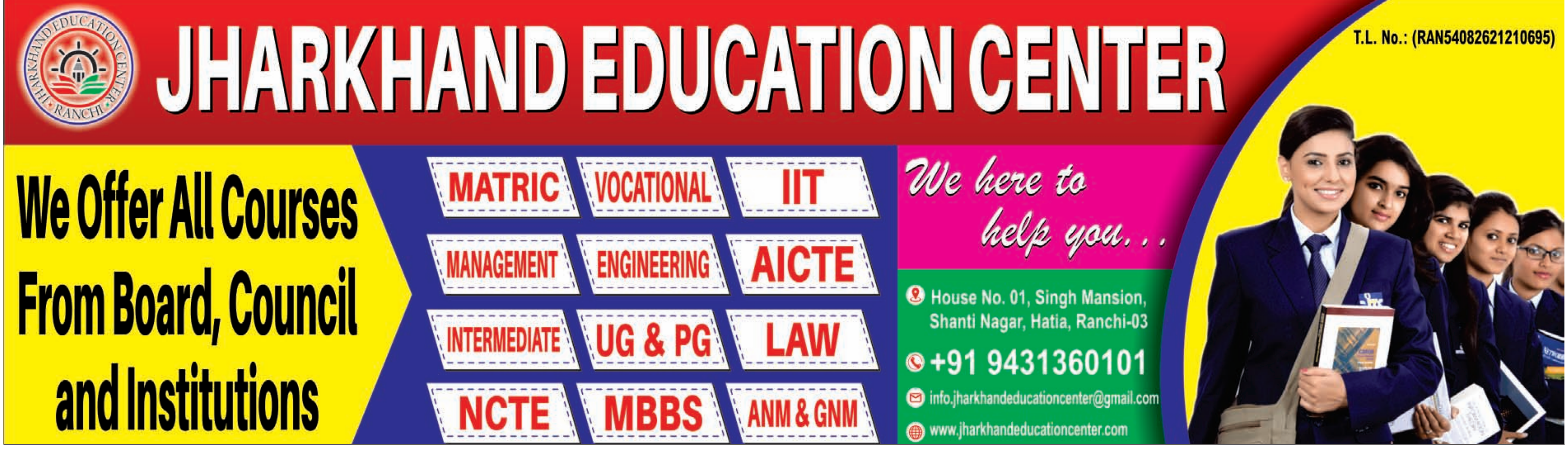

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काटीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रत्नेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.